संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | ऊना, गुरूवार, 28 मार्च 2024 ₹ 2 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 13 अंक: 85 पृष्ठ: 12 | RNI : HPHIN/2012/48072

actionindiauna@gmail.com | हिमाचल संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने बुधवार को "भविष्य के संघर्षों में एयरोस्पेस पावर" विषय पर एक सेमिनार को संबोधित किया।

आदर्श विचार

"शिक्षा और ज्ञान उसी को मिलता है जिसमें जिज्ञासा होती है। श्रीमद भगवत गीता"

मन की बात

"तुम्हें कोई पढ़ा नहीं सकता, कोई आध्यात्मिक नहीं बना सकता। ... `स्वामी विवेकानंद

पायलटों को 'अच्छे दिन' के लिए थोड़ा और करना होगा इंतजार

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों के लिए फ्लाइट ड्यूटी से संबंधित संशोधित नियमों के क्रियान्वयन को फिलहाल कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया है। नए नियम एक जून से प्रभावी होने वाले थे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। संशोधित नियमों के तहत सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने पायलटों के काम करने के घंटों में बदलाव किया गया है। उनके आराम के घंटे सप्ताह में 36 से बढ़ाकर 48 कर दिए गए हैं और रात के संचालन के दौरान लैंडिंग की संख्या को दो तक सीमित कर दिया गया है। इसके अलावा, पायलटों के लिए रात का समय आधी रात से सुबह पांच की बजाय अब छह बजे तक कर दिया गया है। पायलटों की थकान की समस्या को देखते हुए ये कदम उठाए गए थे। उन्होंने बताया कि गहन विचार करने के बाद संशोधित नियम का अनुपालन कुछ समय के लिए टाल दिया है। फेडरेशन आफ इंडियन एयरलाइंस (जिसमें एयर इंडिया, स्पाइसजेट और इंडिगो शामिल हैं)।

जम्मू-कश्मीर से अफ्सपा हटाने पर करेंगे विचार: शाह

= वहां मौजूद जवानों को भी वापस बुलाया जा सकता है; सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव

दो टूक

8 जम्मू-कश्मीर के ओबीसी को मोदी सरकार ने रिजर्वेशन दिया। महिलाओं को भी एक तिहाई आरक्षण दिया

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार (27 मार्च) को कहा कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर से आर्म्ड फोर्स स्पेशल पावर्स एक्ट हटाने पर विचार करेंगे। वहां मौजूद जवानों को वापस बुलाने का भी प्लान बनाया जा रहा है। इसके अलावा अमित शाह ने राज्य में सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव कराने की भी बात कही है। अमित शाह ने एक मीडिया ग्रुप को दिए इंटरव्यू में कहा कि सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लॉ एंड ऑर्डर की जिम्मेदारी अब सिर्फ पुलिस को सौंपने की तैयारी की है। पहले वहां की पुलिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता था, लेकिन अब पुलिस बड़े ऑपरेशन लीड कर रही है।

जम्मू-कश्मीर के ओबीसी को पहली बार रिजर्वेशन मिला: अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के ओबीसी को मोदी सरकार ने रिजर्वेशन दिया। महिलाओं को भी हमारी सरकार ने एक तिहाई आरक्षण दिया है। पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों में ओबीसी रिजर्वेशन की व्यवस्था भी की गई। हमने ही एससी और एसटी के लिए रिजर्वेशन की जगह बनाई है। हमने गुज्जर और बकरवाल समुदाय की हिस्सेदारी कम किए बिना पहाड़ियों को 10 प्रतिशत रिजर्वेशन दिया। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से विस्थापित लोगों को यहां बसाने के लिए हमने विशेष प्रावधान किए हैं। हमारी सरकार इन सुविधाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का प्रण लिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने कई बार इस आरक्षण व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश की, लेकिन अब जनता उनके इरादे जान गई है। मैं पूछना चाहता हूं कि 75 साल से इन लोगों को नेशनल कॉन्फ्रेंस ने रिजर्वेशन क्यों नहीं दिया।

जम्मू-कश्मीर में अब एक भी फेक एनकाउंटर नहीं होता: अमित शाह ने कहा कि जब यहां आतंकवाद का दौर था, तब अब्दुल्ला इंग्लैंड के दौरे पर चले जाते थे। दोनों (अब्दुल्ला और महबूबा) को जम्मू कश्मीर के मुद्दों पर राय देने का कोई हक नहीं है। इन दोनों के कार्यकाल में बहुत फेक एनकाउंटर हुए थे।

शाह की अपील- युवा पाकिस्तानी साजिश से दूर रहें

अमित शाह ने कहा- लोगों के बिना सपोर्ट के ये बदलाव नहीं मिल सकते थे। जो लोग इस्लाम की बात करते हैं उन्हें पता होना चाहिए कि मरने वालों में 85 फीसदी हमारे मुस्लिम भाई-बहन थे। मैं यहां के युवाओं से भी कहना चाहता हूं कि उन्हें पाकिस्तान की तरफ से हो रही साजिश से दूर रहना चाहिए। आज पाकिस्तान भुखमरी और गरीबी की मार झेल रहा है।

वहां के लोग भी कश्मीर को स्वर्ग के रूप में देखते हैं।

आतंकवाद से जुड़े 12 संगठन बैन किए: शाह

अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने 12 संगठनों को बैन किया है, जिनके तार आतंकवाद से जुड़े थे। हमारी सरकार में टेरर फंडिंग से जुड़े 22 केस दर्ज किए गए हैं। 150 करोड़ की संपत्ति भी सीज की है। साथ ही 134 बैंक अकाउंट भी फ्रीज किए हैं।

मोदी सरकार के कार्यकाल में आतंकवाद घटा: अमित शाह ने कहा- 2010 में जम्मू कश्मीर में पत्थरबाजी के 2564 घटनाएं हुई थीं, जो अब शून्य हो गई है। 2004 से 2014 तक आतंकवाद की 7217 घटनाएं हुई थीं। अब इसमें 70 प्रतिशत की कमी आई है। 2014 से 2023 तक ये घटनाएं घटकर 2227 हो गई हैं।

पंजाब में आप को झटका, जालंधर से सांसद रिंकू कुमार भाजपा में शामिल

ज्वाइन की

8 आप विधायक शीतल अंगुराल ने भी आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा ज्वाइन कर ली

टीम एक्शन इंडिया

जालंधर: पंजाब में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। जालंधर से आम आदमी पार्टी के सांसद रिंकू कुमार दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय पहुंचे हैं। भाजपा में शामिल हो गए हैं। इसी के साथ आप विधायक शीतल अंगुराल भी पार्टी मुख्यालय पहुंचे। शीतल ने भी आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा ज्वाइन कर ली है। शीतल पंजाब विधानसभा से जालंधर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। लोकसभा चुनाव के बीच आप पार्टी के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नहीं है।

जालंधर से सांसद हैं रिंकू: आप सांसद रिंकू कुमार जालंधर से सासंद हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के इकलौते लोकसभा सांसद सुशील कुमार रिंकू ने बीते साल बतौर सांसद शपथ ग्रहण की थी। सुशील कुमार रिंकू ने मई, 2023 में हुए जालंधर संसदीय उपचुनाव के दौरान जीत हासिल की थी। इस उपचुनाव में उन्होंने 57 हजार से ज्यादा वोट जीते थे। गौरतलब है कि सुशील कुमार रिंकू कांग्रेस के पूर्व विधायक रहे हैं।

बाल्टीमोर हादसे में लापता छह लोगों की मृत मान लिया गया

टीम एक्शन इंडिया

वाशिंगटन: अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत के बाल्टीमोर में पटाप्सको नदी पर बने ऐतिहासिक फ्रांसिस स्कॉट ब्रिज (पुल) से एक मालवाहक जहाज टकरा गया। इसके बाद पलक झपकते ही यह ब्रिज ढह गया। इस हादसे के दौरान कई लोग और कारें नदी में गिर गईं। इस दौरान लापता छह लोगों की नदी में तलाश की गई। कोई पता न चलने पर आखिरकार उन्हें मृत मान लिया गया है।

केजरीवाल पैसे के लेनदेन का खुलासा कोर्ट में करेंगे: सुनीता

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि उनके पति कल अदालत में खुलासा करेंगे कि कथित शराब घोटाले का पैसा कहां है। सुनीता केजरीवाल ने बुधवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई कई छापेमारी में कोई पैसा नहीं मिला। उन्होंने कहा, ईडी ने दिल्ली के कई मंत्रियों के ठिकानों पर छापेमारी की है लेकिन उन्हें एक भी पैसा नहीं मिला। पैसा कहां है?

अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि वह 28 मार्च को अदालत में इसके बारे में खुलासा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह कल जेल में अरविंद केजरीवाल से मिली थीं। उन्हें मधुमेह है। हालांकि उन्हें दृढ़ संकल्प के कारण चिंता की कोई बात नहीं है। जेल से सरकारी आदेश जारी करने पर केंद्र की आपत्ति का जिक्र करते हुए पत्नी सुनीता ने कहा कि दो दिन पहले, मेरे पति ने हिरासत में रहते हुए जल मंत्री आतिशी को पानी और सीवर से संबंधित मुद्दों को हल करने का निर्देश दिया था। उन्होंने क्या गलत किया, जो केंद्र ने इसके लिए भी अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मामला दायर किया है। क्या वे दिल्ली को खत्म करना चाहते हैं।

शराब घोटाला

8 प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई कई छापेमारी में कोई पैसा नहीं मिला: सुनीता केजरीवाल

ईडी ने 2.54 करोड़ रुपये बरामद किए

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले कुछ समय में अलग-अलग राज्यों में छापे मारकर करोड़ों रुपये जब्त किए हैं। इस क्रम में ईडी ने एक वाशिंग मशीन में छुपा कर रखे गए करीब 2.50 करोड़ रुपये भी जब्त किए। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा कानून के तहत की गई है। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, विदेशी मुद्रा कानून (फेमा) के कथित उल्लंघन के एक मामले के सिलसिले में विभिन्न शहरों में तलाशी के दौरान 2.54 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की है। इसका एक हिस्सा 'वाशिंग मशीन' में छुपा कर रखा गया था। निदेशालय ने बयान में कहा कि कैपरीकोरनियान शिपिंग एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियों और इसके निदेशकों विजय कुमार शुक्ला और संजय गोस्वामी तथा संबंधित कंपनियों के परिसरों में तलाशी ली गई।

जब्त

8 इस क्रम में ईडी ने एक वाशिंग मशीन में छुपा कर रखे गए करीब 2.50 करोड़ रुपये भी जब्त किए

एअर इंडिया से टकराया इंडिगो विमान

= कोलकाता एयरपोर्ट की घटना, डीजीसीए ने इंडिगो के दोनों पायलटों को हटाया

टीम एक्शन इंडिया

कोलकाता: कोलकाता एयरपोर्ट पर बुधवार को रनवे पर खड़े एअर इंडिया विमान से इंडिगो की फ्लाइट टकरा गई। इस टक्कर से दोनों विमानों को नुकसान पहुंचा है। एअर इंडिया फ्लाइट के पंख का एक हिस्सा टूटकर गिर गया। इस घटना को लेकर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने जांच के आदेश दे दिए हैं। साथ ही इंडिगो के पायलट और को-पायलट दोनों को ऑफ ड्यूटी कर दिया गया। एअर इंडिया का विमान चेन्नई के लिए उड़ान भरने वाला था यह घटना इंडिगो की ए320 वीटी-टीजीजी के बीच की है। एअर इंडिया का विमान चेन्नई के लिए उड़ान भरने वाला था और वह रन वे पर आने का इंतजार कर रहा था। तभी इंडिगो की फ्लाइट रनवे से आकर एयर इंडिया के विमान ये टकरा गई। जिससे पंख को नुकसान पहुंचा। अधिकारी ने कहा, हमने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और इंडिगो एयरलाइंस के दोनों पायलटों को ऑफ-रोस्टर कर दिया गया है। जांच के दौरान ग्राउंड स्टाफ से भी पूछताछ की जाएगी। दोनों उड़ानों को जांच के लिए रोक दिया गया है।

आईएसएस फ्लाइट और एअर इंडिया एक्सप्रेस 737 वीटी-टीजीजी के बीच की है।

इंडिगो ने कहा- मामूली टक्कर की सूचना मिली: घटना को लेकर इंडिगो की तरफ से एक बयान जारी किया गया। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा- कोलकाता एयरपोर्ट पर इंडिगो और दूसरे विमान की मामूली टक्कर की सूचना मिली। विमान को जांच के लिए रोक दिया गया।

फंसा पेंच: शरद पवार कांग्रेस और उद्धव से नाराज

= बोले- गठबंधन धर्म नहीं निभाया, उद्धव ने 17, प्रकाश अंबेडकर ने 8 सीटों पर प्रत्याशी उतारे

टीम एक्शन इंडिया

मुंबई: मुंबई की 6 लोकसभा सीटों में 4 सीटों पर उद्धव गुट के प्रत्याशी उतारने से टिकट की उम्मीद कर रहे मुंबई की 6 लोकसभा सीटों में 4 सीटों पर उद्धव गुट के प्रत्याशी उतारने से टिकट की उम्मीद कर रहे कांग्रेस नेता नाराज हो गए हैं। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी संकट में नजर आ रहा है। शिवसेना उद्धव गुट ने बुधवार को 17 कैंडिडेट्स का ऐलान किया। इनमें 3 सीटों पर कांग्रेस के दावेदार टिकट

का इंतजार कर रहे थे। इस ऐलान से शरद पवार नाराज हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने कहा है कि हमारे सहयोगी गठबंधन धर्म नहीं निभा रहे हैं। इधर, टिकट के ऐलान के बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय निरूपम भी नाराज हैं, वे मुंबई नॉर्थ-वेस्ट से लोकसभा लड़ने की तैयारी कर रहे थे। उन्हें खुद राहुल गांधी ने टिकट का भरोसा दिया था। उद्धव गुट ने यहां अमोल कीर्तिकर को टिकट दिया, जिन्हें खिचड़ी घोटाले में ईडी ने समन भेजा है। मुंबई साउथ-सेंट्रल और सांगली सीटों पर भी कांग्रेस के नेता टिकट मिलने की उम्मीद कर रहे थे। वंचित बहुजन अघाड़ी नेता प्रकाश आंबेडकर ने भी टशअ से अलग लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने बुधवार को 8 कैंडिडेट्स के नामों का ऐलान किया।

संकट

8 कांग्रेस नेता नाराज हो गए हैं। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी संकट में नजर आ रहा है

सदानंद वसंत दाते एनआईए के नए प्रमुख होंगे

नई दिल्ली: महाराष्ट्र कैडर के अधिकारी सदानंद वसंत दाते राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के नए प्रमुख होंगे। पीयूष आनंद को राष्ट्रीय आपदा बल का (एनडीआरएफ) महानिदेशक और राजीव कुमार शर्मा को पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। सदानंद वसंत दाते और राजीव कुमार शर्मा भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1990 बैच से हैं जबकि आनंद 1991 बैच के हैं।

ममता-कंगना पर टिप्पणी: मांगा जवाब

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: चुनाव आयोग ने भाजपा सांसद दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रीय श्रीनेत को ममता और कंगना पर टिप्पणी को लेकर 29 मार्च तक जवाब मांगा है। चुनाव आयोग ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा नेता कंगना रनोट पर टिप्पणी के लिए दिलीप घोष और सुप्रिया श्रीनेत को कारण बताओ नोटिस भेजा है। आयोग ने बुधवार (27 मार्च) को कहा कि दोनों नेताओं की टिप्पणियां अशोभनीय और गंदी थीं। चुनाव पैनल ने कहा

कि दोनों टिप्पणियां आदर्श आचार संहिता और चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों को गरिमा बनाए रखने की सलाह का उल्लंघन थीं। दोनों को 29 मार्च की शाम तक नोटिस का जवाब देने को कहा गया है।

भाजपा सांसद ने कहा था- ममता अपना पिता तय करें : दरअसल, भाजपा सांसद दिलीप घोष ने ममता बनर्जी के फैमिली बैकग्राउंड पर टिप्पणी की थी। टीएमसी ने मंगलवार (26 मार्च) को उनका एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया था। इसमें घोष ने कहा था- ममता जब गोवा जाती हैं तो खुद को गोवा की बेटी कहती हैं। त्रिपुरा में खुद को वहां की बेटी बताती हैं। वे तय करें कि उनके पिता कौन है। किसी की भी बेटी बन जाना अच्छा नहीं है। ममता पर टिप्पणी को लेकर टीएमसी ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी।

'आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करें यूएस'

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिका द्वारा प्रतिक्रिया दिए जाने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने वर की कार्यवाहक मिशन उपप्रमुख ग्लोरिया बेबेर्ना को तलब करते हुए भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने को कहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कूटनीति में राज्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे दूसरों की संप्रभुता और आंतरिक मामलों का सम्मान करें। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर टिप्पणी मामले को लेकर विदेश मंत्रालय ने अमेरिका की कार्यवाहक मिशन उपप्रमुख ग्लोरिया बेबेर्ना को तलब किया है। समाचार एजेंसी

तलब

8 केजरीवाल पर टिप्पणी मामले को लेकर मंत्रालय ने अमेरिका की कार्यवाहक मिशन उपप्रमुख को तलब किया

एएनआई के मुताबिक, ग्लोरिया बेबेर्ना की करीब 40 मिनट तक विदेश मंत्रालय में मुलाकात चली।

विदेश मंत्रालय ने ग्लोरिया बेबेर्ना को किया तलब: समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिका द्वारा की गई टिप्पणी के बाद अमेरिकी दूतावास में कार्यवाहक मिशन उपप्रमुख ग्लोरिया बेबेर्ना को तलब किया गया है।

भारत ने अमेरिका के बयान पर जताई आपत्ति: भारत ने अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम भारत में कुछ कानूनी कार्यवाही के बारे में अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हैं।

पहला सम्मेलन जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से सेवा कर्मियों के कल्याण से संबंधित मुद्दे भी शामिल होंगे

सैन्य कमांडरों का सम्मेलन 28 मार्च को हाइब्रिड मोड में शुरू होगा

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: सैन्य कमांडरों का इस साल का पहला सम्मेलन 28 मार्च को हाइब्रिड मोड में शुरू होगा। उसके बाद 01 और 02 अप्रैल को नई दिल्ली में फिजिकल मोड में होगा, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व को संबोधित करने के साथ ही कमांडरों से बातचीत भी करेंगे। इस सम्मेलन में सैन्य कमांडर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वैचारिक मुद्दों पर विचार-मंथन करेंगे। सम्मेलन में देश की समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के साथ चुनौतियों का आकलन किया जायेगा। कर्नल सुधीर चमोली ने बताया कि यह सम्मेलन भारतीय सेना के शीर्ष नेतृत्व के लिए वैचारिक मुद्दों पर विचार-मंथन करने, समीक्षा करने और समग्र सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा। यह सम्मेलन भविष्य की दिशा के लिए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों को लागू करने वाली प्रमुख प्राथमिकताओं को निर्धारित करेगा। हाइब्रिड मोड में 28 मार्च से शुरू होने वाले सम्मेलन की अध्यक्षता नई दिल्ली में थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे करेंगे, जिसमें सेना कमांडर अपने-अपने कमांड मुख्यालय से वर्चुअल मोड में भाग लेंगे। सम्मेलन में उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य और राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव पर प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञों की बातचीत भी होगी। 01 अप्रैल को फिजिकल मोड में सम्मेलन के दौरान सेना का शीर्ष नेतृत्व गहन विचार-मंथन सत्र में शामिल होगा। इन सत्रों में सेना की परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाने और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयारी सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों पर फोकस किया जायेगा। विचार-मंथन सत्र में सैनिकों और उनके परिवारों के लिए जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से सेवा कर्मियों के कल्याण से संबंधित मुद्दे भी शामिल होंगे।

बातचीत

8 रक्षा मंत्री वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व को संबोधित करने के साथ ही कमांडरों से बातचीत करेंगे

किन्नौर के प्रसिद्ध देवता कासुराजस व परकाशांकरस के आदेश के बाद किन्नर कैलाश यात्रा पर देव समाज ने लगाया प्रतिबंध

अनिल

किन्नौरः भगवान शिव की शीतकालीन तपोस्थली किन्नर कैलाश जिसके समक्ष किन्नौर जिला के सभी देवी देवता नतमस्तक होते है उस किन्नर कैलाश यात्रा के दौरान कैलाश की पहाडि?ों पर गंदगी फै ल रही है। ऐसे में किन्नौर जिला के रिब्बा गाँव के प्रसिद्ध देवता साहिब कासुराजस व पोवारी तांगलिंग के देवता परकाशांकरस ने जिला के किन्नर कैलाश यात्रा पर प्रतिबंध लगाया है।इस विषय को लेकर दोनों देवताओं ने वर्ष 2019 को भी आदेश जारी किए थेएलेकिन प्रशासन व स्थानीय कमेटीयों द्वारा आपसी कुछ शर्तो को लेकर यह यात्रा वर्ष 2023 तक चलती रही।लेकिन इस वर्ष रिब्बा गाँव के अंदर देवता कासुराजस के आदेशों पर देव समाज द्वारा किन्नर कैलाश यात्रा को प्रतिबंध लगाने के लिए एक प्रस्ताव पास किया है।हालांकी पोवारी व तांगलिंग गाँव में अबतक प्रस्ताव पास नहीं हुआ है, लेकिन देवता परकाशांकरस ने किन्नर कैलाश यात्रा पर प्रतिबंध के लिए देव समाज व स्थानीय कमेटी को आदेश दिए है। रिब्बा गाँव के देवता साहिब कासुराजस मंदिर के मोहतमी युधिष्ठर सिंह नेगी ने फोन सम्पर्क के माध्यम से बताया कि देवता कासुराजस ने किन्नर कैलाश के पहाडि?ों पर फैल रही गंदगी व कई अन्य कारणों से किन्नर कैलाश

यात्रा पर प्रतिबंध लगाने के लिए आदेश जारी किए है और इस विषय पर देव समाज से प्रस्ताव पास किया है। उन्होंने बताया कि किन्नर कैलाश के आसपास तीन गाँव है जिनमे रिब्बा, पूर्बनी, पोवारी तांगलिंग है जहाँ के सभी देव समाज व कमेटीयों से बातचीत कर आने वाले दिनों में किन्नर कैलाश यात्रा पर प्रतिबंध के लिए बातचीत की जाएगी व प्रशासनिक अधिकारियों से भी मुलाकात कर इस विषय पर बात की जाएगी। पोवारी ग्राम पंचायत के प्रधान भूपेंद्र नेगी ने फ ोन सम्पर्क के माध्यम से बताया कि पोवारी पंचायत में पोवारी व तांगलिंग गांव आते है जहाँ के इष्ट देवता परकाशांकरस ने वर्ष 2019 को किन्नर कैलाश यात्रा को प्रतिबंध करने के लिए आदेश दिए थे, लेकिन उस वक्त देवता परकाशांकरस से निवेदन के बाद साफ -सफ ाई के शर्तो पर यात्रा को स्थानीय कमेटी व देव समाज ने शुरू किया गया था, परन्तु उन शर्तो पर लोग खरे नहीं उतरे और किन्नर कैलाश यात्रा के दौरान पहाड़ो पर अधिक गंदगी फैल रही है और इस यात्रा का प्रमुख मार्ग तांगलिंग गाँव से शुरू होता है और पैदल मार्गो व पहाड़ो पर फैल रहीं गंदगी व अन्य कारणों से

देवता साहिब परकाशांकरस ने भी किन्नर कैलाश यात्रा को हालही में प्रतिबंध करने के आदेश दिए है और जल्द ही देव समाज और स्थानीय कमेटी द्वारा इस विषय पर प्रस्ताव पास किया जाएगा और दोबारा देव समाज व स्थानीय कमेटी द्वारा देवता साहिब परकाशांकरस के समक्ष इस विषय पर अर्जी भी लगाई जाएगी।

आईआईएम ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम के अधिकारियों के लिए किया प्रबंधन विकास कार्यक्रम

एसपी जैरथ

नाहनः भारतीय प्रबंध संस्थान आईआईएम सिरमौर ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के लिए व्यक्तिगत उत्कृष्टता शीर्षक से 2 दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रीन आर एंड डी सेंटर के अधिकारियों के लिए डिजाइन किया गया था, जिसका लक्ष्य प्रबंधकीय कौशल को बढ़ावा देना था। आईआईएम सिरमौर के निदेशक डॉक्टर प्रफु ल्ल वाई अग्निहोत्री ने बताया कि ग्रीन आर एंड डी सेंटर एचपीसीएल के कार्यकारी निदेशक वीके माहेश्वरी ने सत्र का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान मानव संसाधन विभाग से जे. महेश भी उपस्थित थे। आईआईएम सिरमौर से प्रो. पारिजात लंके और प्रो. अद्वैत राजेंद्र ने सत्र का संचालन किया। प्रतिभागियों के साथ सह-सीखने की प्रक्रिया में इंटरैक्टिव सत्रों की एक श्रृंखला शामिल थी। जो ताकत को समझने, टीम की गतिशीलता, सीखने की शैलियों, भावना विनियमन की कला में महारत हासिल करने और रेजिन विधि जैसी दिमागीपन तकनीकों पर केंद्रित थी। कार्यक्रम ने टीमों के भीतर काम करने के मूल्य पर जोर दिया। साथ ही अनुसंधान एवं विकास पेशेवरों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यक्तिगत उत्कृष्टता पर नए दृष्टिकोण प्रदान किए। एमडीपी के अध्यक्ष शशि कांत श्रीवास्तव ने कहा कि हम एचपीसीएल के साथ एक स्थायी रिश्ते की आशा करते हैं। यह पहल अनुसंधान एवं विकास के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र में व्यावसायिक विकास और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में भारतीय प्रबंध संस्थान सिरमौर और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एसमएल-02

न्यूज फ्लैश

पांवटा साहिब में झगड़े के बाद व्यक्ति की हत्या, आरोपी व्यक्ति पुलिस कस्ट्डी में

एसपी जैरथ

नाहनः पांवटा साहिब में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई मामले में पुलिस द्वारा एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर उसे चार दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामला पांवटा साहिब के भांटावाली गांव का है। यहां दुगल सिंह पुत्र गंगा राम निवासी गांव भांटावाली ने पुलिस थाना पांवटा साहिब को दी गई शिकायत में बताया कि 21 मार्च की रात उन्ही के गांव का युवक विरेन उर्फ गुलू भजन लाल के घर पहुंचा। किसी बात को लेकर वीरेन की भजन लाल के साथ कहासुनी हो गई। देखते ही देखते कहासुनी इस कदर बढ़ गई कि वीरेन ने भजन लाल पर हमला कर दिया जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटे लगी। पीड़ित ने बताया कि जब 23 मार्च तक उसे भजनलाल कहीं नहीं दिखाई दिया तो उसने उसके परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद भजन लाल के पिता जगदीश चन्द पंचायत प्रधान को लेकर मौके पर पहुंचे। इस दौरान देखा तो भजन लाल कमरे में मृत अवस्था में पड़ा हुआ था जिसके शरीर पर चोटों के निशान थे। इसके बाद मामले की जानकारी पांवटा पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची व व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इसके साथ ही पुलिस ने आरोपी की धर पकड़ भी शुरू कर दी। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए जगह-जगह दबिश दी और आरोपी को काबू किया जोकि व्यक्ति की हत्या करने के बाद मौके से फ रार हो गया था।

जिभी में किया जाएगा शोभला सराज पर्यटन उत्सव का आयोजन

श्याम कुल्वी

कुल्लूः जिला पर्यटन विकास अधिकारी कुल्लू सुनैना शर्मा ने जानकारी दी कि हिमाचल प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा जिभी वैली पर्यटन विकास एसोसिएशन के सहयोग से बंजार घाटी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जिभी में 29 और 30 मार्च, 2024 को शोभला सराज नाम से जिभी घाटी पर्यटन उत्सव मनाया जा रहा है। इस उत्सव के दौरान 29 मार्च को देशभर से आए प्रतिभागियों का स्वागत किया जाएगा और उनके लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।उन्होंने कहा कि इस उत्सव में 30 मार्च को जलोड़ी पास में स्की-माउंटेनियरिंग ओपन चैम्पियनशिप और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त इस उत्सव के दौरान जिभी में भी विभिन्न महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा और स्थानीय पारम्परिक व्यंजनों व अन्य उत्पादों से संबंधित स्टॉल भी लगाए जाएंगें। इस उत्सव में फ ोटोग्राफ ी प्रतियोगिता तथा जिभी घाटी में पर्यटन को विकसित करने के सम्बन्ध में घाटी के पर्यटन से सम्बंधित हितधारकों व अधिकारियों के मध्य पैनल डिस्कशन का आयोजन भी किया जाएगा। इसके साथ ही स्कूली छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को सस्टेनेबल टूरिज्म के बारे में जागरूक किया जाएगा।

मोबाइल, टैब समेत स्मार्ट वॉच का ताला तोड़ की चोरी

मुंह पर मास्क लगा आधी रात दुकान के तोड़े ताले, लाखों का सामान चोरी

एसपी जैरथ

नाहनः उपमंडल राजगढ़ में चोरी की बड़ी वारदात हुई है। शातिर आधी रात मुंह पर मास्क लगाकर दुकान के ताले तोड़ कर घुसे और लाखों रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना राजगढ़ बाजार की है। जहां गुरुकुल स्कूल के गेट के सामने इलैक्ट्रानिक्स की दुकान पर चोरों ने रात के वक्त वारदात को अंजाम दिया। शातिरों ने दुकान के ताले तोडकर 48 मोबाइल, एक टैब और स्मार्ट वॉच पर हाथ साफ कर लिया। उधर, राजगढ़ पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अरविंद राय पुत्र स्व. बलवंत राय निवासी गांव कुलथ डाकघर व तहसील राजगढ़ ने पुलिस को सौंपी शिकायत में बताया कि वह गांव कुलथ का रहने वाला है और उसकी गुरुकुल स्कूल गेट के सामने अरविंद इलेक्ट्रॉनिक्स के नाम से दुकान है। यह दुकान किराये पर ली है। 23 मार्च की शाम करीब 8:30 बजे वह दुकान बंद कर घर चला गया। रविवार को हमेशा की तरह दुकान बंद थी। पिछले कल होली के दिन भी दुकान बंद रखी थी शाम को जब उसका बेटा देवांश और उसके पास करने वाला लडका अनिल दुकान खोलने गए तो दुकान की बाई साइड के शटर के दोनों ताले टूटे मिले। इसकी सूचना बेटे ने फोन पर उसे दी। इसके बाद वह दुकान पर पहुंचा। दुकान चेक करने पर 48 फोनए एक टैब और शीशे का कांउटर तोडकर एक स्मार्ट वॉच भी चोरी पाई गई। दुकान से चोरी हुए समान की कीमत करीब 6 लाख रुपये बनती है। इसके बाद जब सिसिटीवी कैमरे की फु टेज जांची तो रात करीब 2:15 बजे तीन लोग दुकान के ताले तोड़

दुकान में घुसे और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सभी ने मुंह पर मास्क पहने थे। शिकायत के बाद पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। मामले की पुष्टि डीएसपी वीसी नेगी ने की है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिला स्तरीय बैशाखी मेला को लेकर सांस्कृतिक समिति की बैठक आयोजित

एसपी जैरथ

नाहनः जिला स्तरीय श्री शिरगुल देवता बैशाखी मेले की तैयारियों को लेकर तहसीलदार राजगढ़ उमेश शर्मा की अध्यक्षता में उपमंडलाधिकारी कार्यालय के सभागार में सांस्कृतिक समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समिति के सरकारी व गैर सरकारी सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में जिला स्तरीय मेले के दौरान आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सांस्कृतिक संध्याओं में बुलाए जाने वाले स्टॉल कलाकारों को लेकर चर्चा की गई। समिति के विभिन्न सदस्यों ने हिमाचलीए पंजाबी व स्टार कलाकारों को आमंत्रित करने और स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करने बारे भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में गैर सरकारी सदस्यों ने भी सांस्कृतिक संध्याओं के आयोजन से संबंधित अपने विचार रखे।

यह कंगना का नहीं बल्कि पूरे प्रदेश और देश का अपमानः जयराम

मंडी में कांग्रेस के खिलाफ उग्र हुई भाजपा, कंगना के प्रति टिप्पणी को लेकर जताया रोष

खेमचंद शास्त्री

मंडीः फि ल्म अभिनेत्री एवं मंडी संसदीय सीट से भाजपा की प्रत्याशी कंगना रनौत के खिलाफ कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेत के सोशल मीडिया हैंडल से की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर भाजपा ने मंडी जिला मुख्यालय पर कांग्रेस के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और शहर में एक रोष रैली निकाली। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर विशेष रूप से मौजूद रहे। जयराम ठाकुर ने कहा कि महिलाओं का अपमान करने वाली कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि वे कभी नारी शक्ति का सम्मान नहीं कर सकते। आज कंगना रनौत ने अभिनय के क्षेत्र में कामयाबी के झंडे गाडने के बाद राजनीति में कदम रखा तो कांग्रेसियों मे बौखलाहट पैदा हो गई है। यह वही कांग्रेस है जिनके रहते प्रदेश में गुडिया हत्याकांड हो गया और वे कुछ नहीं कर पाए। नैना साहनी का कांड भी इसी कांग्रेस के शासन में हुआ है। लेकिन मंडी की बेटी का जिस तरह से अपमान करने की कोशिश की गई है

उसे किसी भी लिहाज से बर्दाशत नहीं किया जाएगा। मंडी की बेटी के अपमान का बदला न सिर्फ मंडी बल्कि पूरे प्रदेश और देश की जनता लेगी।

जयराम ठाकुर ने कहा कि आज कांग्रेस नेत्री यह कह रही हैं कि उनके सोशल मीडिया अकाउंट का ऐक्सेस बहुत से लोगों के पास है। यदि ऐसा है तो जिसने यह पोस्ट डाली उसके खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई है।

उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में महिला आयोग के माध्यम से चुनाव आयोग को शिकायत भेजी गई है और चुनाव आयोग से जल्द से जल्द दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं जयराम ठाकुर ने भाजपा से बागी हो रहे नेताओं पर बोलते हुए कहा कि चुनावों के दौरान कुछ लोगों का नाराज होना स्वभाविक है। ऐसे लोगों के साथ वार्ता की जा रही है और जल्द ही सभी को मना लिया जाएगा।इस मौके पर उनके साथ मंडी संसदीय क्षेत्र के प्रभारी एवं पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर, भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत के पिता अमरदीप सिंह रनौत, भाजपा के सभी विधायक अनिल शर्मा, राकेश जंबाल, विनोद कुमार, सुरेंद्र शौरी, सहित आदि मौजूद रहे।

जिला दंडाधिकारी मुकेश रेपसवाल ने धारा 144 के तहत जारी किए आदेश

हामिद

चंबाः जिला दंडाधिकारी मुकेश रेपसवाल ने लोकसभा निर्वाचन-2024 को लेकर दंड प्रकिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार जिला में आग्नेयास्त्र, विस्फ ोटक और घातक हथियार नहीं लाने और सार्वजनिक स्थानों में इनके उपयोग या प्रदर्शन को पूर्णतया प्रतिबंधित किया गया है। किसी भी व्यक्ति को संबंधित एसडीएम या उपमंडल मजिस्ट्रेट, सहायक रिटर्निंग अधिकारी की पूवार्नुमति के बिना सार्वजनिक स्थल में धरना, जलुस, लाउडस्पीकर का इस्तेमाल, राजनीतिक भाषण आदि की अनुमति नहीं होगी। सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड? वाले अथवा जाति, धर्म या समुदाय के नाम पर नफ रत फैलाने वाले भाषण, पैम्फ लेट, पोस्टर, रेडियो, इंटरनेट या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक और भौतिक साधन का उपयोग को भी पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है।

जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति किसी के समर्थन या विरोध में सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार की दीवार लेखन का नहीं करेगा या हिमाचल

प्रदेश खुला स्थान विरूपण निवारण अधिनियम, 1985 के आदेशानुसार सार्वजनिक स्थानों को किसी भी प्रकार से विकृत नहीं करेगा। इसके साथ निजी संपत्ति के मामले में प्रचार सामग्री प्रयोग करने से पहले संपत्ति मालिक की लिखित अनुमति अनिवार्य रहेगी। राजनीतिक दलों या चुनाव लड? वाले उम्मीदवारों द्वारा संबंधित सहायक रिटर्निंग अधिकारी की लिखित अनुमति के बिना चुनाव प्रचार के लिए किसी भी वाहन का उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

भाजपा ने चुनाव व व्यापार प्रकोष्ठों के जिला संयोजकों की करी नियुक्ति

एसपी जैरथ

नाहनः जिला सिरमौर भाजपा ने चुनाव प्रकोष्ठ व व्यापार प्रकोष्ठों के जिला संयोजकों और जिला कार्य समिति के सदस्यों की नियुक्त के साथ-साथ मंडल संयोजक व मंडल सह संयोजकों की भी तैनात की है। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक प्रकाश जैन ने जिला कार्यसमिति सदस्यों के तौर पर धर्मपाल, अविनाश खिल्लन, मयंक महावर, विशाल आर्य, अशोक ठाकुर, सुखराम शर्मा, अरविंद राय, राजेंद्र सूद, रमेश कुमार, रामभज पराशर को शामिल किया है। वहीं नाहन मंडल संयोजक पद पर बुद्धि वल्लभ व दीप चंद सिंगला को सह संयोजक, पांवटा साहिब में पंकज पूरी व अभिषेक अग्रवाल, श्री रेणुका जी मंडल में सुधीर वर्मा व हरीश गर्ग, पच्छाद में हर्ष आनंद व राघव सहानी, शिलाई मंडल में संतराम तोमर व सीताराम शर्मा को क्रमशः मंडल संयोजक व सह संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। उधर भाजपा चुनाव प्रकोष्ठ के जिला संयोजक संजय गोयल ने भी जिला कार्यसमिति सदस्य के तौर पर विपिन कुमार, ललित कुमार, शिव कुमार, मोहन सिंह चौधरी, बाबूराम शर्मा, गुमान सिंह रिंटा, दिनेश कुमार, प्रवीण शर्मा, बंसीराम शर्मा, बिशन सिंह को शामिल किया है। वहीं पच्छाद मंडल से विवेक ठाकुर व नरपत ठाकुर, श्री रेणुका जी मंडल से राकेश पुंडीर व हरिंदर ठाकुर, नाहन मंडल से नितिन गुप्ता व अमित अत्री, पांवटा साहिब से तरनजीत गिल व पवन पटियाल, शिलाई से बहादुर सिंह व पंचराम को क्रमशः मंडल संयोजक व मंडल सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हरसर में पंखे से लटकी मिली डाककर्मी की लाश

फोरेंसिक टीम ने जुटा, साक्ष्य, शव पोस्टमार्टम को भेजा, फोरेंसिक टीम जांच में जुटी

विजय समयाल

कांगड़ाः पुलिस थाना जवाली के अधीन हरसर बाजार के समीप किराया के मकान में रह रहे युवक की फं दे से झूलती हुई लाश पाई गई है जिससे हरसर बाजार में सन्नाटा छाया हुआ है। मृतक युवक की पहचान अभिषेक कुमार (22) पुत्र मुकेश कुमार निवासी धमेटा के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभिषेक कुमार पोस्ट आफि स की सब ब्रांच हरसर में कार्यरत था तथा समीप ही मकान में कमरा किराया पर लेकर रहता था। मंगलवार को अभिषेक कुमार

ड्यूटी उपरांत रात को कमरे में चला गया तथा बुधवार को सुबह उसके परिजन उसको फोन करते रहे लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद उसके रिश्तेदार ने आकर देखा तो उसकी लाश चुन्नी से लटकी हुई थी। इसकी सूचना पुलिस थाना जवाली में दी गई जिस पर पुलिस मौका पर पहुंच गई तथा छानबीन शुरू कर दी। फोरेंसिक टीम ने भी मौका पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। इस बारे में एसपी नूरपुर अशोक रतन ने बताया कि हरसर में फं दे पर झूलते हुए अभिषेक कुमार का शव पाया गया है जिसको पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चल पाएगा कि हत्या हुई है या आत्महत्या की गई है। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त ने किया मतदाता जागरूकता गीत का विमोचन

श्याम कुल्वी

कुल्लूः जिला लाहौल स्पीति में सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा और निर्वाचन भागीदारी स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाताओं की मतदान में सहभागिता सुनिश्चित करवाने की दृष्टिगत अनेक गतिविधियां आयोजित करवाई जा रही है। इसी कड़ी में केलांग मुख्यालय में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त राहुल कुमार ने मतदाता जागरूकता गीत के वीडियो का विधिवत रूप से विमोचन किया। जिसे लाहौली बोली में स्थानीय महिला कलाकारों द्वारा सुंदर, सरल व सहज तरीके से गीत के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया गया है। जिसमें गीत के बोल गेता वोट रंड्री योग मैं भी वोट देने जाऊंगी। गीत के वीडियो लॉन्च के उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त लाहौल

स्पीति ने बताया कि जिला लाहौल स्पीति में इस मर्तबा लोकसभा व विधानसभा के उपचुनावों के दौरान जिला में 75 प्रतिशत से भी अधिक मतदान का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने मतदाताओं से आग्रह किया कि 1 जून को अधिक से अधिक मतदान करें और अपनी सहभागिता सुनिश्चित बनाते हुए लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी अहम भूमिका अदा करें। उन्होंने यह भी बताया कि स्वीप कार्यक्रम के तहत जिला लाहौल स्पीति में अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जिसमें मतदाताओं को जागरूक करने के लिए वह उनकी सहभागिता सुनिश्चित बनाने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची में नाम दर्ज करने, मतदाता सूची में उनके मौजूदा विवरणों को सही करने और स्थानांतरित और मृतक परिवार के सदस्यों के नाम हटाने से संबंधित प्रक्रिया के बारे में शिक्षित किया जा रहा। राहुल कुमार ने यह भी बताया कि स्वीप गतिविधियों का उद्देश्य मतदाताओं को नैतिक मतदान के बारे में उपलब्ध विभिन्न ऑनलाइन, ऑफ लाइन सुविधाओं के बारे में सूचित करना भी है जैसे कि वोट कैसे डालें, चुनाव के दौरान भ्रष्ट आचरण को रोकने के लिए चुनाव मशीनरी की मदद कैसे करें की भी बहुमूल्य जानकारियां को आम मतदाताओं तक पहुंचाया जा रहा है।

जे 18 रा हुई गई रा हाऊं ता फेरी वोट कि नी पाऊं अभियान शुरू

सुभाग सचदेवा

गोहरः आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशतता बढ़ाने के लिए नए बने मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए जे 18 रा हुई गई रा हूं, ता वोट की नहीं पाऊं अभियान शुरू किया है। सहायक निर्वाचन अधिकारी व एसडीएम गोहर लक्ष्मण सिंह कनेट द्वारा 28 नाचन (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र के सरकारी व निजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गवर्नमेंट व निजी कॉलेज, आईटीआई के अधिकारियों व नोडल ऑफि सर को आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर छूटे हुए

मतदाताओं का विशेष नामांकन अभियान जे 18 रा हुई गई रा हाऊं, ता फेरी वोट कि नी पाऊं अभियान प्रारंभ किया गया है। एसडीएम गोहर ने कहा कि अभियान के तहत विभिन्न संस्थानों में पढ? वाले छात्र व छात्राएं जिनकी आयु 18 वर्ष है या 1 अप्रैल, 2024 को या उससे पहले 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले हैं, को मतदाता सूची में दर्ज करने के निर्देश दिए ताकि वे आगामी लोकसभा आम चुनाव-2024 में मतदान करने के लिए पात्र हो सकें। एसडीएम ने संस्थानों को अपने चुनावी साक्षरता क्लब (ईएलसी) को सक्रिय करने और छात्रों की पहचान करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में यदि कोई ऐसा विद्यार्थी पाया जाता है जिसका नाम दर्ज न हो, उन्हें संबंधित बीएलओ की मदद से एनवीएसपीए

निर्वाचन आयोग के ऐप्स का हो व्यापक प्रचार-प्रसार: मनीष गर्ग

अनुपालन

8 हर समय सक्रिय रहनी चाहिए और फील्ड में उडनदस्तों की नियमित रूप से मूवमेंट हो

विवेकानंद वशिष्ठ

हमीरपुर: हिमाचल प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग ने निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित जिला के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे आगामी चुनाव के लिए सभी आवश्यक तैयारियों एवं प्रबंधों के साथ-साथ भारत निर्वाचन आयोग के विभिन्न ऐप्स का भी व्यापक प्रचार.प्रसार सुनिश्चित करें।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने हमीरपुर में की चुनावों की तैयारियों की समीक्षा

ये ऐप्स उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों और आम मतदाताओं के अलावा निर्वाचन डयूटी पर तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए भी काफी सुविधाजनक साबित हो सकते हैं। आगामी लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव से संबंधित तैयारियों की समीक्षा के लिए बुधवार को यहां उपायुक्त कार्यालय परिसर में जिला के अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए मनीष गर्ग ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ-साथ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी ऐप्स का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए तथा उन्हें भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों से अवगत करवाया जाना चाहिए। मनीष गर्ग ने कहा कि जिला में आदर्श आचार संहिता की अक्षरशः अनुपालना के लिए सभी टीमें हर समय सक्रिय रहनी चाहिए और फील्ड में उडनदस्तों की नियमित रूप से मूवमेंट हो। उन्होंने जिला के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में तैनात विभिन्न टीमों की ताजा स्थिति की जानकारी भी ली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता पंजीकरण, मतदान प्रतिशतता में बढ़ोतरी की संभावनाओं और मतदान केंद्रों पर आवश्यक प्रबंधों को लेकर भी अधिकारियों के साथ व्यापक चर्चा की। सर्विस वोटर्स, दिव्यांग मतदाताओं और 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं के मतदान के संबंध में भी उन्होंने दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के संबंध में अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने जिला में मतदान की प्रतिशतता बढ़ाने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत व्यापक स्तर पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

लोकसभा चुनाव के साथ उपचुनाव में भी जीत हासिल करेगी कांग्रेस: रोहित

दावा

8 अब साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस जीत हासिल करेगी

चमन शर्मा

शिमला: देश में लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। कांग्रेस अब तक हिमाचल प्रदेश में एक भी सीट पर प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। इस बीच शिमला संसदीय क्षेत्र के प्रभारी रोहित ठाकुर ने कांग्रेस पदाधिकारी की बैठक ली। इस बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की गई है। पार्टी जल्द ही लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी की घोषणा करेगी और इसके तुरंत बाद कांग्रेस कार्यकर्ता

मैदान में उतरेंगे। रोहित ठाकुर ने लोकसभा चुनाव के साथ उपचुनाव में भी जीत का दावा किया है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि बीते 15 महीने में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार ने बेहतरीन काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से किए गए कामों को लेकर ही जनता के बीच कांग्रेस कार्यकर्ता जाएंगे। उन्होंने कहा कि साल 2021 में उपचुनाव, साल 2022 में विधानसभा चुनाव और साल 2023 में नगर निगम शिमला के चुनाव में जीत हासिल करने के बाद अब साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस जीत हासिल करेगी।

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा चुनाव में विकलांग मतदाताओं को सुविधा उपलब्ध करवाने को लेकर बैठक आयोजित

हामिद

चंबा: सहायक रिटर्निंग अधिकारी व एसडीएम चंबा अरुण शर्मा की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव को लेकर एसीसीएइ की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग के दिशा-निदेर्शानुसार विकलांग मतदाताओं की सुविधा के लिए निर्वाचन क्षेत्र-3 चम्बा में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित बनाना होगा ताकि कोई भी मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित ना रहे। उन्होंने बताया कि विकलांग मतदाताओं की सहायता हेतु चुनाव वाले दिन स्वयं सेवकों की नियुक्ति की जाएगी तथा छोटे बच्चों वाली महिलायों को शिशुगृह की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।उन्होंने यह भी बताया कि अपंग मतदाताओं के लिए गाडि?ों के साथ साथ व्हील चेयर भी उपलब्ध करवाई जाएगी। इस अवसर पर उपनिदेशक उच्च शिक्षा प्यार सिंह चढक, प्रारंभिक शिक्षा ज्ञानचंद, खंड विकास अधिकारी गिरिजा मनकोटिया, डॉ. हरित पुरी व तहसील कल्याण अधिकारी अक्षय कुमार उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय अस्पताल में डायलिसिस सुविधा के सुचारू संचालन के लिए बनी कमेटी

राजन पुरी

ऊना: क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में डायलिसिस सुविधा के सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन के लिए एक कमेटी गठित की गई है। सीएमओ डॉ. संजीव वर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय अस्पताल ऊना के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय मनकोटिया की अध्यक्षता में गठित इस कमेटी में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुखदीप सिंह सिद्धू को सदस्य सचिव तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विशाल ठाकुर, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. विकास चौहान, जसविंदर सिंह, योगेश कुमार व गौरव कुमार को कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है। सीएमओ डॉ. वर्मा ने बताया कि उपायुक्त जतिन लाल के निदेर्शानुसार गठित इस कमेटी का उद्देश्य डायलिसिस मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाना है, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। सीएमओ ने बताया कि मरीजों को अभी क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में स्थापित डीसीडीसी केंद्र के माध्यम से डायलिसिस कि सुविधा उपलब्ध हो रही थी, लेकिन जल्द ही मरीजों को डायलिसिस की सुविधा हंस फाउंडेशन के माध्यम से उपलब्ध करवाई जाएगी। डॉ. संजीव वर्मा ने बताया कि डायलिसिस केंद्र में जब तक हंस फाउंडेशन अपने नये उपकरणों को सुचारू रूप से व्यवस्थित करेगी, तब तक डायलिसिस मरीजों को ग्रेस मेगा केयर, ग्रीन एवेन्यु रक्कड़ कलोनी व नंदा अस्पताल ऊना में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक ग्रेस मेगा केयर में लगभग 15 मरीज व नंदा अस्पताल में 25 मरीज इस सुविधा के लिए पंजीकृत किए गए हैं। इन अस्पतालों में यह सुविधा आयुष्मान व हिमकेयर के अंतर्गत नि:शुल्क उपलब्ध रहेगी

अपस्टॉक्स ने उपयोगकताओं को बुद्धिमानी से निवेश करने में मदद करने के लिए शुरू किया 'किट किट दूर करें' अभियान

धर्मशाला: भारत के सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज करते और उच्चतम रेटिंग वाले ट्रेडिंग और निवेश प्लेटफॉर्म, अपस्टॉक्स ने आज अपने नवोन्मेषी ब्रांड अभियान, 'किट किट दूर करें, बाजार में उतरें' ('कट द किट किट, गेट इन द मार्केट') का अनावरण किया। इस अभियान के साथ, अपस्टॉक्स का लक्ष्य है, खुदरा निवेशकों को भ्रामक जानकारियों, बहुत सी सूचनाओं के शोर और जानकारी की अधिकता से बचकर सही तरीके से निवेश करने में मदद करना।अपस्टॉक्स के अपने आंतरिक शोध के अनुसार, निवेश यात्रा अक्सर वित्तीय उत्पादों की गुमराह करने वाली जानकारी के आधार पर बिक्री (मिस-सेलिंग), गुमराह करने वाले परामर्श, सूचना की अधिकता और जटिल शब्दजाल जैसी चुनौतियों से भरी होती है। इस वजह अक्सर लोग ऐसे फैसले करते हैं उनके वित्तीय लक्ष्यों से मेल नहीं खाते।उदाहरण के लिए, उपयोगकर्ता अक्सर म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय आवश्यक जोखिम और व्यय की बारीकियों के मुकाबले रिटर्न को प्राथमिकता देते हैं। इस तरह वे बगैर उचित मूल्यांकन के 1 करोड़ रुपये का टर्म इंश्योरेंस प्लान चुन सकते हैं। इस तरह बिना पूरी जानकारी के फैसले किये जाते हैं, जिससे निवेशकों में आत्मविश्वास की कमी हो जाती है। इन चुनौतियों को पहचानते हुए, अपस्टॉक्स ने अपने उपयोगकताओं के लिए मुश्किलों और जटिलताओं को दूर करने की पहल की है। कंपनी बाजार के "किट-किट दूर करना" (सूचनाओं का शोर कम करना) चाहती है, और उपयोगकताओं को उनके लिए जो सही है, उसमें निवेश कर धन सृजन शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहती है।निवेशकों तक यह संदेश पहुंचाने के लिए, अपस्टॉक्स ने किट किट दूर करें, बाजार में उतरें ("कट द किट, गेट इन द मार्केट") की अवधारणा पर एक अभियान वीडियो लॉन्च किया है। वीडियो में, थिएटर के जीवंत माहौल के बीच, म्यूचुअल फंड में निवेश का उल्लेख कलाकारों और दर्शकों की ओर से "किट किट" का एक कोरस शुरू होता है, तब तक गूंजता है जब तक निवेश करने के इच्छुक लेकिन भ्रमित नायक को अपस्टॉक्स ऐप से परिचित नहीं कराया जाता, जिसके तहत सोच-समझ कर फैसला करने के लिए टॉप-रेटेड म्यूचुअल फंड और वित्तीय डेटा तक पहुंच की पेशकश की जाती है।

बरनोह में स्कूटी की टक्कर से राहगीर जख्मी

राजन पुरी

ऊना: पुलिस थाना ऊना के तहत बरनोह में स्कूटी की टक्कर से राहगीर जख्मी हुआ है। जिसका स्थानीय अस्पताल में उपचार जारी है। वहीं पुलिस ने घायल की शिकायत पर स्कूटी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सुनील कुमार निवासी कुरियाला ने बताया कि गत दिवस बरनोह में पैदल जा रहा था। इसी दौरान हमीरपुर की ओर से आ रही एक स्कूटी ने टक्कर मार दी। एएसपी ऊना संजीव भाटिया ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर स्कूटी चालक मान सिंह निवासी रूपनगर, पंजाब के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एमसीएमसी की बैठक का आयोजन, जिला निर्वाचन अधिकारी ने की अध्यक्षता

कड़ी नजर

8 संदेश आदि से प्रकाशित एवं प्रसारित होने वाले विज्ञापनों और पेड न्यूज पर कड़ी नजर रखी जा रही है

चमन शर्मा

शिमला: जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में गत दिवस को जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति एमसीएमसी की बैठक का आयोजन किया गया। अनुपम कश्यप ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में मीडिया प्रमाणन और निगरानी समिति द्वारा सभी समाचारपत्रों, टीवी, रेडियो, ई-

पेपर, सोशल मीडिया, बल्क संदेश आदि से प्रकाशित एवं प्रसारित होने वाले विज्ञापनों और पेड न्यूज पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसके लिए एमसीएमसी कंट्रोल रूम उपायुक्त कार्यालय में स्थापित किया गया है, जोकि 24ग7 कार्यरत है।उन्होंने राजनैतिक दलों से आए आईटी सेल के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान यदि पेड न्यूज किसी उम्मीदवार द्वारा प्रकाशित की जाती है तो इस संदर्भ में समिति द्वारा उम्मीदवार को नोटिस जारी किया जाएगा तथा समिति के निर्णय पर उस पेड न्यूज को उम्मीदवार के खर्चे में जोड़ा जाएगा।उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारों द्वारा जारी किए जाने वाले विज्ञापनों का समिति से प्री-सर्टिफि केशन करवाना आवश्यक रहेगा। कोई भी उम्मीदवार यदि केबल नेटवर्क, एफ एम चैनल, टीवी चैनल, सोशल मीडिया अथवा मतदान पूर्व और मतदान दिवस के लिए प्रिंट मीडिया में विज्ञापन को जारी करना चाहता है, तो उस स्थिति में जिला स्तरीय समिति से इसकी प्री-सर्टिफिकेशन करवाना अनिवार्य रहेगा। जिला निर्वाचन

अधिकारी ने टेलीकॉम कम्पनियों से आए प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि एमसीएमसी द्वारा जारी प्री-सर्टिफि केशन प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी प्रकार के बल्क संदेश और वाइस संदेश विज्ञापनों को जारी न किया जाए ताकि चुनाव के दौरान जारी होने वाली प्रचार सामग्री पर कड़ी निगरानी रखी जा सके।

बैठक में सी-विजिल एवं सुविधा ऐप पर भी दी गई विस्तृत जानकारी जिला निर्वाचन

अधिकारी ने कहा कि कोई भी नागरिक आदर्श आचार-संहिता एवं व्यय से संबंधित हो रहे उल्लंघन की शिकायत सी-विजिल ऐप के माध्यम से उपलब्ध करवा सकता है, जिसमें संबंधित समितियों द्वारा उस शिकायत का निपटारा प्राप्ति से 100 मिनट के अंदर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सी-विजिल ऐप भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाईट पर निःशुल्क उपलब्ध है।

कुरियाला में 14 को मनाया जाएगी अंबेडकर जयंती

राजन पुरी

ऊना: नगर परिषद संतोषगढ़ के श्री गुरु रविदास ऐतिहासिक मंदिर में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में हिमाचल प्रदेश श्री गुरु रविदास महासभा ऊना जिला उपप्रधान डॉ नरेश कतनोरिया, ब्लॉक की प्रधान कुलविंदर कौर, डॉ कृष्ण कतनोरिया व अश्वनी कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में 14 अप्रैल को गांव कुरियाला के श्री गुरु रविदास मंदिर डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती मनाने बारे चर्चा हुई। ब्लॉक प्रधान कुलविंदर कौर ने कहा कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा व अच्छे संस्कार दें, जिससे बच्चे आगे जा कर अपना वह अपने परिवार का नाम रोशन करे। उपप्रधान डॉ नरेश कतनोरिया ने कहा

है कि मंदिरों के प्रधान या अन्य पद पर हासिल करके कार्यक्रमों तक ही सीमत न रहें। अपने पद का अच्छे तरीके से निर्वाह करें और मंदिर व समाज का करने में अपना योगदान दें। बैठक में श्री गुरु रविदास धार्मिक सभा के वरिष्ठ उपप्रधान पवन कुमार बिट्टू, उपप्रधान वचन चंद, महासचिव मनोहर लाल, पूर्व प्रधान बलबीर सिंह बबलू, पूर्व वरिष्ठ उपप्रधान कश्मीरी लाल सिंघा, बलराम महे, लेब एसोसिएशन के राज्य प्रधान सतीश मल्ली, पार्षद सत्य प्रशाद, सुलिंद्र चोपड़ा, सुरिंदर बस्सी, नहिंद्र चोपड़ा, हैप्पी, मोनू, सन्नी सहित अन्य उपस्थित रहे।

देहलां में विशाल कबड्डी कप आज

राजन पुरी

ऊना: महादेव स्पोर्टस क्लब देहलां लोअर के सहयोग से 28 मार्च को देहलां स्कूल के खेल मैदान में एक दिवसीय विशाल कबड्डी कप का आयोजन किया जा रहा है।

यह जानकारी क्लब के सदस्य शिवम भारद्वाज ने दी। उन्होंने बताया कि ओपन कबड्डी नेशनल स्टाइल प्रतियोगिता में विजेता टीम को 1.11 लाख व ट्राफी व उपविजेता रहने वाली टीम में 71000 व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। जबकि 55 किलोग्राम भार प्रतियोगिता में विजेता टीम को 31000 व उपविजेता रहने वाली टीम को 21 हजार से नवाजा जाएगा।

दुलैहड़ में अफीम की खेती करने पर महिला गिरफ्तार

पुलिस ने अफीम के 423 पौधों को कब्जे में ले शुरू की जांच

राजन पुरी

ऊना: थाना टाहलीवाल के तहत दुलैहड़ गांव में पुलिस ने एक घर के समीप अफीम की खेती का पदार्फाश किया है। पुलिस ने मौके से अफीम के 423 पौधे बरामद किए हैं।

इस मामले में पुलिस ने एक महिला के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार टाहलीवाल पुलिस को बुधवार सुबह गुप्त सूचना मिली कि दुलैहड़ गांव में एक घर के पास बड़े स्तर पर अफीम की खेती की गई है। इस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम दुलैहड़ गांव के वार्ड नंबर दो में रेखा देवी पत्नी कुलविंद्र के घर पहुंची। मौके पर देखा कि घर के पास खेत में तैयार की गई क्यारियों में अफीम के पौधे लगे हुए हैं। इसके बाद पौधों को तुरंत नष्ट किया गया। पौधों की गिनती कर पर संख्या 423 पाई गई। पुलिस टीम ने सभी पौधे जब्त कर जांच शुरू कर दी। डीएसपी हरोली मोहन रावत ने बताया कि मामले की जांच जारी है। उन्होंने बताया कि पुलिस महिला से ये भी जानने का प्रयास करेगी कि आखिर कब से नशे की खेती की जा रही थी।

कृषि पर आधारित कार्यशाला का आयोजन

हामिद

चंबा: बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गागला में हिमाचल प्रदेश विज्ञान, प्रद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद के तत्वाधान में लौट्स ईको क्लब गागला द्वारा बाजरे तथा अन्य अनाजों के उपयोग तथा उनके गुणकारी लाभों और औषधीय पौधों के उत्पादन और इन पौधों के गुणकारी लाभों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्यातिथि एवं स्त्रोत व्यक्ति भोला सिंह भट्ट सेवानिवृत्त उपनिदेश कृषि विभाग द्वारा शिरकत की गई।

मुख्यातिथि ने उक्त विषय

सम्बन्धी पूर्ण जानकारी दी गई इसमें मोटे अनाज के उत्पादन और हिमाचल में इसके अनुकूल मिट्टी और इसके के सही मौसम में बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और इन अनाजों के लाभ के बारे में बच्चों को बताया

बच्चों ने इन मोटे अनाजों जिसमे ज्वार, बाजरा, कुटकी, जौ, रागी, मडुआ आदि के आटे से व्यजंन बनाये और बच्चों को इसका स्वाद भी चखाया गया। मुख्यातिथि ने बच्चों द्वारा बनाये गए मोटे अनाज के व्यजनों का अवलोकन किया और बच्चों को प्रोत्साहित भी किया कि किसानों के लिये किस प्रकार यह लाभकारी सिद्ध हो रहें है इस कार्यक्रम में स्कूल के प्रधानाचार्य योगेश्वर अहीर ने भी बच्चों को इस कार्यशाला के महत्व के बारे में बताया और बच्चों द्वारा बनाये गए व्यजनों की सराहना भी की कार्यशाला में भाग लेने बाले बच्चों को ईनाम देकर सम्मानित भी किया इस कार्यक्रम में इको क्लब की प्रभारी मनीता कुमारी सहित स्टाफ के सभी सदस्य मौजूद रहे।

अधिकारियों को दी जेंडर बजटिंग की जानकारी

अवगत कराया

8 जेंडर के आधार पर मुद्दों को पहचानने और इसके निवारण के लिए कार्य करने के बारे में जानकारी दी गई

खेमचंद शास्त्री

मंडी: महिला एवं बाल विकास निदेशालय हिमाचल प्रदेश द्वारा जेंडर बजटिंग पर आयोजित कार्यशाला के दूसरे दिन बुधवार को मंडी और लाहौल-स्पीति जिलों से आए तकनीकी शिक्षा, होमगार्ड, अग्निशमन, एचपी कौशल विकास निगम, एचआरटीसी, हिम ऊर्जा, अर्थशास्त्र और सांख्यिकी, डीआरडीए, डीटीओ टाउन एंड

कंट्री प्लानिंग, सैनिक कल्याण, कृषि,जल शक्ति, उद्योग, पीडब्ल्यूडी, पुलिस, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, स्वास्थ्य, भाषा और संस्कृति, पंचायती राज, उच्च शिक्षा, प्रारंभिक शिक्षा और आयुष विभाग के अधिकारी जेंडर बजटिंग पर जागरूक किया गया। तीन दिनों तक चलने वाली इस कार्यशाला का आयोजन सीसीडीयू, राज्य प्रशिक्षण केंद्र ढांगसीधार मंडी में किया जा रहा है। कार्यशाला के अन्तिम दिन 28 मार्च को गैर राजनीतिक दलों और एनजीओ के प्रतिनिधियों को जेंडर बजटिंग बारे बताया जाएगा।

कार्यशाला के दूसरे दिन प्रवक्ता जेंडर समन्वयक समग्र शिक्षा डाईट मंडी चारू वैद्य, संयुक्त निदेशक सेवानिवृत्त हिपा डॉ. राजीव बंसल, उप निदेशक महिला एवं बाल विकास मदन चौहान और सामाजिक एवं जेंडर विशेषज्ञ जल शक्ति विभाग रघुबीर सिंह ने दूसरे दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में जेंडर बजटिंग पर अधिकारियों को जागरूक किया। प्रतिभागियों को कार्यशाला में जेंडर दृष्टिकोण अपनाकर संबंधित विभागों के मौजूदा कार्यक्रमों और नीतियों में जेंडर के आधार पर मुद्दों को पहचानने और इसके निवारण के लिए कार्य करने के बारे में जानकारी दी गई।

ईमान ही तो बेचा है, कोई जंग जीत कर बॉर्डर से नहीं आए, जो इतना स्वागत करवा रहे हैं: सुमन

विवेकानंद वशिष्ठ

हमीरपुर: हमीरपुर से गद्दारी करके हमीरपुर की जनता को बेवकूफ समझने वाले लोग आखिर इतनी बेशर्मी कैसे दिखा रहे हैं। जो लोगों को अपने स्वागत के लिए बुला रहे हैं। यह बात कांग्रेस से पूर्व विधायक कुलदीप पठानिया व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती शर्मा ने संयुक्त ब्यान में कही। इन कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जो लोग हाथ के निशान पर चुने गए थेए जिनकों भारतीय जनता पार्टी ने कभी भी टिकट देने के काबिल नहीं समझाए वे आज कुछ बनने के बाद अपनी पार्टी और अपने वोटरों की पीठ

में छुरा घोंप कर भाजपा में शामिल हो गए। इन नेताओं की बेशर्मी देखिए, ये लोग जनता को मूर्ख समझते हैं, इनकों लगता है कि पैसे के दम पर ही ये लोग चुनाव जीत जाएंगे। हमीरपुर के विकास के विरोधी इन लोगों ने अपने हितों के लिए आम जनता की भावनाओं को कुचल दिया और अपने हितों को सर्वोपरी रखा।

आज ये नए-नए भाजपाई बने नेता अपना स्वागत इस तरह से करवा रहे हैं जैसे कोई जंग जीतकर आए हों। ईमान बेचने को त्याग नहीं कहते, पीठ में छुरा घोंपने को संघर्ष नहीं कहते। कुलदीप पठानिया और सुमन ने कहा कि हिमाचल की जनता समझ चुकी है कि प्रदेश में कितना बडा षडयंत्र इन लोगों के द्वारा रचा गया था। हमीरपुर की आम जनता इनको माफ नहीं करेगी

भाजपा कर रही है का स्वार्थ की राजनीति, चेहरा हुआ बेनकाबः प्रेम कौशल

भाजपा की कथनी और कथनी में दिन रात का फर्क

कश्मीर ठाकुर

बिलासपुरः बिलासपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश वरिष्ठ प्रवक्ता प्रेम कौशल ने प्रदेश में भाजपा द्वारा की जा रही राजनीति स्वार्थ की राजनीति किसी भी लिहाज से सही नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ एक ही विचारधारा पर काम कर रही है कि विपक्ष को समाप्त किया जाए। भाजपा ने लोकतांत्रिक व्यवस्था और मयार्दाओं को तार.तार करके रख दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से यह पार्टी वन नेशन वन इलेक्शन की बात करती है। उससे उसका तात्पर्य यह

है कि एक नेता एक विचारधारा एक पार्टी देश में रहे और विपक्ष को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि विरोधी दलों के नेताओं को ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स का डर दिखाकर भाजपा में शामिल करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड और दिल्ली के मुख्यमंत्री को जेल में डालना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जो भी विपक्ष में इस सरकार की जन विरोधी नीतियों को उजागर करता है उसे या तो जेल में डाल दिया जाता है या भाजपा में शामिल कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा आरोप लगा रही है कि कांग्रेस के अंदर सब ठीक नहीं है इसमें हमारा कुछ नहीं है तो फि र इन छह निष्कासित किए गए विधायकों को भाजपा में शामिल करके टिकट भी दे दिया तो इसमें क्या उनकी भूमिका नजर नहीं आती। अब भाजपा का असली कैडर निराशा और हताशा में चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगर यही स्थिति रही तो देश को बहुत बड़ा नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लोग समझदार हैं वह भाजपा की साजिश का शिकार नहीं होंगे तथा प्रदेश की चारों लोकसभा की सीटें कांग्रेस पार्टी के खाते में जाएंगी और उपचुनाव में भी कांग्रेस की ही जीत होगी। उन्होंने कहा कि मंडी सीट से अब भाजपा बॉलीवुड की अभिनेत्री को लेकर आई है तो उनके पूर्व प्रत्याशी कुशाल सिंह के लिए लगाया गया कारगिल हीरो का नारा कहां गया। आज पूर्व सैनिक और कारगिल हीरो दरकिनार कर दिए गए। लेकिन इस से घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रदेश के मतदाताओं को पूरी तरह से कांग्रेस पार्टी पर विश्वास है । उन्होंने बताया कि एक सप्ताह के भीतर कांग्रेस अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर देगी। पत्रकार वार्ता में हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र के प्रवक्ता संदीप संख्यान, नौणी पंचायत की प्रधान निर्मला राजपूत, अनुसूचित

'संवैधानिक अधिकारों के प्रति कर रहे जागरूक'

कश्मीर ठाकुर

बिलासपुरः हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक संयुक्त संघर्ष मोर्चा की बैठक शिमला के काली बाड़ी हॉल में प्रदेशाध्यक्ष हीरामणी भारद्वाज की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश भर से कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया। प्रैस को जारी बयान में जिला बिलासपुर के प्रधान सीता राम कौंडल और महासचिव आचार्य नंद लाल ने बताया कि संयुक्त संघर्ष मोर्चा का यह सालाना अधिवेशन था, जिसमें साल भर की गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा संतोष व्यक्त किया गया कि संयुक्त संघर्ष मोर्चा धीरे-धीरे अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस बैठक में सामाजिक न्याय विशेषकर एट्रोसिटी के मामलों पर कार्यवाही पर विशेष मंथन किया गया। इसके साथ ही संविधान द्वारा वंचित शोषित एवं

पीड़ित वर्ग को मिले अधिकारों को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। वहीं प्रदेश मुख्य महासचिव तारा चंद रणौट ने उपस्थित प्रदेश पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जब से संयुक्त संघर्ष मोर्चा का गठन हुआ है तब से लेकर अब तक मोर्चा के सर्वव्यापी अभियान को भारी जनसमर्थन मिल रहा है तथा लोग अपने आप को पहचान रहे हैं जान रहे हैं। मसलन लोगों में जागरूकता फैल रही हैए जो कि भविष्य के लिए अच्छे संकेत हैं।

तारा चंद रणौट ने किया जागरूकता अभियान के तहत खंड से लेकर जिला और प्रदेश के लोगों को जागरूक एवं ट्रेंड करने का दायित्व भी सौंपा गया। वहीं प्रदेशाध्यक्ष हीरामणि भारद्वाज ने संगठन की मजबूती पर बल देते हुआ कहा कि वर्तमान में संगठन का अहम रोल है तथा अपने अधिकारों की रक्षा एवं सुरक्षा के लिए सभी का एक मंच पर एकत्रित होना जरूरी है।

जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारों से गूंजा ऊना

राजन पुरी

ऊनाः ऊना नगर के संथापक व गुरु नानक देव जी के वंशज बाबा साहिब सिंह बेदी के जन्म उत्सव के उपलक्ष्य में बुधवार को उनके वंशज बाबा सरबजोत सिंह बेदी व साध संगत द्वारा गुरु ग्रंथ साहिब की छत्रछाया व पांच प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने नगर कीर्तन में शिरकत कर ऊना नगर के संस्थापक बाबा साहिब सिंह जी को श्रद्धा सुमन भेंट किए। इस अवसर पर श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी की पालकी को सुंदर रूप में फूलों से सजाया गया था और संगत साथ में शब्द कीर्तन करती

हुए चल रही थी।

नगर कीर्तन में गतका जत्था द्वारा पुरातन युद्ध के तोर-तरीकों का सुंदर रूप में प्रदर्शन किया गया। नगर कीर्तन को लेकर संगत में भारी उत्साह देखने को मिला। बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारे लगाती संगत द्वारा नगर की परिक्रमा की गई। नगर कीर्तन किला बाबा साहिब सिंह

कीर्तन

8 साध संगत द्वारा गुरु ग्रंथ साहिब की छत्रछाया व पांच प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन का आयोजन किया

बेदी से प्रारंभ हो कर रेड लाइट चौक पुराना बस स्टैंड, आईएसबीटी, रोटरी चौक से बाजार होते हुए वापिस किला बाबा साहिब सिंह जी बेदी में संपन्न हुए। किला बेदी साहिब में पुष्प वर्षा से नगर कीर्तन का स्वागत किया गया व पांच प्यारों को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। नगर कीर्तन के दौरान विभिन्न स्थानों पर लंगरों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा अमरजोत सिंह बेदी, बाबा तेग्वीर सिंह बेदी, संत अनूप सिंह, बाबा प्रीतपाल सिंह, बाबा सुरिंदर सिंह, संत रणजीत सिंह, बाबा कुलदीप सिंह, दलजीत सिंह, हरजिंदर सिंह, त्रिलोक सिंह, बलविंदर सिंह, गुरदीप सिंह, हरदीप सिंह, गोपाल सिंह, गुरु नानक मिशन संस्था के महासचिव हरपाल सिंह, सुखविंदर सिंह, गुरमेज सिंह, अजैब सिंह, कश्मीर सिंह, सतनाम सिंह, जोगमान सिंह, प्रिंस, इकबाल सिंह, प्रभजोत सिंह, दमनजोत सिंह, गगनदीप सिंह, गुरदीप सिंह व तलविंदर सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

नगर की सुरक्षा के लिए की जाती है अरदासः सरबजोत सिंह

नगर कीर्तन का महत्व बताते हुए बाबा सरबजोत सिंह बेदी ने बताया कि नगर के संस्थापक बाबा साहिब जब भी नगर को छोड़ कर लंबे समय के लिए जाते थे, तो सुरक्षा कवच के रूप में नगर की परिक्रमा करते थे। उसी याद को ताजा करने के लिए नगर कीर्तन के रूप में परिक्रमा की जाती है। उधर, गुरु नानक देव के वंशज बाबा अमरजोत सिंह बेदी द्वारा इस अवसर पर किसी प्रकार की गंदगी न फैले। इसके लिए विशेष टीम का गठन किया गया और साथ साथ ही सफाई की जाती रही।

संक्षिप्त खबरें

एस्पायर का ऊना कोचिंग 5 मई से बंद

राजन पुरी

ऊनाः मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाओं के लिए मेडिकल/नॉन-मेडिकल विषयों की कोचिंग देने का प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ संस्थान होने का दम भरने वाले एस्पायर ने अपने ऊना स्थित सैंटर को बंद करने की तैयारी कर ली है। नीट/जेईई मेन की प्रवेश परीक्षाएं सिर पर होने के बावजूद कोचिंग सैंटर ने जहां अपने 90 प्रतिशत स्टाफ की छुट्टी कर दी है, वहीं यहां के फर्नीचर को भी शिमला पहुंचा दिया है क्कोचिंग के मुख्य विषयों-फिजिक्स, कैमस्ट्री एवं बायोलॉजी के टीचरों को नौकरी से निकाल दिए जाने के कारण सैंटर में पिछले 2-3 महीने से पढ़ाई भी ठप पड़ी है। प्रवेश परीक्षाएं सिर पर होने के कारण जहां बच्चों को ज्यादा तैयारी करवाने की जरूरत थी, तो ऐसे में संस्थान ने टीचरों को ही निकाल दिया है और महज खाना-पूर्ति के लिए 2 से 3 टीचर तैनात कर दिए हैं। अब यहां बच्चों को सप्ताह में एक आध बार केवल टैस्ट के लिए ही बुलाया जाता है और पढ़ाई बिल्कुल ठप है। हालांकि, नीट/जेईई मेन की प्रवेश परीक्षाएं मई के पहले सप्ताह में होने जा रही है, पर ऐन मौके पर कोचिंग सैंटर में पढ़ाई ठप हो जाने से संस्थान को दाखिले के समय एकमुश्त राशि का भुगतान कर चुके अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। एस्पायर के मैनेजर सुरेंद्र सिंगटा ने माना 5 मई को कोचिंग सैंटर बंद हो जाएगा। ऊना में सैंटर का अपेक्षित लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया, जिस कारण हमें इसे बंद करने का निर्णय लेना पड़ा।

शैमरॉक स्कूल ने मनाया स्थापना दिवस

राजन पुरी

ऊनाः अंब रोड़ पर स्थित शैमरॉक स्टारशाइन स्कूल ऊना में स्कूल का 7वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौका पर श्री राधा-कृष्ण मंदिर

कोटला कलां के राष्ट्रीय संत बाबा बाल जी महाराज ने शिरकत की। कार्यक्रम में स्कूल के सभी स्टाफ सदस्यों एवं बच्चों के अभिभावकों ने संत बाबा बाल जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। समारोह के दौरान संत बाबा बाल जी महाराज ने न केवल प्रवचनों की अमृत वर्षा की बल्कि भजन भी गाया। इस अवसर पर स्कूल की प्रबंधक निदेशक मेघा औहरी, स्टाफ सदस्यों में ज्योति, श्रुति, हेमा, सुनीता, अनीता, आरती, रजनी तथा मधु शर्मा मौजूद रहे।

मोईन में महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

राजन पुरी

ऊनाः चिंतपूर्णी क्षेत्र के तहत बाबे दी बड़ रेही मोईन में 28 मार्च से शुरू होने वाले श्री शिव महापुराण एक ादशाह

ज्ञानयज्ञ को लेकर बुधवार को कलश यात्रा निकाली गई। राधा कृष्ण महिला सोसायटी मोईन द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। शिव मंदिर भरवाई तक निकाली गई कलश यात्रा के दौरान महिलाओं ने सिर पर कलश उठाया। वीरवार से 9 तक चलने वाली कथा प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगी। कथा के दौरान आचार्य विजय शर्मा अपने प्रवचनों से श्रद्धालुओं को निहाल करेंगे।

हरोली कॉलेज में युवाओं को बताया मतदान का महत्व

राजन पुरी

ऊनाः मतदाता जागरूकता अभियान की कड़ी में बुधवार को राजकीय डिग्री कॉलेज हरोली में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें युवाओं को मतदान के महत्व को लेकर जागरूक किया गया। साथ ही यह सुनिश्चत किया गया कि 1 अप्रैल 2024 को 18 साल की आयु या उससे अधिक के हो रहे जिस भी युवा ने अभी अपना वोट नहीं बनवाया है उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज हो। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त जतिन लाल ने बताया कि जिले में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत लगातार मतदाता जागरूकता गतिविधियां की जा रही हैं।

होली मनाने गए युवक को दोस्तों ने उतारा मौत के घाट, फरार

शिमला

शिमला जिला के रामपुर उमण्डल में हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां बदराश इलाके में नेपाली मूल के एक युवक को उसके दोस्तों ने ही पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। मृतक की शिनाख्त राजेन्द्र (32) के रूप में हुई है। वह अपने दोस्तों के पास होली मनाने गया था। इस वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारे फरार हो गए। रामपुर पुलिस अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह दबिश दे रही है। हत्या में संलिप्त सभी अभियुक्त नेपाली मूल के हैं। मृतक के चचेरे भाई की शिकायत पर पुलिस ने अपराधियों के विरुद्ध हत्या का मुकद्दमा दर्ज किया है। शिकायतकर्ता दिल बहादुर ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि वह अपने चचेरे भाई राजेन्द्र संग 24 मार्च की शाम होली मनाने बदराश स्थित उनके दोस्त निर्मल के पास गए थे। निर्मल का यहां किराए का कमरा है। सागर और

वारदात

8 अंजाम देने के बाद हत्यारे फरार हो गए। रामपुर पुलिस अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह दबिश दे रही

नेपाली मूल के दो अन्य साथी भी वहां मौजूद थे। सब होली का जश्न मना रहे थे कि इसी बीच सागर और दो अन्यों ने राजेन्द्र को लाठी व मुक्कों से पीटना शुरू कर दिया। राजेन्द्र की हालत नाजुक होने पर उसे अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। डीएसपी रामपुर नरेश शर्मा ने बुधवार को बताया कि यह हत्या का मामला है और शिकायत पर त्वरित कार्रवाई कर आईपीसी की धारा 302, 323 व 34 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें गठित की गई हैं और उनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षक पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

धर्मशालाः हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शाहपुर कैम्प्स में पीएचडी कर रही छात्रा के साथ एक शिक्षक द्वारा दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। पीड़ित छात्रा ने इस बाबत पुलिस थाना शाहपुर में इस बाबत शिकायत दर्ज करवाई है जिसके आधार पर विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विषय के शिक्षक को हिरासत में लिया गया है। 44 वर्षीय आरोपित शिक्षक पालमपुर का रहने वाला है। पुलिस द्वारा उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

हिमाचल प्रदेश में चार दिन भारी बारिश, अंधड़ और बिजली गिरने का अलर्ट

शिमला

हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर लोगों को मौसम के कड़े तेवरों का सामना करना पड़ेगा। अगले चार दिन राज्य में मौसम के लिहाज से भारी रहने वाले हैं। मौसम विभाग ने 31 मार्च तक भारी वर्षा, ओलावृष्टि और गरजन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और तुफान चलने का येलो व ओरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान राज्य के उच्च पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी होने की भी आशंका है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि गुरूवार से चार दिन तक राज्य में पश्चिमी विक्षोभ पूरी तरह से एक्टिव रहेगा। इससे 28,29,30 व 31 मार्च को राज्य में अंधड़ व गरज-चमक के साथ व्यापक वर्षा का दौर देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि 28 मार्च को ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली कड़कने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से अंधड़ चलने का येलो अलर्ट रहेगा। 29 व 30 मार्च के लिए ओरेंज अलर्ट जारी किया गया, जिसमें गरज-चमक और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ़्तार से अंधड़ चलने के साथ भारी वर्षा होने की आशंका है। 31 मार्च को 30 से 40 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से अंधड़ चलने और आकाशीय बिजली गिरने का येलो अलर्ट रहेगा। उन्होंने अगले चार दिन खराब मौसम के मद्देनजर प्रदेशवासियों और पर्यटकों से सतर्कता बरतने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि बारिश-बर्फबारी के कारण राज्य में मौसम ठंडा बना रहेगा। पिछले 24 घण्टों के दौरान मौसम के शुष्क रहने से राज्य के औसतन न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री का उछाल आया। राज्य में कहीं भी न्यूनतम तापमान माइनस में दर्ज नहीं किया गया। शिमला में न्यूनतम तापमान 11.6, सुंदर नगर में 14.6, भुंतर में 14.6, कल्पा में 6 डिग्री, धर्मशाला में 16.6, ऊना में 17.2 नाहन में 17, केलांग में 2.4, पालमपुर में 15, सोलन में 11.5, मनाली में 10. 2, कांगड़ा में 17.1, मंडी में 15.2, बिलासपुर में 17.2, चंबा में 15.5, डलहौजी में 10.5, कुफरी में 10.3, कुकुम्सेरी में 3.9, नारकंडा में 7.3।

वंदना ठाकुर ने जीता राज्य स्तरीय लता मंगेशकर लोकसंगीत खिताब

कश्मीर ठाकुर

बिलासपुरः बिलासपुर की वंदना ठाकुर ने अभी हाल में ऊना में संपन्न हुए राज्य स्तरीय स्वर कोकिला लता मंगेशकर लोकसंगीत प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर अपनी गायकी का लोहा मनवाया है। भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित करवाए गई इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। वंदना ने विशुद्ध श्रेणी में प्रथम पुरस्कार हासिल किया है। इन्होंने कहलूर संस्कृति का लोकप्रिय एवं पारंपरिक गीत मोहणा गाकर सबको आश्चर्यचकित किया। घुमारवीं के नैण गांव से संबंध रखने वाली वंदना ठाकुर ने पहले जिलास्तर पर आयोजित हुई इसी प्रतियोगिता के

पहले खंड में पहला स्थान हासिल किया था। वंदना को जिलास्तर पर बतौर ईनाम 11 हजार रूपए की राशि तथा राज्यस्तरीय पर 31 हजार रूपए, स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र मिले हैं। वंदना के पिता प्रकाश चंद कुछ समय से बीमार चल रहे हैं जबकि माता कश्मीरा देवी गृहणी है। इन्होंने अंग्रेजी और सामाजिक शास्त्र स्नातकोतर की पढ़ाई की है। भैरवी डिजीटल स्टूडियों के तहत इनके कुछ भजन भी रिलीज हुए हैं जिन्हें दर्शकों ने खूब प्यार दिया है। बचपन से गायन का शौक रखने वाली वंदना ठाकुर हर गायक को ध्यान से सुनती है तथा हूबहू गायन के माध्यम से इसे उकेरती है। ऊना में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में वंदना ने मोहणा गाकर सबको हैरान किया तथा अपने तमाम निकटतम प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान हासिल कर पूरे प्रदेश में घुमारवीं और बिलासपुर का नाम रोशन किया। वहीं बिलासपुर पहुंचने पर वंदना ठाकुर ने जिला भाषा एवं संस्कृति विभाग अधिकारी रेवती सैनी से मुलाकात की। डीएलओ रेवती सैणी ने वंदना ठाकुर को मुबारकबाद दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अब हाथापाई पर उतर आई बौखलाई कांग्रेसः तिलक राज

प्रदेश का युवा 2024 चुनाव में कांग्रेस को देगा मुंहतोड़ जवाब

एसपी जैरथ

नाहनः प्रदेश में अपनी सरकार के राज्यसभा में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस बौखलाहट में है। यह बयान प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष तिलक राज के द्वारा नाहन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस सरकार पर हमलावर होते हुए बोले कि झूठी गारंटीयों के दम पर सरकार बनाने वाली कांग्रेस को 2024 चुनाव में भी अपनी हार प्रत्यक्ष रूप से नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि कांग्रेस सत्ता के मद में चूर होते हुए भाजपा नेताओं पर हमले

भी कर रही है। युवा मोर्चा अध्यक्ष ने बीते कल शिमला रिज पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान 5 लाख नौकरियों का दावा करने वाली कांग्रेस एक भी युवा को नौकरी नहीं दे पाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा हताश है निराशा है और खुद को छला हुआ महसूस कर रहा है। तिलकराज ने कहा कि भाजपा युवा मोर्चा 2024 के चुनाव के मध्य नजर भावी प्रत्याशियों की जीत को सुनिश्चित बनाने के लिए मैदान में डट गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व में रही भाजपा की सरकार और मौजूदा केंद्र की मोदी सरकार के द्वारा प्रदेश में जितना भी विकास कार्य और विकासात्मक योजनाएं लाई गई हैं उनके प्रचार और प्रसार के लिए युवा मोर्चा युवाओं के बीच जा रहा है। उन्होंने कहा कि वे पूरे प्रदेश के युवा मंडलों में बैठके कर रहे हैं। उन्होंने दावे के साथ कहा कि प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों पर भाजपा प्रचंड रूप से जीत हासिल करेगी।

वहीं उन्होंने मंडी से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत को लेकर दिए गए कांग्रेस नेत्री के बयान की भी कड़े शब्दों में निंदा करी। प्रेस वार्ता में जिला भाजपा अध्यक्ष विनय गुप्ता, नाहन भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रताप ठाकुर, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील कदसौली, प्रदेश महामंत्री साकेश शर्मा, प्रदेश सचिव नरेंद्र, प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा प्रवक्ता अरुण, विनय किमटा आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

माताण्पिता व अध्यापकों के साथ अपनी रुचि को साझा करके लक्ष्य प्राप्त करें : महेंद्र धमार्णी

कश्मीर ठाकुर

बिलासपुरः पढ़ाई के साथ-साथ चिट्टे के खिलाफ लड़ाई में अपना सहयोग व समर्थन देकर समाज को नशा मुक्ति बनाने में भागीदार बने। यह बात एपीसी अकादमी घुमारवीं में छात्र-छात्राओं से घुमारवीं अंगेस्ट चिट्टा के अंतर्गत जागरूकता अभियान में कही। महेंद्र धमार्नी ने छात्र-छात्राओं तथा अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज चिट्टे का नशा हमारे घर-गांव आंगन-द्वारा ताख पहुंच गया और हम सभी का नुकसान कर रहा है जिसके विरुद्ध हमें सतर्क और सावधान होने की आवश्यकता है।

महेंद्र धमार्नी ने कहा कि आज प्रशासन व पुलिस के साथण्साथ छात्रों और युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ दोस्ती न बनाये और अपने आसपास घूमने वाले अनजान लोगों की जानकारी पुलिस व गांव के बुजुर्गों तथा अध्यापको को देखकर अपनी सामाजिक जिम्मेवारी को निभाने का काम युवा करें। उन्होंने कहा आज कुछ लोग आर्थिक लाभ के लिए चिट्टा बेचने का काम हमारे आसपास कर रहे हैं उनसे सतर्क रहकर उसकी जानकारी प्रशासन तक पहुंचने की आवश्यकता है।

न्यूज फ्लैश

देश के दिल में बसी धुन, 'नमक हो तो टाटा का, टाटा नमक'

गाजियाबाद। भारत के आयोडीन युक्त नमक के अग्रणी ब्रांड, टाटा साल्ट ने अपनी मशहूर जिंगल, 'नमक हो टाटा का, टाटा नमक' के साथ एक अनूठा अभियान शुरू किया है । विभिन्न मीडिया प्लेटफार्म पर शुरू किया, यह अभियान 'देश का नमक' के रूप में ब्रांड की सर्वव्यापकता का प्रदर्शन करता है, और नये और युवा भारत की नब्ज पर भी हाथ रखता है।

'नमक हो टाटा का, टाटा नमक' जिंगल का नया रूप उपभोक्ताओं को आश्चर्यचकित और खुश करेगा; यह देश भर में हर घर में अपनी स्थायी उपस्थिति को नए परिप्रेक्ष्य में पेश करता है। इस नए विज्ञापन अभियान की परिकल्पना ओगिल्वी ने तैयार की है, जिसमें उपभोक्ता के दैनिक जीवन से जुड़े क्षणों में जिंगल की उपस्थिति को प्रदर्शित करने वाली 11 मनोरंजक लेकिन सटीक फिल्में है, जो इसे सर्वव्यापी 'देश का नमक' बनाती है। दीपिका भान, अध्यक्ष, पैकेज्ड फूड्स - इंडिया, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने इस अभियान पर अपनी टिप्पणी में कहा, ह्लटाटा साल्ट भारत के सबसे भरोसेमंद और जिम्मेदार ब्रांडों में से एक है। समय के साथ 'देश का नमक' की अपील, उपभोक्ताओं के साथ और मजबूत हुई है । इस पहल के साथ हमारा लक्ष्य है, कि हम उपभोक्ताओं के साथ अपने संबंध को और गहरा बनाएँ और देश की सेहत तथा खुशी को बढ़ावा देते हुए जीवन के छोटे छोटे पलों का हिस्सा बने रहें। ओगिल्वी के चीफ क्रिएटिव ऑफिसर(वेस्ट), अनुराग अग्निहोत्री ने कहा, हमारे देश के अधिकांश लोगों के लिए, नमक का मतलब टाटा साल्ट है और टाटा साल्ट का मतलब है, भरोसा। यह प्यार का बंधन है। नया 'देश का नमक' अभियान वही प्यार और विश्वास लौटाता है जो एक विरासती, प्रतिष्ठित ब्रांड पर आम तौर पर लोगों को होता है। हमने सबसे पसंदीदा टाटा साल्ट की धुनों में से एक को लोगों के जीवन में और उन क्षणों में वापस ला दिया है, जो नमक की तरह ही रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े हैं। किसी फि ल्म का दृश्य, एक बिल्ली, कोई चुनावी रैली और ऐसी ही चीजें। हमें उम्मीद है कि हर किसी को नया 'देश का नमक' अभियान पसंद आएगा और वे इस ब्रांड को हमेशा की तरह पसंद करेंगे।"

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने की विभिन्न स्कॉलरशिप्स की घोषणा, शहीदों के बच्चों को मिलेगी विशेष छूट

रोहतक: परीक्षण तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने अप्रैल 2024 में शुरू होने वाले अपने नए सत्र की शुरूआत से पहले छात्रों को डॉक्टर और इंजीनियर बनने के सपने को साकार करने में सक्षम बनाने के लिए अलग-अलग स्कॉलरशिप की घोषणा की है। पहली छात्रवृत्ति इंस्टेंट एडमिशन कम स्कॉलरशिप टेस्ट (आईएसीएसटी) है, जो मेडिकल, इंजीनियरिंग और फाउंडेशन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 90% तक छात्रवृत्ति प्रदान करती है।

इसके अतिरिक्त, आकाश शहीदों के बच्चों, रक्षा कर्मियों और आतंकवाद प्रभावित व्यक्तियों को विशेष छूट प्रदान करेगा। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के चीफ बिजनेस ऑफिसर श्री अनूप अग्रवाल ने कहा, "हम भारत भर में छात्रों के लिए सुलभ और प्रभावशाली शैक्षिक अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। आईएसीएसटी और हमारे छात्रवृत्ति कार्यक्रमों जैसी पहल के माध्यम से, हमारा लक्ष्य योग्य छात्रों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धि हासिल करने के लिए सशक्त बनाना है। हमें अपने बहादुर सशस्त्र बल कर्मियों के बच्चों की शिक्षा का समर्थन करने की अपनी परंपरा को जारी रखने पर गर्व है और हम शिक्षा में उत्कृष्टता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" इंस्टेंट एडमिशन कम स्कॉलरशिप टेस्ट छात्रों को तत्काल छात्रवृत्ति पुरस्कार और तत्काल प्रवेश के अवसर प्रदान करता है।

कल पानीपत शहरी विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे मनोहर लाल

इस बार के आम चुनाव के लिए युवा वर्ग में है विशेष उत्साह झ उमेश शर्मा

कमाल हुसैन

पानीपतः भाजपा जिला कार्यालय जीटी रोड पानीपत में पानीपत जिला की सभी चारों विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा पदाधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। इन चारों बैठकों की अध्यक्षता करनाल लोकसभा क्षेत्र के चुनाव संयोजक एवं घरौंडा विधायक हरविन्द्र कल्याण ने की। भाजपा जिला प्रभारी उमेश शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट और पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज ने भी बैठक को संबोधित किया पानीपत ग्रामीण विधानसभा चुनाव प्रभारी गजेंद्र सलूजा ने चुनाव संयोजक हरविन्द्र कल्याण को आश्वासन देते हुए कहा कि सभी विधानसभाओं के चुनाव प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में जाकर पार्टी हित में दिन-रात कार्य करेंगे और भाजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे उन्होंने कहा कि इस बार का आम चुनाव पहले के मुकाबले ज्यादा रोचक होगा क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल करनाल लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाए गए हैं उन्होंने कहा कि युवा वर्ग में विशेष उत्साह देखने में आया है क्योंकि मनोहर सरकार ने भर्तियों में पूरी पारदर्शिता अपनाते हुए गरीब परिवारों के प्रतिभाशाली युवकों को बिना सिफारिश एचसीएस, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, डीएसपी और बीडीओ जैसे उच्च पदों पर नियुक्तियां प्रदान की हैं

सभी पदाधिकारियों को सौंप दी गई हैं जिम्मेवारियां - भट्ट

भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने कहा है कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी नीतियों का ही परिणाम है कि भाजपा की लोकप्रियता प्रतिदिन बढ़ रही है जब से उन्होंने कार्यभार ग्रहण किया है तब से ही प्रतिदिन विभिन्न पार्टियों के नेताओं और कार्यकताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है उन्होंने कहा कि भाजपा के सभी पदाधिकारियों को जिम्मेवारियां भी सौंप दी गई हैं उन्होंने कहा कि पानीपत जिला में कुल 870 मतदान केंद्र है और इन सभी मतदान केंद्रों पर भाजपा के बूथ अध्यक्ष और पन्ना प्रमुख कार्य कर रहे हैं वहीं पानीपत जिला में 187 शक्ति केंद्र बनाए गए हैं और इन शक्ति केंद्रों के अध्यक्ष अपने-अपने क्षत्रों के मंडल अध्यक्षों को साथ लेकर इन मतदान केंद्रों का दौरा भी कर रहे हैं।

'आयोग की ओर से जो भी निर्देश प्राप्त होते हैं फौरी तौर पर जवाब दिए जाए'

कमाल हुसैन

पानीपतः हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने बुधवार को प्रदेश के सभी उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बातचीत कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। वीडियो कांफ्रेंस के बाद उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया ने कहा कि चुनाव आयोग की ओर से जो भी दिशानिर्देश प्राप्त होते हैं उनके फौरी तौर पर जवाब दिए जाएं। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया ने कहा कि जिला चुनाव प्रबंधन योजना का विस्तृत ब्यौरा सभी एआरओ को उपलब्ध करवाया जाए। विभिन्न बूथों पर सेल्फी प्वाईंट भी स्थापित किए जाएं। सीविजल ऐप पर आने वाली शिकायतों का तय समय में समाधान किया जाए। उन्होंने बताया कि लोकसभा प्रत्याशी को अपना बैंक का खाता जीरो बैलेंस से अलग खुलवाना होगा।

जी वी एम पब्लिक स्कूल का परिणाम रहा शत-प्रतिशत

समालखा (कुलदीप सिंह)

जी वी एम पब्लिक स्कूल मॉडल टाउन समालखा में सत्र 2023-24 का वार्षिक परिणाम घोषित शत प्रतिशत रहा परीक्षा का परिणाम बुधवार को जी वी एम पब्लिक स्कूल के बच्चों के लिए खास दिन रहा। कक्षा प्री नर्सरी से लेकर कक्षा पाँचवी का परिणाम घोषित सुनकर बच्चे काफी खुश हुए क्योंकि वह अगली कक्षा में बढ़ रहे है कयह परिणाम बच्चो की लगन व माता पिता के सहयोग एवं अध्यापकों की मेहनत का फल है कइस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक राधेश्याम जांगड़ा, प्रधानाचार्या पम्मी ठकराल और उप प्रधानाचार्या मीनाक्षी बरतवाल द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलित करके किया कविद्यालय की छात्राओं ने अभिभावकगण को मस्तक पर तिलक लगाकर अभिनंदन किया क मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी वह अन्य उपहार द्वारा सम्मानित किया गया क विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाने के लिए विद्यालय प्रबंधक राधेश्याम जागडा ने कहा ह्लजो निरंतर मेहनत करते हैं, वही आगे बढ़ते हैंह्व

और साथ ही यह भी घोषणा की 10 अप्रैल तक दाखिला करवाने वाले विद्यार्थियों को दाखिले में विशेष छूट दी जाएगी उसके साथ ही कक्षा ग्यारवीं में दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए दाखिले में विशेष छुट उनके दशवीं कक्षा के परिणाम के आधार पर दिया जायेगा क इस अवसर पर अभिभावकगण अपने बच्चों के परिणाम पर काफी खुश अनुभव कर रहे थे क विद्यार्थियों के प्रदर्शन के लिए प्रधानाचार्या पम्मी ठकराल ने विद्यार्थियों को बधाई दी सभी विद्यार्थियों को प्रेरणा देकर आगामी वर्ष में कुछ अच्छा करने के लिए निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

विभिन्न कार्यालयों में अनाधिकृत और बाहरी व्यक्ति का कब्जाः अशोक

समालखा (कुलदीप सिंह)

उपमंडल समालखा में तहसील के विभिन्न कार्यालयों में अधिकतर अनाधिकृत और बाहरी व्यक्ति कब्जा किए हुए हैं। इनकी कार्यशैली के चलते आए दिन आमजन को घंटो बाहर इंतजार करना पड़ता है। तहसील में कामकाज को लेकर अक्सर सवाल खड़े होते रहते है। लेकिन सरकार इन हालातों को भले ही सुधारने के लिए प्रयासरत हो, लेकिन कर्मचारियों की मिलीभगत से इन प्रयासों पर पानी फिर रहा है। समालखा तहसील में आम आदमी काम को लेकर खिड़की पर घण्टो लाइन में खड़ा रहता है, वहीं प्रभावशाली व प्रापर्टी डीलर अंदर मेज पर बैठकर काम कराते हैं। बुधवार को दोपहर के समय कुछ ऐसे ही हालात उपमंडल समालखा तहसील में देखने को मिले। जब नायब तहसीलदार अशोक कुमार को इस समस्या से अवगत कराया तो उन्होंने न केवल अंदर घुसे लोगों को बाहर निकाला, बल्कि दरवाजा बंद रखने के आदेश भी दिए।

सीनियर वर्ग में विजेता खो खो खिलाड़ियों का हुआ भव्य स्वागत

समालखा(कुलदीप सिंह)

जिला खो खो संघ के महासचिव रविंदर सिंह ने बताया की 23 व 24 मार्च को कन्या स्कूल खेल मैदान गांव मनाना में हरियाणा राज्य खो खो संघ के तत्वधान में 43 वीं हरियाणा राज्य सीनियर महिला व पुरुष खो खो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में जिला पानीपत ने जिला जींद की महिला व पुरुष दोनों टीमों को एक तरफा हराकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया आज लड़कों के स्कूल गांव मनाना में महिला व पुरुष दोनों टीमों का सुंदर ,भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया स्कूल प्राचार्य सरिता देवी और जिला खो खो संघ के अध्यक्ष भाई नवीन ने विजेता खिलाड़ियों को पुष्प माला पहनकर सम्मानित किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की, खो खो खेल को बढ़ावा देने के लिए प्राचार्य सरिता देवी का अहम योगदान रहा है क्योंकि जिस खेल मैदान पर आज 150 खिलाड़ी प्रशिक्षण ने प्राप्त कर रहे हैं बहुत पहले यहां पर 5 से 6 फीट के गड्ढे हुआ करते थे सरिता देवी ने अपने स्तर पर मिट्टी डलवाई तथा ग्राउंड को समतल कराया इस कार्य को करने के लिए उन्होंने अनेक बाधाओं का भी सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी, जिसकी बदौलत आज राष्ट्रीय स्तर के खो-खो खेल मैदान खिलाड़ियों को उपलब्ध हुए हैं।

सरकारी स्कूलों की छात्राओं को मिलेगी बेहतर खेल सुविधाएं : जगवीर मलिक

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुरथल अड्डा में एईओ स्पोर्ट्स जगवीर मलिक का किया गया अभिनंदन

सोनीपत ।

सोनीपत के सहायक शिक्षा अधिकारी खेल (एईओ स्पोर्ट्स) जगवीर मलिक ने कहा कि सरकारी स्कूलों की छात्राओं को भी बेहतर खेल सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी, ताकि प्रतिभाओं को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की ओर से लगातार राजकीय स्कूलों में संचालित खेल गतिविधियों को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। निदेशालय की ओर से राजकीय विद्यालयों में खिलाड़ियों को बेहतर खेल उपकरण व मैदान उपलब्ध कराने के प्रयास किए गए हैं । उन्होंने कहा कि नए सत्र में स्कूली खेलों का आयोजन भी प्रभावी तरीके से किया जाएगा, जिसके

स्कूली खेल प्रतिभाएं प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर सोनीपत जिले का नाम रोशन कर सके । राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुरथल अड्डा में प्राचार्या सुमन बाला व स्टाफ सदस्यों ने एईओ स्पोर्ट्स जगवीर मलिक का बुके व फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया । इस दौरान उन्होंने अपने विचार रखें और मुरथल अड्डा स्कूल से सबंधित समस्याओं का समाधान करवाने का भरोसा दिलाया ।

एईओ स्पोर्ट्स जगवीर मलिक ने कहा कि लड़कियों के स्कूल के मुख्य द्वार से सटे सार्वजनिक शौचालय का होना निराशाजनक है । उन्होंने भरोसा दिलाया कि नगर निगम आयुक्त से बातचीत कर जल्द ही मुरथल अड्डा स्कूल के बाहर बने सार्वजनिक शौचालय को अन्यत्र शिफ्ट करवाया जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि मुरथल अड्डा स्कूल के गेट पर अवैध रूप से रिक्शा व ऑटो स्टैंड बन गया, जिसे हटाने के लिए भी संबंधित अधिकारियों से बातचीत करेंगे । इसके अलावा पुलिस प्रशासन से अनुरोध करेंगे कि स्कूल की छुट्टी से समय छात्राओं की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस गश्त की विशेष व्यवस्था की जाए । इस मौके पर शशि मेहता, ऋतुराज, प्रवीण, विनय, पूनम राठी, सुनील सहित समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे ।

अपस्टॉक्स ने शुरू किया 'किट किट दूर करें' अभियान

गाजियाबाद। भारत के सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज करते और उच्चतम रेटिंग वाले ट्रेडिंग और निवेश प्लेटफॉर्म, अपस्टॉक्स ने आज अपने नवोन्मेषी ब्रांड अभियान, 'किट किट दूर करें, बाजार में उतरें' ('कट द किट किट, गेट इन द मार्केट') का अनावरण किया। इस अभियान के साथ, अपस्टॉक्स का लक्ष्य है, खुदरा निवेशकों को भ्रामक जानकारियों, बहुत सी सूचनाओं के शोर और जानकारी की अधिकता से बचकर सही तरीके से निवेश करने में मदद करना।

अपस्टॉक्स के अपने आंतरिक शोध के अनुसार, निवेश यात्रा अक्सर वित्तीय उत्पादों की गुमराह करने वाली जानकारी के आधार पर बिक्री (मिस-सेलिंग), गुमराह करने वाले परामर्श, सूचना की अधिकता और जटिल शब्दजाल जैसी चुनौतियों से भरी होती है। इस वजह अक्सर लोग ऐसे फैसले करते हैं उनके वित्तीय लक्ष्यों से मेल नहीं खाते। इस प्रचार अभियान के लॉन्च के बारे में, अपस्टॉक्स की सह-संस्थापक, कविता सुब्रमण्यन ने कहा, भारत परंपरागत रूप से निवेशकों के बजाय बचतकताओं का देश रहा है। एक महत्वपूर्ण बाधा स्पष्ट, सुलभ जानकारी की कमी रही है, इसके परिणामस्वरूप निवेश के गलत फैसले होते हैं। अपस्टॉक्स का लक्ष्य है, हर भारतीय को अक्सर पेश आने वाली दिक्कतों से बचते हुए, सभी परिसंपत्ति वर्गों में बुद्धिमानी से निवेश करने के लिए सही ज्ञान और तरीके के साथ सशक्त बनाना।" निवेशकों तक यह संदेश पहुंचाने के लिए, अपस्टॉक्स ने किट किट दूर करें, बाजार में उतरें ("कट द किट, गेट इन द मार्केट") की अवधारणा पर एक अभियान वीडियो लॉन्च किया है। वीडियो में, थिएटर के जीवंत माहौल के बीच, म्यूचुअल फंड में निवेश का उल्लेख कलाकारों और दर्शकों की ओर से "किट किट" का एक कोरस शुरू होता है।

पाइट में नारी सशक्तीकरण पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

समालखा (कुलदीप सिंह)

नारी सशक्तीकरण पर यहां पाइट कॉलेज में नेशनल केस स्टडी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। 11 राज्यों के 25 इंस्टीट्यूट से 45 टीमों ने इसमें भाग लिया। नारी सशक्तीकरण पर चर्चा करते हुए बोर्ड सदस्य शुभम तायल ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे निकल रही हैं। कारपोरेट में महिलाएं अपनी प्रतिभा से कंपनियों को आगे ले जा रही हैं। देश के विकास में महिलाओं की महत?वपूर्ण भूमिका है। कॉन्फ्रेंस में प्रो.सुरेश बेदी, फरहीन, शिप्रा कुकरेजा, भूमिका खुराना, एमबीए विभाग के अध्यक्ष प्रो.अखिलेश मिश्रा व डॉ.अंजू ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। मुंबई के नमन जैन और आइआइटी मद्रास की श्रणया को ऑनलाइन मोड में पहला पुरस्कार मिला। ऑफलाइन मोड में मंजू बाला व पाइट की मानसी गुप्ता ने पहला इनाम जीता।

सांवरी सूरत पे मोहन दिल दीवाना हो गया..... पर झूमे श्याम

दलबीर मलिक

कुरुक्षेत्र : श्री खाटू श्याम परिवार सेवा समिति (रजि.), खाटू धाम कुरुक्षेत्र द्वारा श्री खाटू श्याम मंदिर में फाल्गुन महोत्सव आयोजित किया गया। जानकारी देते हुए श्री श्याम मंदिर (कुरुक्षेत्र धाम) के मुख्य पुजारी आचार्य शंभु प्रसाद और महासचिव रमेश शर्मा ने बताया कि फाल्गुन महोत्सव के उपलक्ष्य में समिति द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों पर श्याम संकीर्तन किए गए जिसमें श्यामप्रेमियों का पूर्ण सहयोग मिला। लगभग 15 दिनों तक चली यह श्रृंखला मंदिर में भव्य संकीर्तन और भंडारे के साथ सम्पन्न हुई। गौरी-गणेश पूजन और माँ सरस्वती वन्दना से आरंभ हुए संकीर्तन में श्रीधाम वृन्दावन से गायक भारत उमेश ने श्याम भजनों से समां बांधा। श्याम जी के जयकारों से सारा वातावरण गुंजायमान हुआ। कोई प्यार से मेरे श्याम को पुकारो..., पलकें ही पलके बिछाएंगे जिस दिन श्याम प्यारे घर आएंगे..., देना है तो दीजिए जन्म-जन्म का साथ...,मेरे दुख के दिनों में वो बड़ा काम आता है...., हारा हुआ हूं बाबा तुम हाथ तो बढाओ..., सांवरी सूरत पे मोहन दिल दीवाना हो गया... और मैं तेरी हो गई रे सांवरिया सरकार... इत्यादि भजनों पर ताली बजाते हुए श्याम प्रेमी झूम उठे। भजनों के पश्चात श्याम जी को भोग लगाया गया और भंडारा दिया गया। श्याम संकीर्तन में सभी भक्त भावविभोर होकर झूम उठे। श्याम आरती के पश्चात बाबा का श्रृंगार प्रसाद लेने के लिए भक्तों में होड लगी रही। चंदन का तिलक लगाकर पंक्तिबद्ध होकर सभी श्रद्धालुओं ने दरबार में माथा टेका।

'किसी अनजान के लिए भी जीवनरक्षक से कम नहीं होते रक्तदाता'

फिनिक्स क्लब द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित, राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने की शिरकत

दलबीर मलिक

कुरूक्षेत्र: सामाजिक संस्था फिनिक्स क्लब द्वारा रेलवे रोड पर स्थित वात्सल्य वाटिका में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और उन्हें नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रेरित भी किया। राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्त की पूर्ति केवल रक्तदान से ही की जा सकती है क्योंकि किसी भी फैक्ट्री या कारखाने में रक्त का निर्माण नहीं किया जा सकता इसलिए केवल रक्तदान कर जहां हम रक्त की कमी को पूरा कर सकते हैं, वहीं रक्तदान करके हम किसी अज्ञात के लिए भी जीवन रक्षक बन सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक स्वस्थ नागरिक 3 महीने बाद रक्तदान करते रहें। इससे पूर्व वात्सल्य वाटिका में पहुंचने पर फिनिक्स क्लब के सदस्यों ने राज्यमंत्री सुभाष सुधा का स्वागत किया। वात्सल्य वाटिका के संस्थापक संचालक स्वामी हरिओम दास परिव्रजक ने विद्यालय परिसर में चल रही गतिविधियों से राज्य मंत्री सुभाष सुधा को अवगत करवाया। राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों से बातचीत भी की। इसके उपरांत उन्होंने फिनिक्स क्लब के प्रधान धीरज गुलाटी के जन्मदिवस की उपलक्ष में आयोजित इस रक्तदान शिविर में जहां रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया, वहीं समाजसेवी एवं फिनिक्स क्लब के प्रधान धीरज गुलाटी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दिन और उनके जन्मदिन का केक भी उनके साथ काटा। रक्तदान शिविर में पार्थ ब्लड बैंक की अनुभवी टीम द्वारा लगभग 60 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर में मास्टर जितेंद्र जीतू और मिथुन समाना ने भी अपना योगदान दिया। गौरतलब है कि समाजसेवी धीरज गुलाटी पिछले 11 वर्षों से लगातार अपने जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन करते हैं। रक्तदान शिविर में पहुंचे समाजसेवी एवं सीएम एमिनेंट पर्सन प्रदीप झांब, आशीष सभरवाल, सुरेंद्र ढींगरा, सतीश ललित आदि ने कहा कि युवाओं को धीरज गुलाटी से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने जन्मदिन पर रक्तदान करना चाहिए। इस मौके पर विजेश एलावादी, अमित अरोड़ा, दीपक चिब, जितेंद्र मेहता लक्की, देवेन भाटिया, अरुण गुप्ता, राजेश छाबड़ा, अमित गुलाटी, विनीत अग्रवाल, अश्वनी अरोड़ा, विवेक कक्कड़, कीर्ति खोसला, रवि नंदन आहूजा, राजेश छाबड़ा, गौरव पूजानी, अमन गर्ग, राजीव वैद, दिनेश छाबड़ा, रिंकू छाबड़ा, सतपाल खुराना, सौरभ गुलियानी, सुमित अरोड़ा, रिपुदमन कालड़ा, राजिंद्र वर्मा, डॉ. राजेश वधवा, विद्यालय के प्राचार्य गौरव चौधरी आदि भी मौजूद रहे।

पश्चिमी कमान ने पूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया

मनीष कुमार

अम्बालाः पश्चिमी कमान ने अपने दिग्गजों, वीर नारियों, विधवाओं और उनके परिवारों के प्रति भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए आज अंबाला छावनी में एक पूर्व सैनिक रैली "संपर्क से मिलाप" का आयोजन किया। हरियाणा राज्य के आठ जिलों को कवर करने वाली रैली एक बड़ी सफलता थी, जिसमें 2400 से अधिक पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिजनों ने भाग लिया। रैली में पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार और खड़गा कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग उपस्थित थे। रैली को संबोधित करते हुए, पश्चिमी कमान के जीओसी-इन-सी ने सेवानिवृत्त सैनिकों के साथ भारतीय सेना की एकजुटता का आश्वासन दिया कि सेना उनकी जरूरतों के प्रति संवेदनशील है और पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनकी जरूरतों को सुनिश्चित करने और उनके परिवारों की देखभाल के लिए हर प्रयास करेगी। उन्होंने उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने, सम्मान सुनिश्चित करने और उनकी सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के सेना के लक्ष्य को भी दोहराया।

संपादकीय

लोकसभा चुनाव और पीएम की रैलियां

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा चुनाव के पहले चरण में अपने प्रचार अभियान की शुरूआत मेरठ से करने जा रहे हैं। पहले ही ध्यान रखना होगा कि मोदी ने 2019 में और उसके पहले 2014 में भी इसी धरती पर पहली चुनावी रैली को संबोधित किया था। पिछली बार यह रैली 28 मार्च को हुई थी, तो इस बार 30 को होने जा रही है। पिछले चुनाव के पहले चरण में इस जाटलैंड में जिन आठ सीटों पर मतदान हुआ था, उनमें से भाजपा को छह सीटें हासिल हुई थीं। बहुजन समाज पार्टी ने बिजनौर और सहारनपुर, दो लोकसभा क्षेत्र अपने नाम किया था। तब बसपा और सपा के बीच बुआ-भतीजे की जोड़ी कारगर हुई थी। इन दोनों दलों ने राष्ट्रीय लोकदल को भी समर्थन दिया था किंतु प्रमुख जाट नेता चौधरी अजीत सिंह और उनके पुत्र जयंत चौधरी हार गए थे। दोनों पिता-पुत्र मजफ्फरनगर और बागपत से उम्मीदवार थे। चौधरी अजीत सिंह अब नहीं हैं और जयंत चौधरी ने तब से कई राजनीतिक पैंतरे बदले। फिलहाल वे सपा का साथ छोड़कर भाजपा से हाथ मिला चुके हैं और निश्चित ही वे प्रधानमंत्री के मंच पर दिखाई देंगे। काफी कुछ सोच विचार कर उन्होंने सपा से मिल रही कुछ अधिक सीटों के मुकाबले भाजपा से सिर्फ दो पर समझौता किया है। वे स्वयं चुनाव मैदान में नहीं हैं। ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा ने उन्हें राज्यसभा में बनाए रखने का फैसला किया है। चौधरी की पार्टी बिजनौर और बागपत से भाजपा के सहयोग के साथ मैदान में है। प्रधानमंत्री की रैली में स्वाभाविक है कि मेरठ के अतिरिक्त जयंत चौधरी के प्रभाव वाले क्षेत्रों के बड़ी संख्या में समर्थक शामिल होंगे। इनमें बिजनौर और बागपत से, जहां से आरएलडी प्रत्याशी हैं, उनके अतिरिक्त मुजफ्फरनर से लेकर कैराना और खतौली से सहारनपुर तक जाट प्रभावित इलाके इस बार क्या फैसला करते हैं, यह देखना होगा। पिछली बार तो उन्होंने जाटों के प्रतीक पिता-पुत्र के हिस्से पराजय ही दी थी। अब सवाल है कि कम होते असर के बावजूद भाजपा जयंत के दल को महत्व क्यों दे रही है। इसे समझने के लिए देखना होगा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर और मुरादाबाद मंडल के साथ मेरठ, अलीगढ़ और आगरा के उन 18 जाटबहुल क्षेत्रों पर भी पार्टी की नजर है, जहां वह बहुत अच्छा नहीं कर सकी थी। इसीलिए मुजफ्फरनगर के संजीव बालियान को मंत्री पद दिया गया, तो मुरादाबाद के भूपेंद्र चौधरी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। इसके बाद भी चौधरी चरण सिंह के पोते और चौधरी अजीत सिंह के बेटे जयंत चौधरी का किसानों, खासकर जाट किसानों में असर बना हुआ है। जयंत के समाजवादी पार्टी के साथ जाने से मुस्लिम-जाट समीकरण को भी ताकत मिल रही थी। अब जबकि जयंत सपा का साथ छोड़ आए, भाजपा ने इस मिथक को तोड़ने की कोशिश की है। मुस्लिम-जाट एका टूटने के संकेत के साथ प्रधानमंत्री मोदी अपनी मेरठ की रैली से एक और बड़ा संदेश दे सकते हैं। कम लोगों के ध्यान में है कि मेरठ की रैली में मंच पर पार्टी उम्मीदवार अरुण गोविल भी रहेंगे। गोविल ने अपने जमाने के प्रसिद्ध धारावाहिक रामायण में राम का रोल निभाया था। देखा जाए तो इस धारावाहिक के अलावा अरुण गोविल को फिल्म अथवा छोटे परदे पर बहुत जगह नहीं मिली। इस तरह वह लोगों की नजर से अंतर्ध्यान ही रहे किंतु अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम का हर प्रतीक महत्वपूर्ण लगने लगा है।

राजस्थान में वसुंधरा समर्थक सांसदों का सफाया

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के सभी समर्थक सांसदों के टिकट काट दिए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे समर्थक विधायकों के बड़ी संख्या में टिकट काटे गए थे। अब लोकसभा चुनाव में भी उनके समर्थकों का सफाया हो गया है। सिर्फ वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह को झालावाड़ से पांचवीं बार सांसद का टिकट मिला है। श्रीगंगानगर सीट पर पांच बार के मौजूदा सांसद निहालचंद मेघवाल का टिकट काटकर अनूपगढ़ नगर परिषद की अध्यक्ष प्रियंका बैलान को प्रत्याशी बनाया गया है। प्रियंका बैलान प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ युवा मोर्चा में प्रदेश सचिव रह चुकी है। निहालचंद मेघवाल 1996, 1999, 2004, 2014 व 2019 में सांसद व 1998 में रायसिंह नगर से विधायक रह चुके हैं। उनके पिता बेगाराम चौहान 1977 में जनता पार्टी से व 1989 में जनता दल से सांसद व 1972 में रायसिंह नगर से स्वतंत्र पार्टी की टिकट पर विधायक रह चुके हैं। निहालचंद के भाई लालचंद चौहान भी 2003 में रायसिंह नगर से भाजपा के विधायक रह चुके हैं। ऐसे में निहालचंद मेघवाल का टिकट काटने का सिर्फ एक ही कारण रहा है। उनका वसुंधरा राजे गुट में होना। कांग्रेस ने वहां से कुलदीप इंदौरा को प्रत्याशी बनाया है। चूरू से भाजपा के दो बार सांसद रहे राहुल कस्वां का टिकट काटने का भी मुख्य कारण वसुंधरा राजे के नजदीकी होना था। राहुल कस्वां चूरू में मजबूत जनाधार वाले नेता माने जाते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में नेता प्रतिपक्ष रहे राजेंद्र राठौड़ के तारानगर से चुनाव हारने के चलते राहुल कस्वां का टिकट काटा गया है। राहुल कस्वां स्वयं 2014 व 2019 में चूरू से भाजपा टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चूरू से चार बार सांसद व सादुलपुर से विधायक रह चुके हैं। राहुल कस्वां के दादा दीपचंद कस्वां 1980 में सादुलपूर सीट से निर्दलिय व राहुल कस्वां की माता कमला कस्वां 2008 में सादुलपुर से भाजपा की विधायक रह चुकी है। उनकी माता कमला कस्वां चूरू की जिला प्रमुख व पंचायत समिति प्रधान भी रही हैं। राहुल कस्वां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के छोटे भाई कुलदीप धनकड़ के दामाद है। फिर भी उनका टिकट महज राजेंद्र राठौड़ के विरोध के चलते काटा गया है। अब राहुल कस्वां कांग्रेस टिकट पर चूरू लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। झुंझुनू से नरेंद्र कुमार खीचड़ का टिकट काटकर उदयपुरवाटी से पूर्व में विधायक रहे शुभकरण चौधरी को प्रत्याशी बनाया गया है। नरेंद्र खीचड़ भी वसुंधरा राजे के नजदीकी माने जाते रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले स्वयं वसुंधरा राजे ने उनको भाजपा में शामिल करवा कर 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा टिकट पर प्रत्याशी बनवाया था। 2019 में उन्हें वसुंधरा राजे की सिफारिश पर ही लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया गया था। झुंझुनू में कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला के सुपुत्र विजेंद्र ओला को प्रत्याशी बनाया है। जयपुर शहर लोकसभा सीट से भाजपा से दो बार लगातार सांसद व पूर्व जिला प्रमुख रहे रामचरण बोहरा का टिकट काटकर मंजू शर्मा को प्रत्याशी बनाया गया हैं। रामचरण बोहरा वसुंधरा राजे के नजदीकी लोगों में शुमार होते थे तथा उनके हर कार्यक्रम में पूरी सक्रियता से भाग लेते थे। इसी के चलते उनका टिकट काटा गया है। हालांकि मंजू शर्मा भी भाजपा के तीन बार प्रदेश अध्यक्ष व भाजपा की सभी सरकारों में मंत्री रहे दिग्गज नेता भंवरलाल शर्मा की पुत्री है तथा 2008 में हवामहल सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी बृजकिशोर शर्मा से मात्र 580 वोटो से चुनाव हार गई थी। चर्चा है कि मंजू शर्मा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सिफारिश पर भाजपा का प्रत्याशी बनाया गया है दौसा से भाजपा सांसद जसकौर मीणा का टिकट काट दी गयी है। जसकौर मीणा पूर्व में सवाई माधोपुर से सांसद व बाजपेयी सरकार में राज्य मंत्री रह चुकी है। वह वसुंधरा राजे के नजदीकी मानी जाती है। दौसा सीट पर वर्तमान सांसद जसकोर मीणा अपनी पुत्री अर्चना मीणा को टिकट दिलवाना चाहती थी। वहीं राजस्थान सरकार में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा अपने भाई जगमोहन मीणा को टिकट दिलवाना चाहते थे। ऐसे में भाजपा ने वहां से चार बार विधायक व मंत्री रह चुके कन्हैयालाल मीणा को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने दौसा से मौजूदा विधायक मुरारीलाल मीणा को प्रत्याशी बनाया है। करौली-धौलपुर लोकसभा सीट से भाजपा ने मौजूदा सांसद मनोज राजोरिया का टिकट काट कर पूर्व प्रधान इन्दु देवी जाटव को प्रत्याशी बनाया है। मनोज राजोरिया 2014 व 2019 में सांसद बनने में सफल रहे थे। उनका वसुंधरा राजे के प्रति जुड़ाव किसी से छिपा हुआ नहीं है। इसी के चलते उनका टिकट काटा गया है। उदयपुर सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। यहां से लगातार दो बार सांसद रहे अर्जुनलाल मीणा का टिकट काटकर उनके स्थान पर परिवहन विभाग में कार्यरत मन्नालाल रावत को उम्मीदवार बनाया गया है। अर्जुन लाल मीणा वसुंधरा राजे गुट के माने जाते हैं। इसी के चलते उनका टिकट काट दिया गया है। कांग्रेस ने यहां से पूर्व जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा को प्रत्याशी बनाया है। बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट पर मौजूदा सांसद कनकमल कटारा का टिकट काटकर कांग्रेस से भाजपा में आए विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय को प्रत्याशी बनाया गया है। मालवीय प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पसंद माने जाते हैं। भीलवाड़ा लोकसभा सीट पर लगातार दो बार से सांसद बनते आ रहे सुभाष बहेड़िया का टिकट कटना भी तय माना जा रहा है क्योंकि यहां से अभी तक प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं हो पाई है। जबकि कांग्रेस ने यहां से दामोदर गुर्जर को अपना प्रत्याशी बना दिया है। सुभाष बहेड़िया ने 2019 का लोकसभा चुनाव 611460 वोटो के अंतर से जीता था। इतनी बड़ी जीत होने के बावजूद भी बहेड़िया का टिकट क्लियर नहीं होने के चलते कयास लगाए जा रहे हैं कि पिछली बार अजमेर से कांग्रेस प्रत्याशी रहे रिजु झुंझुनूवाला के भाजपा में शामिल होने के चलते भीलवाड़ा से उनको भी प्रत्याशी बनाया जा सकता है अजमेर से भाजपा के मौजूदा सांसद व प्रत्याशी बनाये गये भागीरथ चौधरी पिछले विधानसभा चुनाव में किशनगढ़ सीट पर तीसरे स्थान पर रहे थे। मगर इसके बावजूद उनको प्रत्याशी बनाया गया है। भागीरथ चौधरी भी पहले वसुंधरा राजे के नजदीकी थे। मगर उन्होंने परिस्थितियों देखकर उनसे दूरी बना ली। इसी के चलते उनका प्रत्याशी बना दिया गया है। राजस्थान भाजपा में अब पूरी तरह पीढ़ीगत बदलाव हो रहा हैं। एक तरफ जहां भजनलाल शर्मा जैसे आम कार्यकर्ता को वसुंधरा राजे पर तरहीज देते हुए मुख्यमंत्री बना दिया गया है। वहीं लोकसभा चुनाव में भी सभी वसुंधरा समर्थकों के टिकट काटकर नए लोगों को प्रत्याशी बनाना इस बात का संकेत है कि राजस्थान की राजनीति में अब वसुंधरा राजे का प्रभाव समाप्त हो रहा है और नई पीढ़ी के नेता आगे आ रहे हैं।

> **"वहीं राजस्थान सरकार में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा अपने भाई जगमोहन मीणा को टिकट दिलवाना चाहते थे। ऐसे में भाजपा ने वहां से चार बार विधायक व मंत्री रह चुके कन्हैयालाल मीणा को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने दौसा से मौजूदा विधायक मुरारीलाल मीणा को प्रत्याशी बनाया है। करौली-धौलपुर लोकसभा सीट से भाजपा ने मौजूदा सांसद मनोज राजोरिया का टिकट काट कर पूर्व प्रधान इन्दु देवी जाटव को प्रत्याशी बनाया है। मनोज राजोरिया 2014 व 2019 में सांसद बनने में सफल रहे थे। उनका वसुंधरा राजे के प्रति जुड़ाव किसी से छिपा हुआ नहीं है। इसी के चलते उनका टिकट काटा गया है। उदयपुर सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है"**

कविता

"झूमता बसन्त है"

फूलों में, कलियों में, पत्तो में, फलियों में,
गाँव की गलियों में, प्यार के छलियों में,
झूमता बसन्त है।

रंगों में, अंगों में, प्रेम के प्रसंगों में,
बागों में, बहारों में, गांवों में, बाजारों में,
झूमता बसन्त है।

बच्चों में, जवानों में, बूढ़ो में, सयानो में,
दीवानों परवानों में, मेरे-तेरे अरमानों में,
झूमता बसन्त है।

एक में, लाखों में, प्यार भरी आंखों में,
सरसों के फूलों में, प्रीत के झूलों में,
झूमता बसन्त है।

गेंदा में, गुलाब में, आफताब मेहताब में,
फितरत में, कुदरत में, मोहब्बत में, नफरत में,
झूमता बसन्त है।

हंसने में, मुस्काने में, अदा में इतराने में,
प्यार में, जलन में, विरह में, मिलन में,
झूमता बसन्त है।

नदियों में, पहाड़ों में, गर्मी में, जाड़ो में,
दिन में रात में, बातों ही बात में,
झूमता बसन्त है।

संजीव

पर्यावरण और लोकसभा चुनाव

डा मनमोहन प्रकाश

मैं पर्यावरण देश के मतदाताओं से, राजनीतिक पार्टियों से, चुनाव में खड़े प्रत्याशियों से अपनी पीड़ा साझा करना चाहता हूं, सुधार हेतु प्रयास करने के लिए अनुरोध करना चाहता हूं। जैसा की आप सभी भारतीयों को ज्ञात है कि भारत में लोकसभा चुनाव-2024 की तारीखें घोषित हो चुकी है इसी संदर्भ में सभी राजनैतिक पार्टियां जीत दिलाने वाले प्रत्याशियों के चयन के साथ ही उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए चुनावी सभाओं, रैलियों, मीटिंगों को आयोजित करने में व्यस्त हैं। सभी प्रत्याशी अपने समर्थन में पार्टी के स्टार प्रचारक नेताओं की सभाएं आयोजित करने के लिए प्रयास रत हैं। जीत के लिए किये जा रहे प्रयासों में कोई कमी न रहे इस हेतु प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदाताओं के घर-घर जाकर वोट मांग रहे हैं , ज्यादा से ज्यादा मतों से जिताने के लिए मतदाताओं से अनुरोध कर रहे हैं। मतदाताओं को आश्वासन भी दे रहे हैं कि मेरी जीत न सिर्फ मतदाताओं की जीत होगी अपितु मतदाताओं और चुनाव क्षेत्र की समस्याओं का निदान और विकास भी सुनिश्चित करेगी। साथ ही जीत के बाद मेरा लक्ष्य रहेगा अपने मतदाताओं के सुख-दुख में शामिल होना और लोकसभा क्षेत्र के साथ प्रदेश के हितों का ध्यान रखना , देश की आन-बान-शान के लिए काम करना और राष्ट्रीय हितों को सबसे ऊपर स्थान देना, प्राथमिकता प्रदान करना। मेरा संकल्प रहेगा कि मेरा देश आत्मनिर्भर बने , विकसित राष्ट्र की सूची में स्थान प्राप्त करे तथा उसकी अर्थ व्यवस्था विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को शीघ्र हासिल करे। कुछ प्रत्याशियों द्वारा, राजनैतिक दलों द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान यह भी कहा जा रहा है कि देश में लोकतंत्र खतरे में है, सरकारी ऐजेंसियों का दूरपयोग हो रहा है, धर्म विशेष और उसको मानने वाले लोगों की नागरिकता खतरे में है, किसानों को उनकी उपज के लिए उचित दाम नहीं मिल रहे हैं। अतः देश की विविध समस्याओं के निराकरण के लिए , सही प्रत्याशियों के चयन के लिए मतदाता को मतदान अवश्य करना चाहिए ऐसा देखने में भी आ रहा है कि प्रत्याशियों द्वारा/राजनैतिक पार्टियों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए लोकलुभावन वादों का सहारा लेने से भी कोई परहेज नहीं है। सभी राजनीतिक पार्टियों द्वारा अपने चुनावी घोषणा पत्र को आकर्षक, मतदाता हितैषी, गरीब हितैषी, विकासोन्मुखी बनाने के प्रयास हो रहे हैं। स्थान विशेष/राज्य विशेष के मतदाताओं से जुड़े मुद्दों को, समस्याओं को भी चुनावी घोषणापत्र में जगह देने पर विचार चल रहा है। इतना ही नहीं लगभग सभी पार्टियां देश से गरीबी हटाने, महंगाई को कम करने, भ्रष्टाचार को खत्म करने,रोजगार उपलब्ध कराने, सरकारी नौकरियों में इजाफा करने के साथ,रिक्त पदों को भरने की चर्चा पूर्व चुनावों के प्रचार में करती आई है, ऐसा लगता है इस बार भी करेंगी। हमेशा की तरह इस बार भी चुनावी घोषणा पत्र में और प्रचार के दौरान गरीबों के लिए विभिन्न लाभकारी योजनाओं के साथ जलकर , बिजली कर, माफ करने का जिक्र हो सकता है, किसानों के ऋणों को माफ करने को स्थान मिला सकता है।

विचार

संकल्प संयम और अनवरत श्रम सफलता के सूत्र

संजीव

किसी भी लक्ष्य को पाने के लिए सही योजना परिकल्पना तथा रणनीति अत्यंत आवश्यक है अपने लक्ष्य के अनुसार अपनी क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए व्यक्ति को अपनी प्राथमिकताएं सुनियोजित कर लेनी चाहिए, लक्ष्य प्राप्ति के लिए यह बहुत जरूरी है कि आपके पास उपलब्ध समय की गणना आवश्यक रूप से कर ले, अन्यथा अपने टारगेट से इधर उधर भटक सकते हैं, ऐसी स्थिति में मन को एकाग्र रखकर आत्मविश्वास को द्विगुणित कर के एकाग्रता को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करना एक महत्वपूर्ण कदम होगा, सर्वप्रथम आप अपनी क्षमता शक्ति एवं ऊर्जा को पहचानिए एवं लक्ष्य की तरफ एक एक सोपान धीरे धीरे बढ़ाते जाएं, लक्ष्य के स्वरूप और छोटा या बड़ा होने की मन में कल्पना न करें, लक्ष हमेशा लक्ष्य होता है छोटा बड़ा नहीं, इसके लिए बहुत ही ठंडे दिमाग से योजना बनाकर लक्ष्य की प्राप्ति के उपायों को मन ही मन तय करें एवं प्राथमिकता के आधार पर उसकी धीरे धीरे तैयारी करना शुरू करें सफलता के लिए अपने संसाधन सुनिश्चित करने के पश्चात एक सुनियोजित योजना बनाकर समय की प्रतिबद्धता के हिसाब से धीरे-धीरे आगे की ओर अपने कदम न सुनिश्चित करें लक्ष्य प्राप्ति के लिए जो सबसे बड़ा शस्त्र है वह समय का सदुपयोग, क्योंकि हम सभी को मालूम है कि हमारे पास दिन में सिर्फ 24 घंटे ही उपलब्ध होते हैं, इसमें हमें दैनिक दिनचर्या शारीरिक एवं मानसिक शक्ति प्राप्त करने के लिए समय निकालने की आवश्यकता होगी, ऐसे में समय का समुचित उपयोग एक सफल नियोजन कर्ता की तरह किया जाना चाहिए, उपलब्ध समय में उचित समय पर उठना स्नान, ध्यान, भोजन एवं मानसिकता दृढ़ता के लिए समुचित नींद या निद्रा की अत्यंत आवश्यक होती है` किसी ने सच कहा है, मन के हारे हार है और मन के जीते जीत, यदि आपको जीवन में जीत या सफलता प्राप्त करनी है तो आप मानसिक दृढ़ता के साथ आप आत्मविश्वास से लवरेज यानी ओतप्रोत होने के लिए तैयार हो जाए, लक्ष्य छोटा हो या बड़ा घबराने की आवश्यकता नहीं है , क्योंकि मनुष्य का मस्तिष्क ही सोच के हिसाब से सफलता लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सक्षम होता है काम करने से पहले ही यदि आप आधे मन से अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे तो सफलता प्राप्त होने में संदेह ही नहीं सारी परिस्थितियां संदिग्ध हो जाती है लक्ष्य की दूरहता या क्लिष्टता का पूवार्नुमान अपनी सफलता की तैयारी के पूर्व ही कर लिया जाना चाहिए और इन सब के लिए सुनियोजित रणनीति या कार्य योजना तैयार कर उस लक्ष्य की तरफ रुख किया जाना चाहिए

अपनी प्राथमिकताओं में सर्व प्रथम स्थान नींद का होना चाहिए, सही वक्त पर पूरी नींद ही शरीर को चुस्त-दुरुस्त और सजग रखती है` अतः दिन में मानसिक तनाव से दूर रहने के लिए संपूर्ण 6 से 8 घंटे नींद ले लेनी चाहिए, जिससे मानसिक चुस्ती आने के साथ कार्य क्षमता में वृद्धि होती है, अन्यथा आपका किसी कार्य में समुचित मन लगना संदिग्ध होगो, इसी तरह आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिनचर्या के कार्यों को या तो अच्छे से याद कर ले या उसे कॉपी या डायरी में अच्छी तरह लिख कर रखें और रोज ही अपने लिखे हुए कार्यों को सुचारू रूप से संपादित करें अपने कार्य को प्राप्त करने के लिए होमवर्क किया जाना होगा` सफलता की प्राप्ति के लिए दिन के लक्ष्य को कागज पर उतार कर उससे जुड़ी हुई विषमताओं एवं चुनौतियां को लिखकर चुनौतियों के समाधान को भी अपने मस्तिष्क में स्थापित कर लेना चाहिऐ जिससे यह आपको सुनिश्चित हो जाएगा कि आप लक्ष्य की कठिनाइयों को किस तरह दूर कर पाएंगे और इनका निदान किस तरह किया जा सकेगोकई बार ऐसे अवसर आएंगे जब आपका आत्मविश्वास आपकी उर्जा एवं शक्ति डगमगाने लगेगी, ऐसे मौके या तो आपकी शारीरिक कमजोरी ,मानसिक शिथिलता,सामाजिक,पारिवारिक परिस्थितियों एवं काल के कारण आपके सम्मुख आ सकती है। इन परिस्थितियों में मनुष्य को लगने लगता है कि उनकी मेहनत और लक्ष्य अनायास व्यर्थ हो गई हैं बस ऐसे ही समय में आपको अपने मस्तिष्क मे से नकारात्मक विचारों और सोच को दूर रख कर मनन कर आत्मविश्वास के साथ दूर कर आगे की ओर अग्रसर होना है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः HPHIN / 2012 / 48072

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक रवि भारद्वाज, एक्शन इंडिया कार्यालय कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना हिमाचल प्रदेश-174303 ने अर्थ प्रकाश प्रैस, अर्थ प्रकाश भवन, सेक्टर-29डी, चंडीगढ़ से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र हिमाचल प्रदेश ही होगा।

समूह संपादकः रवि भारद्वाज (9999889104)

स्थानीय संपादकः पंकज शर्मा (7018221146)

ई-मेल : actionindiashimla@gmail.com
actionindiauna@gmail.com

एक्शन इंडिया शिमला कार्यालयः सचदेवा निवास, डेजी बैंक इस्टेट, नजदीक जोधा निवास, लोअर जाखू, शिमला, 171001

एक्शन इंडिया ऊना कार्यालयः कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना, हिमाचल प्रदेश-174303

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

जनता में मीडिया की विश्वसनीयता

भावनानी

वैश्विक स्तरपर प्रिंट, इलेक्ट्रानिक व सोशल मीडिया का दुनियां के हर देश को उसके विकास की पहचान दिलाने वाला एक सशक्त मीडिया संसाधन है,जो न केवल अंतर्राष्ट्रीय बल्कि राष्ट्रीय स्तरपर भी मीडिया न्यायपालिका कार्यपालिका और विधानपालिका के बाद चौथा स्तंभ के रूप में कहा जाता है जिसका महत्व आदि अनादि काल से ही रहा है। वहीं भारत को स्वतंत्रता दिलाने वाले कारकों में मीडिया की भी गिनती होतीहै,महात्मा गांधी से लेकर अनेक नेतृत्व कताओं ने मीडिया के महत्व को रेखांकित किया है।जहां वर्तमान परिपेक्ष में मीडिया के अति विकास प्रौद्योगिकी युग में डिजिटलाइजेशन के चलते रेडियो के माध्यम से अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति के पास भी पूरी जानकारी पहुंचाने में मीडिया का काफी योगदान रहा है वहीं मीडिया में कुछ विसंगतियां भीउत्पन्नहोना शुरू हो चुकी है, स्वतंत्र मीडिया पर कुछ परत बैठी हुई नजर आने लगी है। कोई उसे इस राजनीतिक संस्थान की विचारधारा वाला मीडिया हाउस हैकहता है तो कोइ उसे उसराजनीतिक पार्टी की विचारधारा वाला मीडिया कहता है। यह स्थिति आम जनता रेखांकित कर रही है। मैं स्वयं 25 वर्षों से टीवी चैनलों पर डिबेट में बहुत सी बातें इस संबंध में मार्क करते रहता हूं। मीडिया को माननीय उपराष्ट्रपति ने दिनांक 15 सितंबर 2023 को और फिर दिनांक 23 मार्च 2024 को भी आग्रह किया है कि मीडिया को पक्षपात पूर्ण राजनीति के लिए युद्ध का मैदान बनाने से रोकना होगा, क्योंकि जनता में मीडिया की विश्वसनीयता उसकी सबसे बड़ी पूंजी है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को एक स्वतंत्र और उद्देश्यपूर्ण दृष्टिकोण से जनता के प्रति अपने कर्तव्यों को रेखांकित करना होगा ताकि विश्वास बना रहे।

साथियों बात अगर हम दिनांक 23 मार्च 2024 को माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में मीडिया के संबंध में विचारों की करें तो, उपराष्ट्रपति महोदय ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की भूमिका और सामाजिक प्रवचन पर इसके प्रभाव को स्वीकार करते हुए, एक स्वतंत्र और उद्देश्यपूर्ण मीडिया की आवश्यकता पर बल दिया।

कौन चाहिए?

डॉ. सुरेश कुमार

एक बार जंगल में पक्षियों के बीच चुनाव हुआ। मैदान में दो ही उम्मीदवार थे झ एक सरकारी कौआ और दूसरा प्राइवेट कोयल। चील, कबूतर, मोर, बगुला, मैना, तोता, गोरैया और बहुत सारे कौए और कोयल के गुटों में बंट चुके थे। पहले चील ने निजीकरण समर्थक कोयल का पक्ष रखते हुए जोरदार भाषण देते हुए कहने लगी झ देखा जाए तो प्राइवेट कोयल के सामने सरकारी कौए की क्या बिसात? क्या कौआ कोयल की तरह मीठा गा सकता है? एक बार कोयल अपना प्राइवेट सुर अलापने लगे तो हमारे दुख-दर्द चुटकियों में मिट जाते हैं। सरकारी संस्थाएँ कौए की तरह कुरूप दिखने लगी हैं। ऐसे कौए को तबीयत से मजा चखाना चाहिए। चील का भाषण आग उगल रहा था। जनता रूपी बाकी पक्षी तालियाँ बजा-बजाकर उसकी हौंसलाफजाही करने लगे। चील ने आगे कहा झ जो कोयल को पसंद नहीं करते, वह देशभक्त नहीं देशद्रोही है। यह सुन कुछ पक्षियों ने कहा झ चील दादा! ऐसा जरूरी नहीं है कि प्राइवेटीकरण का विरोध करने वाले देशद्रोही और सरकारी संस्थाओं का समर्थन करने वाले देशभक्त होते हैं। देशद्रोही भी प्राइवेटीकरण का समर्थन करने वाले होते हैं। हमें तो यह समझ में नहीं आता कि प्राइवेट और सरकारी के पचड़े में देशभक्ति और देशद्रोह का नारा कहाँ से आ गया? इसी बीच कोयल गुट के कुछ पक्षी चील को बगल में ले गए। कानाफूसी की। चील ने अपना भाषण जारी रखते हुए कहा - हमारे बीच में पड़ोसी जंगल के आतंकवादी संगठन के कुछ पक्षी घुस आए हैं। उन्हें पहचानने, विरोध करने तथा मारकर भगाने की जरूरत है। जंगल के सभी पक्षी चौकन्ने हो गए। उनका ध्यान अब कोयले के प्राइवेटीकरण से हटकर कौए की सरकारी संस्थाओं पर था। चील ने अवसर को भुनाते हुए कौए को खुली चुनौती देने लगा और कहने लगा झ मैं सरकारी कौए को खुली चुनौती देता हूँ कि उसमें दम है तो सबके सामने कोयल के मीठे-मीठे सुर वाले प्राइवेटीकरण से लोहा लेकर दिखाए। यदि वह जीत जाता है तो कोयल राजनीति से संन्यास ले लेगा। चुनावी माहौल को देखकर लगता था कि चुनाव एकतरफा होने वाला है। कोयल की जीत निश्चित लग रही थी।

रसोई में छुपा है सेहत का खजाना

आधुनिक किचन में भी सेहत का खजाना छुपा है। चरक संहिता ने देश में पैदा होने वाली हर वनस्पति को औषधि माना है। यह और बात है कि हम उगने वाली कई सब्जियों और मसालों को कई कारणों से अपने आहार में शामिल नहीं कर पाते। मसलन लहसुन और प्याज अनेक धार्मिक समुदायों में वर्जित मानकर नहीं खाया जाता। लहसुन से उच्च रक्तचाप नियंत्रित किया जा सकता है, यह आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मान चुका है। भारतीय आहार में सदियों से शामिल नमक से लेकर राई, जीरा, हल्दी, धनिया, मैथीदाना जैसे मसालों के चिकित्सकीय गुण-दोषों से हम बहुत कम वाकिफहैं। देशी नुस्खों के नाम पर नाक-भौं सिकोड़ने वाले नहीं जानते कि कई असाध्य बीमारियों को केवल खान-पान के बदलाव से ही नियंत्रित किया जा सकता है। उच्च रक्तचाप भी इनमें से एक है, लेकिन जरा रुकिए! बात उतनी सरल भी नहीं है, जितनी दिखाई दे रही है। उच्च रक्तचाप जैसे जिद्दी घोड़े पर सिर्फवैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों से ही लगाम नहीं लगाई जा सकती है।

यह सच है कि खानपान और नियमित कसरतों से रक्तचाप नियंत्रित होता है, लेकिन सिर्फ युवावस्था में ही। समस्या तो तब शुरू होती है, जब आप बुजुर्ग हो जाते हैं। जैसे-जैसे हमारा शरीर बूढ़ा होता जाता है हमारी रक्त नलिकाएँ सख्त होती जाती हैं। उच्च रक्तचाप की समस्या का मुख्य कारण भी यही है यानी रक्त नलिकाओं का सख्त हो जाना। समझने वाली बात यह है कि हमें एक लचीला कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो हैल्दी लाइफस्टाइल चाहिए, जब तक आप अपने लिए हैल्दी लाइफस्टाइल की खोज करें तब तक खड़ा अनाज, मैग्नेशियम, विटामिन सी और पोटेशियम की भारी खुराक लेना शुरू कर दें। आप देखिए कि किचन में आपके मतलब का क्या है, मसलन लहसुन, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, फल और केले हैं या नहीं, यदि नहीं हैं तो आप इन्हें मँगवा लें, क्योंकि हम अब आपके लिए उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण का कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं।

मैग्नेशियम

300 से 500 मिलीग्राम मैग्नेशियम प्रतिदिन खाना चाहिए। इसके दो विकल्प हैं, या तो आप भरपूर हरी पत्तेदार सब्जियाँ खाएँ या फिर इसकी गोलियाँ ले लें।

हेल्थ प्लस

मैग्नेशियम क्या करेगा? रक्त नलिकाएँ नर्म मांसपेशियों के बीच रहती हैं। मैग्नेशियम मांसपेशियों को शिथिल करता है। जब मांसपेशियाँ शिथिल होती हैं तो रक्तनलिकाओं को फैलने का अवसर मिल जाता है। इससे स्वतः रक्तचाप नियंत्रित होता है। अधिकांश लोगों में मैग्नेशियम की कमी पाई जाती है, जबकि इलाज आपके किचन में मौजूद है।

पोटेशियम

केला पोटेशियम का बड़ा स्रोत है। आप याद कीजिए कि केला आपने कब खाया था। आमतौर पर वजन पर नजर रखने वाले केले से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन वे भूल जाते हैं कि यह कितना महत्वपूर्ण है। यदि आप पहले से ही उच्च रक्तचाप के मरीज हैं और चिकित्सक की सलाह पर दवाएँ ले रहे हैं तो जान लीजिए कि चिकित्सक ने आपको पोटेशियम की खुराक पर्चे पर लिखी होगी। यदि गोलियों के रूप में पोटेशियम नहीं खाना चाहते हैं तो आपको हरी सब्जियों और केले की खुराक बढ़ा देना चाहिए। किडनी के मरीजों को पोटेशियम की खुराक लेने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लेना चाहिए, क्योंकि हो सकता है कि उन्हें मूत्रवर्धक दवाएँ दी जा रही हों।

नमक

किचन का सबसे बड़ा दोस्त नमक है, जो उच्च रक्तचाप के रोगियों का उतना ही बड़ा दुश्मन है। नमक की रोजाना की खुराक में नियमित कमी करें। नमक कम करने का सबसे अच्छा उपाय है पैकेज्ड फूड से तौबा करना। अचार, पापड़, चाइनीज फूड सभी में नमक अधिकता से बापरा जाता है। किचन में ऑर्गेनिक फूड सॉल्ट ले आएँ। सब्जियाँ या दालें जब पक जाएँ, तब ऑर्गेनिक फूड सॉल्ट डालें। भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए रसदार फलों का प्रयोग शुरू करें, मसलन मौसंबी, नीबू, चकोतरा आदि। कच्चा नमक बंद कर दें। सब्जी या दाल में नमक कम लगे, तब भी कम से ही काम चला लें।

लहसुन

लहसुन खूब खाएँ, लेकिन कच्चा हो तो बेहतर। वजह यह है कि लहसुन को पकाने पर इसमें मौजूद 'एलिसिन' कम हो जाता है। जाहिर है कि यदि आप खूब सारा कच्चा लहसुन खाएँगे तो आपके पास बैठने वाले दोस्तों की संख्या कम ही रहेगी। खैर, यदि आप लहसुन के कैप्सूल ले रहे हों तो आपको चिकित्सक की सलाह मानना चाहिए। लहसुन ही क्यों तो इसका जवाब है कि अनेक शोधों से तय हुआ है कि इससे रक्तचाप कम होता है। यदि आप मधुमेह के रोगी हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि लहसुन से रक्तशर्करा भी घटती है। इसलिए मधुमेह के रोगियों को लहसुन की वैकल्पिक चिकित्सा के दौरान उच्च रक्तचाप की मॉनिटरिंग भी करनी चाहिए। यदि आपने हैल्दी लाइफस्टाइल जीने का मन बना ही लिया है तो खड़े अनाज का आहार भी शुरू कर दिया होगा। यदि नहीं तो आप कई महत्वपूर्ण पौष्टिक तत्वों से महरूम हो रहे होंगे, जो आपके लिए निहायत जरूरी है।

क्या करें जब...

परिस्थितियाँ कभी भी कहकर नहीं आती हैं। बच्चे की सामान्य देखभाल में पूरा ध्यान देने के बाद भी कई बार आप ऐसी स्थिति में उलझ जाते हैं, जब परिस्थिति से निपटने का साध न आपको मालूम होना चाहिए। इस लेख का उद्देश्य यही है कि जब आकस्मिक स्थितियों से आपका सामना हो तो आपको क्या करना चाहिए।

बच्चे को तेज बुखार हो

टैपिड स्पंजिंग अर्थात सामान्य नल के पानी अथवा हलके कुनकुने पानी से बच्चे के शरीर को पोंछें। अक्सर पालक बच्चे के सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रख देते हैं, जो गलत होता है। तेज बुखार की अवस्था में बच्चे के कपड़े उतारकर पूरे शरीर को गीले कपड़े से पोंछें।

जब कोई पालतू या आवारा जानवर बच्चे को काट ले

- यदि काटे गए स्थान से खून बह रहा हो तो सबसे पहले उसे रोकें। इसके लिए उस जगह को सख्ती से दबाकर रखें। उसके बाद घाव को 10 मिनट तक साबुन और पानी से खूब अच्छी तरह से धोएँ। यह सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- इसके बाद डॉक्टर को दिखाकर उनसे समझ लें कि बच्चे को किसी तरह के टीकाकरण की आवश्यकता है या नहीं?

बच्चा कोई जहरीला पदार्थ छू या चख ले

- सबसे पहले उस जहरीले पदार्थ-को बच्चे के मुँह में से या शरीर पर से निकालने की कोशिश करें। यदि बच्चे की समझ अच्छी है तो उसे थूकने को कहें या मुँह में उँगली डालकर निकालने की कोशिश करें।
- इसके बाद यदि संभव हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से फोन पर सलाह लें कि उसे उल्टी करवाना ठीक है या नहीं। याद रखें सभी जहरीले पदार्थ को उल्टी करवाकर उसे निकालना ठीक नहीं होता है विशेष तौर पर बच्चे ने यदि एसिड अथवा बर्तन साफकरने का लिक्विड पी लिया हो तो उसे उल्टी नहीं करवाना चाहिए।
- यदि जहरीला पदार्थ शरीर से छू रहा है तो कपड़े हटाकर उसे पानी से अच्छी तरह से धोएँ। जो भी जहरीला पदार्थ उसने उल्टी में निकाला हो अथवा आपको मालूम हो कि उसने जो खाया है तो उसे संभालकर रखें। इसके तुरंत बाद बच्चे को अस्पताल ले जाएँ।

जब बच्चे को डायपर रैश हो रहे हों

- सबसे महत्वपूर्ण है शिशु की नैप्पी गंदी होते ही तुरंत बदल दी जाए।
- डिस्पोजेबल डायपर के बजाय कपड़े की नैप्पी का प्रयोग अधिक करें।
- बाहर आते-जाते समय भी शिशु को कपड़े की नैप्पी पहनाएँ एवं उसके ऊपर प्लास्टिक का कवर लगाएँ। नैप्पी के गीला होने पर उसे तुरंत बदलें।
- शिशु के मल-मूत्र विसर्जन करने के बाद उसके निचले हिस्से को पानी से धोयें लेकिन उस पर साबुन न लगाएँ।
- जब तक शिशु की त्वचा पूरी तरह सूख न जाए दूसरा डायपर न पहनाएँ।
- डायपर को शरीर पर थोड़ा ढीला बाँधें।
- कपड़े के डायपर को साबुन/डिटर्जेंट से धोने के बाद कम से कम 3-4 बार सिर्फ साफ पानी से धोएँ ताकि साबुन पूरी तरह से निकल जाए।
- शिशु की कपड़े की नैप्पी को धोने के बाद प्रेस करें तो बेहतर होगा। प्रेस करने से नैप्पी में मौजूद नमी स्वतः ही खत्म हो जाएगी।
- शिशु को कुछ समय के लिए बगैर नैप्पी के रहने दें। हवा लगने पर रैश जल्दी ठीक होंगे। टैल्कम पावडर का उपयोग न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्यवकारक स्थितियां आज पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा हो जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक अभ्यास फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलाएंगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख- आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पूरा कर लेने का दिन है। 'आगे-आगे गोरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पत्र परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख- आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। बेहतरों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्यवकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सार्थकता बनेगी। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से काम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम होगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 2020

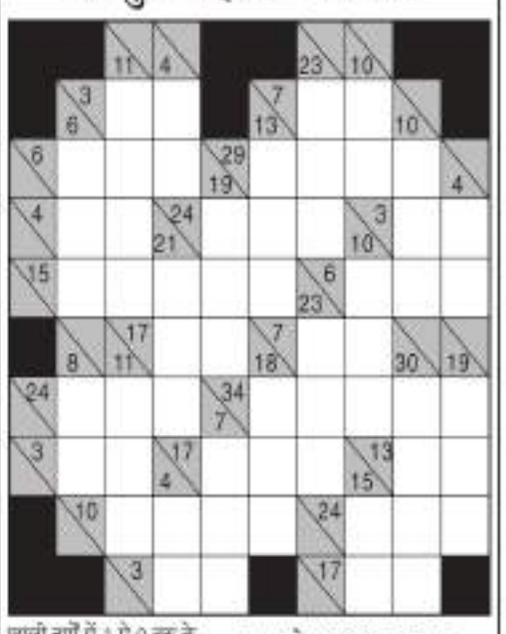

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2019 का हल

लॉफिंग जोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बातें करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए हैं।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2020

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं गर्म हैं' गीत वाली राकेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की नायिका कौन थी-४
१४. 'आगाज' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली रेखा, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, विनिता गोस्वामी की फिल्म-२
१८. ऋषिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'घड़ो जैसी चढ़ी है' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'अलबेला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चो तुम्हें दिखाएं' किस फिल्म का है?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गजब है चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'हम कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नरगिस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१३. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारुख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, आशा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ये दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'आँखों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2019

सूडोकु -2020

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2019 का हल

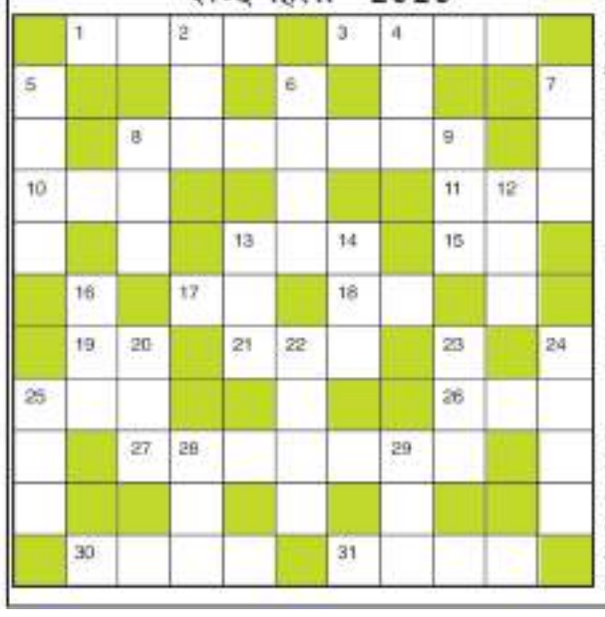

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 2020

बाएँ से दाएँ

1.इष्ट कृपा,वर-4
3.पान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -2019 का हल

न्यूज फ्लैश

रैडक्रास का एक कर्मचारी व 3 स्वंयसेवक बने आपदा वीर : गौरव राम करण

कमाल हुसैन
पानीपत/टीम एक्शन इंडिया

भारतीय रैडक्रास सोसाईटी एंव सैंट जॉन एम्बुलैंस इंडिया हरियाणा राज्य शाखा चण्डीगढ़ के तत्वाधन में 18 से 22 मार्च तक पंचकूला में राज्य स्तरीय आपदा मित्र रिस्पोंस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जिला पानीपत के 4 स्वंयसेवकों को आपदा वीर बनाया गया। रैडक्रास सचिव गौरव रामकरण ने बताया कि शिविर में प्रदेश भर की विभिन्न जिला शाखाओं से 116 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें पानीपत के 4 युवाओं जिसमें जिला रैडक्रास कार्यालय के कर्मचारी मनोज कुमार सहित प्राथमिक सहायता प्रवक्ता सोनिया शर्मा, रैडक्रास स्वंयसेवक प्रदीप व मोनू राणा ने उपायुक्त एवं प्रधान डा.विरेन्द्र कुमार दहिया के मार्गदर्शन में अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की। जिला प्रशिक्षण अधिकारी हरमेश चन्द ने बताया कि हरियाणा रैडक्रास के निदेर्शानुसार जिला रैडक्रास सोसाईटी पानीपत द्वारा जिले के स्कूलों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में प्राथमिक सहायता एंव गृह परिचर्या का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

कालोनियों में भवनों के नक्शे स्वीकृत न होने से पब्लिक परेशान

कमाल हुसैन
समालखा/टीम एक्शन इंडिया

भाजपा सरकार ने प्रदेश में पालिका सीमा से बाहर बनी सैंकडों अवैध कालोनियों को अपरूव कर वाह वाही तो बटोर ली लेकिन इन कालोनियों में भवनों के नक्शे स्वीकृत करने के लिए टाउन एन्ड कंट्री प्लानिंग विभाग के ऑन लाइन पोर्टल पर जरूरी प्रावधान करना सरकार भूल गई। नतीजन टाउन एन्ड कंट्री प्लानिंग विभाग की इस घोर लापरवाही का खामियाजा इन कालोनियों के निवासी अपने भवनों के नक्शे स्वीकृत नहीं करवा कर भुगत रहे हैं। आरटीआई एक्टिविस्ट पीपी कपूर ने मुख्यमंत्री व महानिदेशक टाउन एन्ड कंट्री प्लानिंग विभाग को ईमेल भेज कर हरियाणा बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम के ऑन लाइन पोर्टल में तत्काल जरूरी प्रावधान करने की मांग की है।

खादर में अवैध फसल की 30 मई को होगी नीलम

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

थाना नौहझील क्षेत्र के अन्तर्गत लाना मखदुमपुर खादर की हजारों बीघा सरसों गेहूं, जौ की फसल के संबंध मे उपजिलाधिकारी मांट के आदेशानुसार नीलामी अधिकारी नायब तहसीलदार नौहझील जयंती मिश्रा द्वारा एट आदेश जारी कर अनुरोध किया है कि 113.030 हेक्टेयर सरसों, गेहूं और जौ की अवैध फसल नीलामी के लिए 30 मार्च को समय 11 बजे तहसील परिसर मे नीलामी की कार्यवाही की जायेगी। इसके संबंध में नीलामी अधिकारी जयंती मिश्रा नायब तहसीलदार नौहझील ने नोटिस जारी कर अधिक से अधिक नीलामी के इच्छुक व्यक्ति यो को समय से पहुँचने की अपील की गई है ।

साथ ही ग्राम प्रधान व लेखपाल चांद सैयद व हरिशंकर को प्रसार प्रचार कराने एवं बोली दाताओं को फसल मौका मुआयना कराने हेतु निर्देशित किया। साथ ही थाना प्रभारी नौहझील को फसल के संबंध में क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिये हैं। क्षेत्र के ग्राम फिरोजपुर व भैरई के व्यक्ति सामूहिक रूप से ग्राम सभा भूमि पर अवैध फसल करते चले आ रहे हैं, प्रशासन की प्रस्तावित कार्यवाही के उपरांत दबंग हावी हैं। इसी के चलते यह देखा गया है कि बोलीदाता बोली लगाने से कतराते हैं देखना है कि राज्य सरकार को क्षति का राजस्व प्राप्त हो पाता है या नहीं।

बरेली से जुड़े बंगलूरू ब्लास्ट के तार, एनआईए ने मौलाना को हिरासत में लेकर घंटों की पूछताछ

बरेली /टीम एक्शन इंडिया

बंगलूरू के राजाजीनगर स्थित रामेश्वरम कैफे में एक मार्च को आईईडी ब्लास्ट में संलिप्तता के शक में एनआईए ने बरेली के धौरांटांडा के एक धार्मिक स्थल से मौलाना को हिरासत में लिया। भोजीपुरा थाने में नौ घंटे पूछताछ के बाद मौलाना को छोड़ दिया गया।

बंगलूरू के राजाजीनगर स्थित रामेश्वरम कैफे में एक मार्च को आईईडी ब्लास्ट में संलिप्तता के शक में एनआईए ने बरेली के धौरांटांडा के एक धार्मिक स्थल से मौलाना को हिरासत में लिया। भोजीपुरा थाने में नौ घंटे पूछताछ के बाद मौलाना को छोड़ दिया गया।
धमाके के तुरंत बाद मौलाना बंगलूरू से बरेली चले आए थे। इन दिनों वह विदेश जाने की तैयारी में थे। गतिविधियां संदेह के दायरे में होने पर एनआईए ने कार्रवाई की।

43वीं हरियाणा राज्य खो-खो चैंपियनशिप का हुआ समापन

रतन लाल/समालखा//टीम एक्शन इंडिया

कन्या स्कूल खेल मैदान गांव मनाने में आज 43वीं हरियाणा राज्य खो खो चैंपियनशिप का समापन हुआ। प्रतियोगिता में गांव मनाना के लडके व लड़कियों की टीमों ने प्रथम स्थान हासिल करके महिला वर्ग में जिला जींद द्वितीय तथा तृतीय स्थान कैथल और फतेहाबाद ने हासिल किया। वहीं पुरुष वर्ग में जिला जींद ने द्वितीय और कैथल ने तृतीय प्राप्त किया। विजेता टीमों को मेडल ट्रॉफी मोमेंटो देकर

सम्मानित किया । जिला खो-खो संघ पानीपत के सदस्यों द्वारा प्रदेश से आए सभी खिलाडि ?ों के लिए भोजन और आवास तथा बेहतरीन खेल मैदान देने का प्रबंध किया। वहीं हरियाणा खो-खो संघ के महासचिव बलवान सिंह ,राज्य कोषाध्यक्ष सतपाल दलाल, मनीराम व जिला से खो खो सचिव मौजूद रहे। प्रतियोगिता में निर्णायक के तौर पर दिनेश शशि, रविंद्र सिंह मानना, मुकेश मानना काजल, महेंद्र सिंह पानीपत ,बलविंदर सिंह करनाल, राहुल करनाल, सतपाल सिंह हिसार ,नवीन दादरी ,विनोद मलिक सफीदों ,प्रवीण सफीदों जगदीश जींद आदि ने निर्णय के मंडल के तौर पर कार्य किया। जिला खो खो संघ के अध्यक्ष नवीन सैनी ने प्रतियोगिता में उपस्थित पदाधिकारी को मोमेंटो और सॉल भेंट कर सम्मानित किया। इन सब विजेताओं का श्रय रविंद्र कौच ,मुकेश कुमारी को जाता है। प्रतियोगिता में विशेष आर्मंत्रित सदस्य राकेश बूरा जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, हरिओम डीओसी, सुरेश वर्मा, अनिल पीटीआई, कविता पीटीआई ,रितु पीटीआई ,संजय पीटीआई, रमेश पीटीआई ,अश्वनी पीटीआई व विकास जेबीटी अध्यापक ने भाग लिया। मा. दिलीप राठी, ईश्वर सिंह व नरेश राठी ने भी विशेष सहयोग दिया। जिला खो खो संघ के महासचिव रविंदर सैनी ने अध्यापकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

टेक्सटाइल स्पिनिंग उद्योग के मजदूरों की सभा आयोजित

हाली पार्क में बैठक करते इंडस्ट्रियल वर्कर यूनियन के सदस्य । छाया:मोहन लाल

विनोद पांचाल/पानीपत/टीम एक्शन इंडिया

हाली पार्क में इंडस्ट्रियल वर्कर यूनियन संबंधित सीटू के नेतृत्व में टेक्सटाइल इंडस्ट्री में कार्य करने वाले स्पिनिंग उद्योग के मजदूरों ने हरियाणा सरकार द्वारा तय न्यूनतम वेतन उद्योगों में लागू करवाने की मांग को लेकर सभा आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता यूनियन के कोषाध्यक्ष नवीन सपड़ा ने की। संचालन यूनियन के महासचिव जय भगवान ने किया।

सीटू और राज्य सचिव व जिला प्रधान का.सुनील दत्त ने कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र व राज्य सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के चलते मजदूर वर्ग को भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। हरियाणा सरकार द्वारा तय न्यूनतम वेतन मजदूरों को नहीं दिया जाता।

वृंदावन के बड़े दाऊ जी मंदिर में आयोजित हुआ हुरंगा

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

वृंदावन में ब्रज के राजा श्री बड़े दाऊजी महाराज का विश्व प्रसिद्ध हुरंगा हुआ। हुरंगा पर हुरियारिनों ने नृत्य महारास किया। बैंड बाजे की धुन पर होली रसिया गीतों का गायन किया गया। नृत्य महारास में महिलाएं परंपरागत पोशाक लहंगा, फरिया, स्वर्ण आभूषण पहनकर गायन के साथ नृत्य किया। महिलाओं ने ह्यनंद के तोते गोरी जब खेलूं मेरी पोहची में नग जड़वाय, स्वरों का गायन किया। बड़े दाऊजी मंदिर के सेवायत दीपक गोस्वामी बताया कि वृंदावन के बड़े दाऊजी महाराज मंदिर में लगभग 50 साल से हुरंगे का आयोजन किया जाता था। इस वर्ष दाऊ जी महाराज की असीम कृपा से एक नए रूप में हुरंगे का आयोजन किया गया है। इस मौके पर गोविंद घेरा ठाकुर समाज के मुखिया वीरेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि दाऊजी महाराज की असीम कृपा से इस वर्ष बड़े ही धूमधाम के साथ हुरंगे का आयोजन हुआ है। जिसमें जैत, जहांगीरपुर, राल और गोविंद

घेरा के ठाकुर समाज के लोगों के द्वारा हुरंगा खेला गया है। इस मौके पर इस मौके पर धीरज गोस्वामी, दीपक गोस्वामी, अनंत गोस्वामी, श्याम सुंदर शर्मा, कान्हा शर्मा, भाव सिंह, गोविंद, बंटी सिंह, लोचन सिंह, राम सिंह, विजय सिंह, राघवेंद्र सिंह, श्याम सिंह, अज्जू अग्रवाल, कान्हा सिंह, जीतू सिंह, पवन सिंह, भानु सिंह, भान सिंह आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित हुआ मेडिकल कैंप

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

गुरुवार को समेकित शिक्षा के अंतर्गत मेडिकल एसेसमेंट कैम्प गोवर्धन में कैंप का आयोजन बीआरसी गोवर्धन पर आयोजन किया जा रहा है। जिला अधिकारी के निर्देशन के अनुसार समेकित शिक्षा के अंतर्गत 28 मार्च को ब्लॉक संसाधन केंद्र गोवर्धन पर दिव्यांग बच्चों का मेडिकल कैंप का आयोजन होने जा रहे है। इस कैंप में 6 से 14 वर्ष के बच्चों का मेडिकल सर्टिफिकेट बनाया जाएगा सभी अभिभावकों को सूचित किया जाता है कि साथ में बच्चों के चार फोटो और आधार कार्ड बच्चों का और साथ में अभिभावक स्वयं अपना भी आधार कार्ड लेकर आए। यह जानकारी विशेष अध्यापक शक्ति मीणा ने दी।

राजस्थान से सोहन नायक और डा. गौतम नायक होली पर विजय जैन को बधाई देने पहुंचे

कमाल हुसैन
पानीपत/टीम एक्शन इंडिया

भाजपा नेता विजय जैन ने होली मिलन समारोह व उनके सेक्टर 13-17 में बनाए गए नए कार्यालय के शुभारंभ भारी संख्या में पहुंचे कार्यकताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि इससे उनका उत्साह बढ़ गया है। अब वह अधिक मेहनत के साथ पानीपत ग्रामीण हल्के के लोगों की सेवा करेंगे। विजय जैन ने होली मिलन समारोह में विशेष रूप से पहुंचे गांव दिनारपुरा जिला सीकर राजस्थान के निवासी सोहन लाल नायक और डॉक्टर गौतम नायक का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके इस प्यार को वह नमन करते हैं तथा वादा

करते हैं कि उन्हें जब कभी जहां पर भी उसकी जरूरत होगी वह हाजिर होंगे। विजय जैन ने कहा कि उनके एक बुलावे पर जिस प्रकार से भारी संख्या में लोग उनके साथ होली खेलने पहुंचे वह हमेशा उनके आभारी रहेंगे। वह अपने इस कार्यकताओं को भगवान के बराबर मानते हैं। वह अपने इन कार्यकताओं के लिए दिन-रात हर प्रकार से हाजिर हैं।

विश्व टीबी दिवसः मथुरा में पांच साल में 56510 टीबी मरीज हुए ठीक

विश्व टीबी दिवस

8 -टीबी की समय से पहचान हो जाने और इलाज करवाने से यह पूरी तरह से ठीक हो जाता है।

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

विश्व टीबी दिवस 28 मार्च को मनाया जाएगा। इसकी थीम हां, हम टीबी का अंत कर सकते हैं रखी गई है। यह जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार वर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि टीबी की समय से पहचान हो जाने और इलाज करवाने से यह पूरी तरह से ठीक हो जाता है। पिछले पांच वर्षों में जिले

में 56510 टीबी मरीज ठीक हो चुके हैं। सरकारी तंत्र में टीबी की जांच और इलाज की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। जिला क्षय रोग अधिकारी डा. संजीव यादव ने बताया कि 2018 से 2023 तक 56510 टीबी के मरीज ठीक हुए हैं। जिले में 12989 टीबी मरीजों का वर्तमान समय में उपचार चल रहा है। डीटीओ ने बताया कि महिलाओं, एचआईवी पीड़ितों, मधुमेह के रोगियों, मलिन बस्तियों, धूल मिट्टी में काम करने वालों, कुपोषित बच्चों, धुम्रपान करने वालों और वायु प्रदूषण वाले वातावरण में लगातार रहने वाले लोगों पर टीबी का जोखिम कहीं अधिक है। डीटीओ ने बताया कि टीबी के इलाज के दौरान कुछ लोग बीच में ही दवा छोड़ देते हैं जिससे वह ड्रग रेसिस्टेंट टीबी के मरीज बन जाते हैं और ऐसे मरीजों के इलाज के दौरान जटिलताएं बढ़ जाती हैं। जन मरीजों की आर्थिक स्थिति कमजोर है उन्हें संभ्रांत लोगों और संस्थाओं द्वारा एडॉप्ट भी कराया जा रहा है ताकि अच्छे खानपान के साथ साथ मानसिक तौर पर खुद को मजबूत रखने में उनकी मदद की जा सके ।

इन स्थानों पर होती है जांच

सीएमओ ने बताया कि जिले में 15 टीबी यूनिट, 38 डीएमसी और 135 आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर टीबी की माइक्रोस्कोपिक जांच की सुविधा उपलब्ध है ।

जिला क्षय रोग केंद्र मथुरा, जिला संयुक्त चिकित्सालय एवं टीबी सेनेटोरियम वृंदावन में सीबी नाट मशीन से जांच की सुविधा उपलब्ध है वहीं, गोवर्धन, छाता, फरह, बलदेव, राया और नौहझील में टूनॉट मशीन के जरिये जांच की जाती है ।

श्री चैतन्य महाप्रभु भगवान के संकीर्तन अवतार: चंचलापति

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

ब्रजमंडल की विश्व प्रसिद्ध होली महोत्सव के मध्य फाल्गुन मास पूर्णिमा (गौर पूर्णिमा) को गौड़िया वैष्णव सम्प्रदाय के प्रवर्तक, श्रीधाम वृन्दावन के प्राकट्यकर्ता चैतन्य महाप्रभु के अवतरण दिवस के रूप में मनाया गया। भक्ति वेदांत स्वामी मार्ग स्थित वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर में गौरांग महाप्रभु की 539वीं जयंती पर मंदिर प्रांगण में फूल बंगला, छप्पन भोग, पालकी उत्सव, महाभिषेक, हरिनाम संकीर्तन एवं फूलों की होली का भव्य आयोजन किया गया। भक्तों को सम्बोधित करते हुए चंद्रोदय मंदिर के अध्यक्ष श्री चंचलापति दास ने बताया कि श्री चैतन्य महाप्रभु ने स्वयं कहा है कि पृथ्वी पर जितने भी नगर ग्राम आदि हैं सभी जगह मेरे नाम गुण का प्रचार होगा। उन्होंने भगवत गीता के श्लोक 10वें अध्याय के 10 वे श्लोक का भाव समझाते हुए कहा कि भगवान भगवत गीता में कहते हैं कि जो प्रेमपूर्वक मेरी सेवा करने में निरन्तर लगे रहते हैं, उन्हें मैं ज्ञान प्रदान करता हूँ, जिसके द्वारा वे मुझ तक आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य को ज्ञात होना चाहिए कि कृष्ण प्रेम प्राप्ति ही जीव का मूल लक्ष्य है। जब लक्ष्य निर्दिष्ट है, तो पथ पर मंद गति से प्रगति करने पर भी अंतिम लक्ष्य प्राप्त हो जाता है। चंद्रोदय मंदिर के नवीन प्रांगण में आयोजित गौर पूणीर्मा महामहोत्सव के दौरान भक्ति से भाव विभोर होकर भक्त अपने आराध्य को निरंतर निहारते रहे।

लोगों को किया मतदान के प्रति जागरूक

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

लोकसभा सामान्य निर्वाचन में पदाभिहित अधिकारी के रूप में दायित्व का निर्वहन करने वाले प्रधानाध्यापकों को जिला मास्टर ट्रेनर डॉ. अखिलेश यादव व श्रीमती गुरु प्यारी सत्संगी द्वारा संबंधित क्षेत्र में मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विधानसभा छाता अंतर्गत आने वाले कम मतदान केंद्रों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए किया गया प्रेरित। ब्लॉक संसाधन केंद्र चौमुहा पर आयोजित कार्यशाला में श्रीमती गुरु प्यारी सत्संगी ने कहा कि छोटे छोटे प्रयास चाहे। वह विद्यार्थियों के माध्यम से हो या जनसंपर्क के माध्यम से निश्चित हमारे दायित्व की पूर्ति करने के साथ-साथ राष्ट्र धर्म निभाने में कारगर होंगे।

नेदरलैंड्स की राजदूत मारिसा ने किया पुस्तक का लोकार्पण

कमाल हुसैन
पानीपत/टीम एक्शन इंडिया

पानीपत के वरिष्ठ एडवोकेट तथा सामाजिक कार्यकत्ता राम मोहन राय द्वारा अपनी नेदरलैंड्स यात्रा पर लिखी पुस्तक का लोकार्पण नेदरलैंड्स की राजदूत मारिसा ग्रेराड्र्स द्वारा दिल्ली स्थित राजदूतावास में किया गया। इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए राजदूत महोदया ने कहा कि राम मोहन राय और उनकी पत्नी कृष्णा कांता का यह प्रयास जनता के स्तर पर दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाएगा। वहीं राम मोहन

राय ने कहा कि प्रभु कृपा से उन्हें देश देशांतर में घूमने फिरने का अवसर मिला है। हर जगह अपने अपने ढंग से सुन्दर है परन्तु गत वर्ष नेदरलैंड्स की यात्रा ने उन्हें अत्याधिक प्रभावित किया और प्रेरणा दी कि अपनी इस यात्रा पर कुछ लिखूं और इसी का परिणाम यह रहा कि अपनी 57 दिनों की उस यात्रा वृतांत के रूप में उनकी पुस्तक सुहाना सफर नेदरलैंड्स वजूद में आई। यह पुस्तक भी यूनिकरिएशन पब्लिशर के युवा मित्रों के सहयोग से प्रकाशित हुई। उनके शुभचिंतक पाठकों ने भी इसे हाथों हाथ लिया और मात्र एक महीने के अंतराल में ही इसका रंग रंगीला दूसरा संस्करण अब आ गया है। इस किताब को लेकर वें काफी उत्साही हैं। इस अवसर पर राजदूतावास के अधिकारीयों के अतिरिक्त गाँधी ग्लोबल फैमिली की मुख्य महासचिव वीणा भी उपस्थित रही।

मथुरा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रबुद्धजन, से किया संवाद

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

सीएम योगी आदित्यनाथ बुधवार दोपहर करीब एक बजे गोवर्धन चौराह स्थित मंगलम ग्रीन रिसोर्ट पहुंचे। इससे पहले उन्हों मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर दर्शन किये। प्रबुद्ध सम्मेलन में चिकत्सक, सीए, टीचर्स, उद्यमियों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि मथुरा के विकास में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। काशी और अयोध्या की तर्ज पर मथुरा को सुंदर बनाने का संकल्प पूरा होगा। यमुना शुद्धिकरण अभियान के तहत तेजी से काम चल रहा है। अगले पांच वर्ष में बृज चौरासी कोस परिक्रमा की नई तस्वीर दिखाई देगी। इस चुनावी समर में दो खेमे साफ नजर आ रहे हैं। एक पार्टी के

लिए फैमिली फर्स्ट है, तो मोदी के लिए नेशन फर्स्ट है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने 26 मिनट प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उनके निशाने पर कांग्रेस पार्टी रही। फैमिली फर्स्ट वालों के राज में भ्रष्टाचार माफिया राज और पुष्टिकरण की राजनीति होती थी। नरेंद्र मोदी के राज में, रामराज, सबका साथ सबका विकास, माफिया राज की समाप्ति के कार्य होते हैं। इस बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होली मनाने के लिए मथुरा नहीं पहुंचे थे। वह लगातार कई वर्षों से होली के अवसर पर मथुरा आते रहे हैं। ब्रज के विश्व प्रसिद्ध हुरंगा के ठीक दूसरे दिन मुख्यमंत्री का मथुरा आगमन हुआ। यहां उन्होंने प्रबुद्धजन सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्र के प्रोफेशनल्स के साथ संवाद किया। भाजपाइयों की तरफ से कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी के साथ यूपी में मथुरा से लोकसभा चुनाव प्रचार का आगाज कर दिया है। प्रबुद्ध सम्मेलन का संचालन लोकसभा चुनाव संयोजक देवेंद्र शर्मा ने किया। इस अवसर सांसद हेमा मालिनी, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, लोकसभा प्रभारी अशोक कटारिया, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह चौधरी, महापौर विनोद अग्रवाल, विधायक राजेश चौधरी, विधायक पूरन प्रकाश, जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे, महानगर अध्यक्ष घनश्याम चौधरी, एमएलसी जगदीश नौहवार, पूर्व रविकांत गर्ग, प्रदीप गोस्वामी, श्याम शर्मा, विजय शर्मा आदि मौजूद थे।

इन प्रबुद्धजन ने किया स्वागत

एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत मथुरा के टोंटी उद्योग एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज वशिष्ठ, होटल उद्योग की तरफ से श्याम सिंघल, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मदन गोपाल सिंह, आइएमए से डॉ पवन अग्रवाल, रामलीला सभा के जयंती प्रसाद अग्रवाल, उद्योगपति प्रमोद कसेरे एवं साड़ी उद्योग के अतुल अग्रवाल द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया।

जय गुरूदेव मंदिर पर तीन दिन उमडी भीड

मथुरा/टीम एक्शन इंडिया

जयगुरुदेव नाम योग साधना मंदिर पर तीन दिवसीय होली मेला सत्संग का समापन हो गया। बाबा पंकज ने अपने सत्संग में बताया कि बच्चे देश की धरोहर, देश की पूंजी हैं। इनमें अच्छे संस्कार डालना समय की बहुत बड़ी मांग है। अच्छे संस्कार महात्माओं के सत्संग वचनों से पड़ते हैं। इसलिए बच्चों को सत्संग में अवश्य लाना चाहिए। होली के अवसर पर लोगों को अपनी बुराइयों को त्याग कर अच्छाइयों को ग्रहण करने का संकल्प लेना चाहिए। इससे अच्छे समाज का निर्माण होगा। लोगों का जीवन सुखमय होगा। होली सत्संग मेला सकुशल सम्पन्न हो जाने पर पंकज बाबा ने होली की

शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों, कर्मचारियों, बुद्धजीवियों और ब्रजवासियों का आभार प्रकट करते हुये साधुवाद दिया। मेलें में दहेज रहित एक दर्जन से अधिक जोड़ों विवाह सम्पन्न कराया गया। श्रद्धालु अपने घरों को वापस जाने लगे हैं।

कच्चा तेल 86 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में गिरावट का रुख है। ब्रेंट क्रूड 86 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 81 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक,दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.90 डॉलर यानी 1.04 फीसदी की गिरावट के साथ 85.356 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.77 डॉलर यानी 0.94 फीसदी फिसलकर 80.05 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

दानी पोर्ट्स ने ओडिशा में गोपालपुर बंदरगाह खरीदा

नई दिल्ली। अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने कहा कि उसने ओडिशा में गोपालपुर पोर्ट लिमिटेड (जीपीएल) के अधिग्रहण के लिए एसपी ग्रुप की 56 प्रतिशत हिस्सेदारी और उड़ीसा स्टीवडोर्स लिमिटेड (ओएसएल) की 39 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के पक्के करार किए हैं।

एपीएसईजेड ने एक विज्ञप्ति में कहा, इस अधिग्रहण में कंपनी का मूल्यांकन 3,080 करोड़ रुपये किया गया है । यह सौदा वैधानिक अनुमोदनों के मिलने और कुछ अन्य शर्तों के पूरा होने पर लागू होगा।-

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस सौदे में कंपनी के वर्तमान मूल्यांकन के आधार पर किए जाने वाले भुगतान के अलावा अदानी समूह की कंपनी को साढ़े पांच वर्ष के उपरांत 270 करोड़ रुपये का भुगतान भी करना होगा। यह भुगतान विक्रेताओं के साथ सहमति के अनुसार कुछ शर्तों के पूरा होने पर देय होगा।

गोपालपुर बंदरगाह भारत के पूर्वी तट पर स्थित है और इसकी क्षमता प्रति वर्ष 2 करोड़ टन (एमएमटीपीए) माल चढ़ाने-उतारने की है। ओडिशा सरकार ने 2006 में जीपीएल को 30 साल की रियायत दी है और उससे दो बार दस-दस साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।

गोपालपुर बंदरगाह राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 16 के रास्ते कारोबार की दृष्टि से प्रमुख आंतरिक हिस्सों से अच्छी तरह जुड़ा है। यह बंदरगाह अपनी अगल रेल-लाइन के जरिएवेई-हावड़ा मुख्य रेल लाइन से भी जुड़ा है।

भारत के चालू खाते घाटे में आई गिरावट, अक्टूबर-दिसंबर में 10.5 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली। भारत का चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में घटकर 10.5 अरब डॉलर रह गया है। यह भारत की जीडीपी का 1.2 प्रतिशत के बराबर है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जारी की गई प्रेस रिलीज में ये जानकारी दी गई।

लगातार कम हो रहा चालू खाता घाटा

वित्त वर्ष 2023-24 में तिमाही दर तिमाही चालू खाता घाटे में गिरावट देखने को मिल रही है। जुलाई-सितंबर में ये 11.4 अरब डॉलर या जीडीपी का 1.3 प्रतिशत था। वहीं, पिछले साल समान अवधि यानी अक्टूबर-दिसंबर 2022 में ये 16.8 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 2 प्रतिशत था। आरबीआई द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि आयातित माल पर सीमा शुल्क डेटा के समायोजन के कारण वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही का चालू खाता घाटा एक प्रतिशत से बढ़कर 1.3 प्रतिशत हो गया है। अप्रैल से दिसंबर की तिमाही में चालू खाता घाटा 1.2 प्रतिशत रहा है, जो कि एक वर्ष पहले 2.6 प्रतिशत पर था।

व्यापारिक घाटा बढ़ा

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में व्यापारिक घाटे में मामूली उछाल देखने को मिला है। यह बढ़कर 71.6 अरब डॉलर हो गया है, जो कि एक वर्ष पहले करीब 71.3 अरब डॉलर था। हालांकि, इस दौरान सेवाओं के निर्यात में 5.2 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। आरबीआई द्वारा जारी प्रेस रिलीज में बताया गया कि सेवाओं के निर्यात में बढ़ोतरी होने से चालू खाते घाटे में कमी आई है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा बताया गया कि भारत का व्यापारिक घाटा लगातार बढ़ रहा है। फरवरी 2024 में ये 18.71 अरब डॉलर रहा है। जनवरी में ये 17.49 अरब डॉलर था। जबकि, फरवरी 2023में व्यापारिक घाटा 16.57 अरब डॉलर रहा है। अप्रैल 2023-फरवरी 2024 के लिए, भारत का माल व्यापार अंतर 225.20 अरब डॉलर था, जो 2022-23 के पहले 11 महीनों में 245.94 अरब डॉलर से कम है। यह इस अवधि के दौरान साल-दर-साल आधार पर 8.43 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

एलआईसी विश्व स्तर पर सबसे मजबूत बीमा ब्रांड के तौर पर उभरा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) विश्व स्तर पर सबसे मजबूत बीमा ब्रांड-2024 के तौर पर उभरा है। एलआईसी ने बाजार मूल्यांकन में एसबीआई को पछाड़कर 5वीं सबसे मूल्यवान भारतीय सूचीबद्ध कंपनी के रूप में अपनी स्थिति फिर से हासिल की है।

एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि स्थानीय से वैश्विक प्रभुत्व तक दुनिया का नंबर वन सबसे मजबूत बीमा ब्रांड है। एलआईसी का ब्रांड मूल्य 9.8 अरब अमेरिकी डॉलर पर स्थिर है। बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम विश्व स्तर पर सबसे मजबूत बीमा ब्रांड के तौर पर उभरा है। एलआईसी का शेयर भाव 1,175 रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया, जिससे यह भारत की सबसे मूल्यवान सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम

(पीएसयू) बन गया है। ब्रांड फाइनेंस इंश्योरेंस के अनुसार एलआईसी के बाद इस सूची में ताइवानी कैथे लाइफ इंश्योरेंस को दूसरे सबसे मजबूत ब्रांड के तौर पर दर्शाया गया है। कैथे लाइफ इंश्योरेंस का ब्रांड मूल्य नौ फीसदी बढ़कर 4.9 अरब डॉलर हो गया है। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई एनआरएमए इंश्योरेंस है, जिसका ब्रांड मूल्य 82 फीसदी बढ़कर 1.3 अरब डॉलर हो गया है।

एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत का जीडीपी अनुमान बढ़ाकर 6.8 फीसदी किया

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अगले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 40 आधार अंक बढ़ाकर 6.80 फीसदी कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने पिछले साल नवंबर में अगामी वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.40 फीसदी रहने का अनुमान जताया था।

ग्लोबल रेटिंग्स स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एसएंडपी) ने जारी एशिया प्रशांत के लिए अपने 'इकोनॉमिक आउटलुक' में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.8 फीसदी की दर से बढ़ेगी। पिछले साल नवंबर में रेटिंग एजेंसी ने भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था। हालांकि, यह चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 7.6 फीसदी वृद्धि दर के अनुमान से कम है।रेटिंग एजेंसी ने जारी 'इकोनॉमिक आउटलुक' में कहा कि एशियाई उभरती बाजार (ईएम)

अर्थव्यवस्थाओं के लिए हम मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाते हैं। इनमें भारत, इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम अग्रणी हैं। एजेंसी ने प्रतिबंधात्मक ब्याज दरों को आर्थिक विकास के लिए एक बाधा के रूप में चिह्नित किया है। एसएंडपी ने उम्मीद जताया कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले अगामी वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहेगी। एजेंसी ने वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 5-5 फीसदी पर बरकरार रखा है।

सरकार अगले दो-तीन दिन में किसानों से खरीदेगी पांच लाख टन प्याज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज की खरीदारी करेगी। सरकार ने भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) को बफर जरूरत के लिए किसानों से सीधे प्याज की खरीद शुरू करने का निर्देश दिया है।

उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि नेफेड और एनसीसीएफ को बफर स्टॉक के लिए किसानों से 5 लाख टन प्याज की खरीद शुरू करने का निर्देश दिया गया है। सरकार ने प्याज निर्यात प्रतिबंध को आगे बढ़ाने की वजह से मंडी की कीमतों में संभावित गिरावट के बीच यह कदम उठाया है।

मंत्रालय के मुताबिक सरकार ने किसानों को भरोसा दिलाया कि वह उनके हितों की रक्षा के लिए अगले 2-3 दिन में पांच लाख टन रबी प्याज की खरीद शुरू करेगी। दरअसल पिछले हफ्ते वाणिज्य मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने प्याज निर्यात पर लागू प्रतिबंध को अगले आदेश तक के लिए बढ़ा दिया था। पहले प्याज निर्यात पर रोक 31 मार्च, 2024 तक वैध थी। उल्लेखनीय है कि कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार रबी सत्र 2023-24 (जुलाई-जून) में प्याज उत्पादन 20 फीसदी घटकर 190.5 लाख टन रहने का अनुमान है जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 237 लाख टन रहा था। देश में प्याज की उपलब्धता के लिए रबी प्याज अहम है क्योंकि सालाना उत्पादन में 72-75 फीसदी का योगदान देता है।

देश के बाहर पहली बार कारोबार फैलाने जा रहा अमूल

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी डेयरी कंपनी अमूल पहली बार भारत के बाहर दूध बिक्री करेगी। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) एक सप्ताह के भीतर अमेरिकी बाजार में दूध के चार किस्मों की पेशकश करेगा। इस पहल के जरिए कंपनी का उद्देश्य भारत बाहर बसे भारतीय और एशियाई लोगों की जरूरत के हिसाब से प्रोडक्ट पेश करना है।

अमेरिकी कंपनी के साथ किया समझौता

जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत करते हुए कहा कि हम कई दशकों से डेयरी उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। यह पहली बार है कि हम भारत के बाहर ताजे दूध की पेशकश कर रहे हैं। आगे बताया कि जीसीएमएमएफ ने अमेरिकी बाजार में ताजा दूध पेश करने के लिए 108 साल पुराने सहकारी संगठन मिशिगन मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (एमएमपीए) के साथ समझौता किया है। उन्होंने कहा कि दूध संग्रह और प्रसंस्करण एमएमपीए करेगा, जबकि जीसीएमएमएफ विपणन और ब्रांडिंग करेगा।

अमेरिका के कौन-कौन से शहर में मिलेंगे अमूल के प्रोडक्ट्स?

मेहता ने कहा कि उत्पाद हमारा होगा। एक सप्ताह के भीतर अमूल ताजा, अमूल गोल्ड, अमूल शक्ति और अमूल स्लिम एन ट्रिम अमेरिकी बाजार में उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि ताजा दूध न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, शिकागो, वाशिंगटन, डलास और टेक्सास सहित अन्य शहरों में मिलेगा। जीसीएमएमएफ इस पहल के जरिए अनिवासी भारतीयों और एशियाई आबादी को लक्षित करेगा।

होली के बाद सस्ता हुआ सोना, चांदी में मामूली तेजी

नई दिल्ली। होली के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट का रुख नजर आया। ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोने की कीमत में आज 300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई, जिसके कारण चेन्नई के अलावा ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 67 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे कारोबार करता रहा। दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी का भाव 77,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 66,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। मुंबई में 24 कैरेट सोना 66,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 61,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 67,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 61,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 61,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह

सोना आज 66,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 61,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 66,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 61,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 66,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 66,760 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट जयपुर में 24 कैरेट सोना 66,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 66,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 61,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भाई-बहन के बाद अब भांजा-भांजी ने भी बाबा कल्याणी को कोर्ट में घसीटा, 60,000 करोड़ की संपत्ति का मामला

नई दिल्ली। देश की बड़ी फोर्जिंग कंपनियों में शामिल भारत फोर्ज के चेयरमैन बाबा कल्याणी की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। पारिवारिक संपत्ति को लेकर उनका अपनी बहन सुगंधा हिरेमठ से विवाद चल रहा है। अब इसमें उनके भांजे और भांजी भी कूद गए हैं। फोर्जिंग उद्योग के दिग्गज नीलकंठ कल्याणी के नाती समीर हिरेमठ और नातिन पल्लवी स्वादी ने अपने मामा बाबा कल्याणी के खिलाफ पुणे सिविल कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। वे पारिवारिक संपत्ति में करीब 11 फीसदी हिस्सेदारी मांग रहे हैं। इसमें भारत फोर्ज और कल्याणी स्टील में हिस्सेदारी भी शामिल है। साथ ही उन्होंने परिवार के पांच लोगों के खिलाफ भी दायर किया गया है। इनमें समीर हिरेमठ और नातिन पल्लवी स्वादी की मां सुगंधा हिरेमठ, उनके भाई गौरीशंकर कल्याणी, उनके बच्चे शीतल कल्याणी और विराज कल्याणी और बाबा के बेटे अमित कल्याणी शामिल हैं।

इस परिवार के पास कितनी संपत्ति है, इसकी वैल्यू का पता नहीं है। परिवार के पास पुणे, महाबलेश्वर और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में काफी जमीन है। कल्याणी ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप

62,834 करोड़ रुपये है। हिकल के मालिकाना हक को लेकर पहले ही सुगंधा और बाबा कल्याणी के बीच विवाद चल रहा है। हिकल देश की प्रमुख स्पेशियलिटी केमिकल कंपनियों में शामिल है। 50 साल के समीर और 48 साल की पल्लवी ने अपनी याचिका में कहा कि फरवरी 2023 में नीलकंठ की पत्नी की मृत्यु के बाद बाबा कल्याणी उनकी वसीयत को लागू नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि बाबा कल्याणी परिवार की सभी संपत्तियों को अपने कब्जे में ले लेंगे और बाकी लोगों को संपत्ति से बेदखल कर देंगे। फोर्ब्स के अनुसार 75 साल के बाबा कल्याणी देश के अमीर लोगों में शामिल हैं। उनकी नेटवर्थ करीब चार अरब डॉलर है।

एलआईसी बीमा क्षेत्र में दुनिया का सबसे मजबूत नामः रिपोर्ट

नई दिल्ली। बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अंतरराष्ट्रीयस्तर पर सबसे मजबूत बीमा ब्रांड के रूप में उभरी है। ब्रांड फाइनेंस इंश्योरेंस 100 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, एलआईसी का ब्रांड मूल्य 9.8 अरब अमेरिकी डॉलर पर बना हुआ है। साथ ही ब्रांड स्ट्रेंथ इंडेक्स स्कोर 88.3 और संबद्ध एएए ब्रांड स्ट्रेंथ रेटिंग भी है। ब्रांड फाइनेंस इंश्योरेंस के बयान के अनुसार, एलआईसी के बाद सूची में कैथे लाइफ इंश्योरेंस को दूसरे सबसे मजबूत ब्रांड के रूप में दर्शाया गया है। कैथे लाइफ इंश्योरेंस का ब्रांड मूल्य नौ फीसदी बढ़कर 4.9 अरब डॉलर हो गया है। इसके बाद एनआरएमए इंश्योरेंस है, जिसका ब्रांड मूल्य 82 फीसदी बढ़कर 1.3 अरब डॉलर हो गया है।

ग्लोबल लिस्ट में चीन का दबदबा

बयान के अनुसार, चीन के बीमा ब्रांड ने ग्लोबल रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए रखा है। पिंग एन ब्रांड मूल्य में चार फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 33.6 अरब डॉलर के साथ अग्रणी है। इसके बाद चाइना लाइफ इंश्योरेंस और सीपीआईसी तीसरे और पांचवें स्थान पर हैं।

एलआईसी इंडिया ने वित्त वर्ष 2022-23 में 39,090 करोड़ रुपये का उच्चतम पहले वर्ष का प्रीमियम संग्रह हासिल किया, जबकि एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस ने 15,197 करोड़ रुपये और 10,970 करोड़ रुपये का नया प्रीमियम संग्रह हासिल कर निजी क्षेत्र का नेतृत्व किया। सरकार ने अगस्त, 2022 से प्रभावी एलआईसी कर्मचारियों के लिए 17 फीसदी वेतन संशोधन को मंजूरी दी थी। इससे 1,10,000 से अधिक कर्मचारियों को लाभ हुआ। एलआईसी के शेयर भी 1,175 रुपये के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया, जिससे यह भारत की सबसे मूल्यवान सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसयू) बन गई। इसने बाजार मूल्यांकन में एसबीआई को पछाड़कर पांचवीं सबसे मूल्यवान भारतीय सूचीबद्ध कंपनी के रूप में अपनी स्थिति फिर से हासिल कर ली।

बिकवाली के दबाव में लुढ़का शेयर बाजार, आईटी और बैंकिंग सेक्टर पर रहा सबसे अधिक दबाव

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार पूरे दिन दबाव में कारोबार करता रहा। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। दिन में कई बार खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार का सपोर्ट करने की कोशिश की लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स और निफ्टी लगातार लाल निशान में कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.50 प्रतिशत और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग और आईटी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। ऑयल एंड गैस, रियल्टी और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का जोर नजर आया। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार की कमजोरी के बावजूद मिडकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 382.52 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 382.29 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 23 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,090 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,422 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,538 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 130 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,230 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 707 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,523 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 434.97 अंक टूट कर 72,396.97 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसकी वजह से ये सूचकांक कुछ हद तक रिकवर करके 72,705.29 अंक के स्तर तक पहुंचा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक ने दोबारा गोता लगा दिया। पूरे दिन खरीदारों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसकी वजह से ये सूचकांक 468.91 अंक टूट कर 72,363.03 अंक तक गिरा। आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी करके 361.64 अंक की गिरावट के साथ 72,470.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 148.85 अंक की गिरावट के साथ 21,947.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक करीब 60 अंक की रिकवरी करके 22,073.20 अंक तक पहुंचा।

अटल पेंशन योजना में न्यूनतम आठ फीसदी रिटर्न की गारंटी, कांग्रेस के आरोपों में दम नहीं : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का डिजाइन सबसे अच्छा है, जो न्यूनतम आठ फीसदी रिटर्न की गारंटी देता है। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों पर कहा कि यह एक सुविचारित और लाभकारी सुविधा है, जो ग्राहकों के सर्वोत्तम हित में है।

वित्त मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट (पूर्व में ट्विटर) पर जारी एक बयान में कहा कि अटल पेंशन योजना को सर्वोत्तम विकल्प के आधार पर डिजाइन किया गया है, ताकि स्वचालित रूप से प्रीमियम भुगतान जारी रहे। यह एक सुविचारित और लाभकारी सुविधा है, जो ग्राहकों के सर्वोत्तम हित में है।

उन्होंने कहा कि लोगों को हर साल योजना जारी रखने का निर्णय लेने के बजाय छोड़ने का निर्णय लेना होगा, इससे उनमें से कई लोग सही निर्णय लेते हैं और अपनी सेवानिवृत्ति के लिए बचत करते हैं।

इससे पहले जयराम रमेश ने अटल पेंशन योजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया था कि यह एक बहुत खराब तरीके से डिजाइन की गई 'योजना' और 'कागजी शेर' है। इसके लिए अधिकारियों को लोगों को धोखा देने और इसमें भाग लेने के लिए मजबूर करना पड़ता है।सीतारमण ने अटल पेंशन योजना पर कांग्रेस पार्टी के

जयराम रमेश के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा कि वे अच्छी पेंशन योजना को डिजाइन करने के बुनियादी सिद्धांतों से अनभिज्ञ है। निर्मला सीतारमण ने जयराम रमेश को जवाब देते हुए कहा कि इसे निश्चित आय पेंशन कहते हैं। उन्होंने तथ्यों की जांच करने की जहमत नहीं उठाई है। प्रचलित ब्याज दरों और रिटर्न की परवाह किए बिना एपीवाई के तहत न्यूनतम रिटर्न की गारंटी भारत सरकार द्वारा कम से कम 8 फीसदी दी जाती है।

उन्होंने कहा कि यह एक आकर्षक गारंटीकृत न्यूनतम रिटर्न है। वास्तविक रिटर्न में किसी भी कमी की भरपाई के लिए भारत सरकार पीएफआरडीए को सब्सिडी का भुगतान करती है। यदि एपीवाई के ग्राहकों के योगदान पर उच्च निवेश रिटर्न प्राप्त होता है, तो ग्राहकों को उच्च पेंशन का भुगतान किया जाएगा। इस योजना के लिए वर्तमान में रिटर्न 8 फीसदी से अधिक है। अटल पेंशन योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक जून, 2015 को की थी। इस योजना में देश के 18 से 40 वर्ष के युवा निवेश कर सकते हैं। इस योजना के तहत सभी उम्मीदवारों को हर महीने 210 रुपये का प्रीमियम देना होगा। इसके बाद 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर योजना में निवेश करने वाले युवाओं को 1000 रुपये से लेकर 5000 तक की मासिक पेंशन मिलेगी।

नेपाल के मेयर की बेटी गोवा से लापता, दो दिन बाद भी कोई सुराग नहीं

काठमांडू। धनगढी उपमहानगरपालिका के मेयर गोपाल हमाल की बड़ी बेटी पिछले दो दिनों से गोवा से लापता है। ओशो के ध्यान शिविर में शामिल होने के लिए गई आरती हमाल से परिवार वालों का कोई भी संपर्क नहीं हो पा रहा है। पिता ने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से गोवा पुलिस से संपर्क किया है।

धनगढी के मेयर गोपाल हमाल ने फेसबुक पर एक अपील जारी करते हुए अपनी बेटी को ढूंढने में मदद करने का आग्रह किया है। उन्होंने फेसबुक पोस्ट पर लिखा है कि उनकी बड़ी बेटी आरती हमाल गोवा में ओशो ध्यान शिविर में शामिल होने गई थी, लेकिन दो दिनों से उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है। उन्होंने गोवा सरकार और गोवा पुलिस से अपनी बेटी को ढूंढने में मदद करने की अपील की है। उन्होंने यह भी बताया है कि उनकी छोटी बेटी और दामाद उसे ढूंढने के लिए गोवा पहुंच चुके हैं। दो दिनों से लापता आरती को ढूंढने के लिए मेयर हमाल ने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से गोवा पुलिस से संपर्क किया है। उन्होंने बताया कि बेटी की अंतिम लोकेशन गोवा की जोरबा बाइब आश्विन ब्रिज है। दूतावास की पहल के बाद गोवा पुलिस ने गुमशुदगी का रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

हूती के हमलों से फिलिपिनो चालक दल को बचाने पर राष्ट्रपति ने भारत का जताया आभार

मनीला। फिलीपींस के राष्ट्रपति ने भारत का आभार व्यक्त किया है। दरअसल, इस महीने अदन की खाड़ी में हूती विद्रोहियों द्वारा एक व्यापारिक जहाज के चालक दल को पकड़ लिया गया था। छह मार्च को भारतीय नौसेना की चिकित्सा टीम ने एमवी कॉन्फिडेंस के सभी चालक दल के सदस्यों को बचाया और उन्हें महत्वपूर्ण देखभाल प्रदान की। भारत की तेज और निर्णायक कार्रवाई पर फिलिपिनो राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर ने अपना आभार प्रकट किया।

द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन के दौरान दो फिलिपिनो सहित चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई। हमले में जीवित बचे सभी फिलिपिनो सदस्यों को वापस भेज अपने देश भेज दिया गया। राष्ट्रपति मार्कोस ने कहा कि एमवी ट्रू कॉन्फिडेंस घटना में शामिल फिलिपिनो नाविकों को बचाने के लिए भारत की त्वरित कार्रवाई के लिए मैं भारत सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।

जयशंकर का फिलीपींस दौरा

बता दें, सिंगापुर दौरा खत्म कर केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर मंगलवार को फिलीपींस पहुंचे हैं। फिलीपींस के विदेश मंत्री एनरिक मनालो के साथ जयशंकर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि भारत अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता को बनाए रखने के लिए फिलीपींस का समर्थन करता है। जयशंकर ने कहा कि मनीला में मनालो के साथ उन्होंने चर्चा की, जो बहुत अच्छी रही। उन्होंने कहा कि मैं इस अवसर पर फिलीपींस की राष्ट्रीय संप्रभुता को बनाए रखने के लिए भारत के समर्थन को दोहराता हूं। हर देश को अपनी संप्रभुता को बनाए रखने और उसे लागू करने का पूरा अधिकार है।

मॉस्को आतंकी हमले को लेकर रूसी खुफिया प्रमुख ने किया बड़ा दावा; इन देशों पर साधा निशाना

मॉस्को। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) के प्रमुख अलेक्जेंडर बोर्टनिकोव ने मॉस्को आतंकी हमले को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। क्रोकस सिटी हॉल हमले की चल रही जांच के बीच बोर्टनिकोव ने मंगलवार को कहा कि हमले के पीछे अमेरिका, ब्रिटेन और यूक्रेन का हाथ है। मॉस्को में आयोजित एक बैठक में बोर्टनिकोव ने कहा, अभी हम हमारे पास जो मौजूद तत्कालिक जानकारी है उसी के आधार पर बात कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेन यह साबित करने की कोशिश कर रहा है कि वह "काफी सक्षम" है। अपनी क्षमता साबित करने के लिए उसने घात आतंकी कुकृत्य को अंजाम दिया। उन्होंने फिर दोहराया कि यूक्रेन, ब्रिटेन और अमेरिका ने पूर्व में भी रूस में इस तरह के हमले करवा चुके हैं। बोर्टनिकोव ने कहा, रूस में ड्रोन से हमले हुए, समुद्र में बिना चालक वाली नावों पर हमले किए गए, हमारे क्षेत्र में तोड़फोड़ करने वाले और आतंकवादी संगठनों के समूहों से घुसपैठ कराई गई। उन्होंने बताया कि पश्चिम और यूक्रेन हमारे देश को अधिक नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। 22 मार्च को मॉस्को शहर के पास एक उपनगर में स्थित क्रोकस सिटी कॉन्सर्ट हॉल में घुसकर आतंकियों ने गोलीबारी और विस्फोट किया था। इस आतंकी हमले में 139 लोगों की मारे गए और 182 अन्य घायल हुए हैं। इस्लामिक स्टेट ने इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। रूस के सुरक्षा बलों ने आतंकी हमले में शामिल होने के संदेह में कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें चार बंदूकधारी भी शामिल हैं। हमले के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आरोप लगाया था कि हमारी शुरुआती जानकारी के अनुसार यूक्रेन ने आतंकवादियों को हमारी सीमा में घुसाने के लिए रास्ता बनाया था। साथ ही पुतिन ने हमले में शामिल सभी लोगों की पहचान करने और उन्हें दंडित करने की कसम खाई थी। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा था कि मॉस्को के बाहर कॉन्सर्ट हॉल पर हुए हमले के लिए कट्टरपंथी इस्लामवादी जिम्मेदार हैं, लेकिन यूक्रेन को इस जघन्य अपराध से अलग नहीं किया जा सकता है।

बाल्टीमोर हादसे में लापता छह लोगों की मृत मान लिया गया, तलाशी अभियान समाप्त, बाइडेन ने दुख जताया

वाशिंगटन। अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत के बाल्टीमोर में पटाप्सको नदी पर बने ऐतिहासिक फ्रांसिस स्कॉट ब्रिज (पुल) से एक मालवाहक जहाज टकरा गया। इसके बाद पलक झपकते ही यह ब्रिज ढह गया। इस हादसे के दौरान कई लोग और कारें नदी में गिर गईं। इस दौरान लापता छह लोगों की नदी में तलाश की गई। कोई पता न चलने पर आखिरकार उन्हें मृत मान लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने लापता छह लोगों की तलाश को समाप्त करने की घोषणा की है। रियर एडमिरल शैनन गिलरेथ ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि अब इस बात की कम ही उम्मीदें है कि हादसे के बाद लापता हुए छह लोग जीवित होंगे। मैरीलैंड के गवर्नर वेस मूर के अनुसार, मालवाहक जहाज के चालक ने हादसे से पहले मदद भी मांगी थी। आशंका जताई

जा रही है कि बिजली की समस्या के कारण मालवाहक जहाज पुल से टकराया होगा, जिस वजह से यह हादसा हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह एक भयानक दुर्घटना है। हमारी प्रार्थनाएं इस हादसे में शामिल सभी लोगों के साथ है। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद बाल्टीमोर बंदरगाह में जहाज यातायात को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

रूस की जेल में बंद अमेरिकी पत्रकार की गिरफ्तारी की अवधि बढ़ाई

मॉस्को। मॉस्को की एक अदालत ने एक साल पहले गिरफ्तार किए गए वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार इवान गर्शकोविच को कम से कम 30 जून तक जेल में रखने का आदेश दिया। उन्हें जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अदालत के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अमेरिका के 32 वर्षीय नागरिक को रिपोर्टिंग के सिलसिले में की गई यात्रा के दौरान साल 2023 में मार्च के आखिर में गिरफ्तार किया गया था। वह लगभग एक साल से जेल में है और अब अदालत ने 30 जून तक उनकी गिरफ्तारी की अवधि बढ़ा दी है। गर्शकोविच और उनके नियोक्ता ने आरोपों को खारिज कर दिया। अमेरिकी सरकार ने भी कहा कि उन्हें गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया है। रूस के एकातेरिनबर्ग शहर में उनको गिरफ्तार किया गया था, लेकिन अधिकारियों ने यह नहीं बताया था कि जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किए गए पत्रकार के खिलाफ यदि कोई सबूत है तो वह क्या है। मॉस्को की लेफोर्टोवो जेल में गर्शकोविच को रखा गया है, जो अपनी कठोर परिस्थितियों के लिए कुख्यात है। विश्लेषकों ने बताया कि यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियान से वाशिंगटन और मास्को के बीच उपजे तनाव के चलते रूस अपने यहां जेल में बंद अमेरिकियों को सौदेबाजी के साधन के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। रूस ने हाल ही में अमेरिका के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया था, जिसमें डब्ल्यूएनबीए स्टार ब्रिटनी ग्रिनर भी शामिल हैं। गर्शकोविच सितंबर 1986 के बाद से रूस में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार होने वाले पहले अमेरिकी पत्रकार हैं। 1986 में यूएस न्यूज और वर्ल्ड रिपोर्ट के मॉस्को संवाददाता निकोलस डैनिलॉफ को केजीबी ने गिरफ्तार किया था। 20 दिन बाद उन्हें संयुक्त राष्ट्र मिशन में सोवियत संघ के एक कर्मचारी की रिहाई के बदले छोड़ा गया था। इस कर्मचारी को एफबीआई ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया था।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला, पांच चीनी नागरिकों सहित छह मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत पश्चिमोत्तर प्रांत खैबर-पख्तूनख्वा में चीनी नागरिकों वाली बस में विस्फोटक से भरे एक वाहन ने को टक्कर मारने से कम से कम पांच चीनी नागरिकों सहित छह व्यक्तियों की मौत हो गई। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

ये चीनी नागरिक दासू जलविद्युत परियोजना पर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि प्रांत के शांगला जिले के बिशाम इलाके में हुई घटना में कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब इस्लामाबाद से कोहिस्तान जा रही एक

बस को विपरीत दिशा से आ रहे एक वाहन ने टक्कर मार दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मुहम्मद अली गंडापुर ने घटना और मरने वालों की संख्या की पुष्टि की और कहा कि यह संभवतः एक आत्मघाती हमला था। गंडापुर ने मीडिया को बताया, हमले में पांच चीनी नागरिक और उनका पाकिस्तानी चालक मारा गया। अभी तक किसी भी समूह ने इस हमले की

जिम्मेदारी नहीं ली है। गृह मंत्री मोहसिन नकवी वहां स्थित चीनी दूतावास पहुंचे और चीनी राजदूत जियांग जैदोंग से मुलाकात की। उन्होंने संवेदना व्यक्त की और राजदूत को यह भी आश्वासन दिया कि पाकिस्तान सरकार दोषियों को न्याय के कटघरे में लाएगी।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हमले की कड़ी निंदा की और चीनी नागरिकों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक बयान में कहा, पाकिस्तान विरोधी तत्व पाकिस्तान-चीन दोस्ती को नुकसान पहुंचाने में कभी सफल नहीं होंगे। जरदारी ने चीनी नागरिकों के परिवारों और पड़ोसी देश की सरकार के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की। इस बीच, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी हमले की जगह पर पहुंचे और घटना की जांच शुरू की। उन्होंने शवों को निकालने में भी मदद की।

जानकारी के मुताबिक बिशाम थाना प्रभारी (एसएचओ) बख्त जहीर के हवाले से बताया कि घटनास्थल पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और शवों को अस्पताल ले जाया जा रहा है। एसएचओ ने कहा, हम जांच करेंगे कि आत्मघाती हमलावर का वाहन कहां से और कैसे आया और यह कैसे हुआ। शांगला, कोहिस्तान के करीब है, जहां 2021 में एक आतंकवादी हमले में नौ चीनी समेत 13 लोग मारे गए थे। साठ अरब अमेरिकी डॉलर वाले चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तत्वावधान में चल रही कई परियोजनाओं पर हजारों चीनी कर्मी पाकिस्तान में काम कर रहे हैं।

मलयेशिया के विदेश मंत्री से मिले जयशंकर, आपसी रिश्तों समेत इन मुद्दों पर चर्चा

कुआलालंपुर। भारत और मलयेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आ रही है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात के बाद मलयेशिया के विदेश मंत्रालय द्वारा यह आधिकारिक बयान जारी किया गया है। दरअसल बुधवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मलयेशिया में अपने समकक्ष मोहम्मद बिन हाजी के साथ मुलाकात की। इस दौरान पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर गहन चर्चा की गई।

आपको बता दें कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर सिंगापुर, फिलीपींस और मलयेशिया के दौरे पर हैं। इस यात्रा का तीसरा और आखिरी चरण मलयेशिया है। इससे पहले फिलीपींस और सिंगापुर में भी जयशंकर द्वारा यात्राएं और सार्थक मुलाकातें की गई हैं।

मुलाकात में इन मुद्दों पर चर्चा :भारत और मलयेशिया के विदेश मंत्रियों ने सातवीं संयुक्त आयोग की बैठक आयोजित कराने पर भी चर्चा की। इससे पहले हसन द्वारा पदभार संभालने के बाद दिसंबर 2023 में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात हुई थी। इस बार इस यात्रा का उद्देश्य भारत और मलयेशिया के बीच सहयोग को मजबूत करना है। इसके साथ ही साझा चुनौतियों और अवसरों की समझ को बढ़ाना है। मलेशिया के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, 2023 में भारत ने मलयेशिया के 12वें सबसे बड़े वैश्विक व्यापार भागीदार की भूमिका अदा की थी। यह व्यापार कुल मिलाकर 16.53 बिलियन डॉलर था।

भारत ने निभाया वादा, भूटान को पांच अरब डॉलर की मदद भेजी; अब इस परियोजना पर होगा काम

थिम्फू। भूटान की मदद के लिए भारत की तरफ से 5 अरब डॉलर की दूसरी किस्त भेजी गई है। इस किश्त की मदद से भूटान में ग्यालसुंग परियोजना से संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास होगा। भूटान में भारत के राजदूत सुधाकर दलेला ने भूटान के विदेश मंत्री ल्योनपो डी.एन. धुंग्येल से मुलाकात कर किश्त सौंपी। भूटान में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस किश्त के साथ ही भारत ने भूटान के साथ हुए समझौते के तहत शाही सरकार के लिए कुल दस अरब रुपये जारी कर दिए हैं। इससे पहले 28 जनवरी 2024 को भी भारत ने भूटान के लिए पांच अरब रुपये की किस्त जारी की थी। दरअसल भारत और भूटान के बीच जनवरी 2024 में एक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे। इस एमओयू के अनुसार भारत द्वारा भूटान को 15 अरब रुपये की मदद की जाएगी। यह अतिरिक्त मदद भूटान के ग्यालसंग में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए दी जा रही है। जनवरी 2023 में भी भारत ने डेसुंग फॉर ग्यालसंग कार्यक्रम के लिए दो अरब रुपये का अनुदान दिया था। भूटान में भारतीय दूतावास ने

अपने आधिकारिक बयान में कहा कि भूटान के साथ साझेदारी करना भारत के लिए सौभाग्य की बात है। इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य भूटान के युवाओं की क्षमताओं को विकसित करना और उन्हें राष्ट्र-निर्माण के लिए सक्षम बनाना है।

पीएम मोदी ने किया था भूटान दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 और 23 मार्च को भूटान की यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने थिम्पू को विकास कार्यों में भारत के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और उसे अगले पांच साल में 10,000 करोड़ रुपये की सहायता मुहैया करने का संकल्प लिया। पीएम मोदी ने भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे के साथ थिम्पू में भारत के सहयोग से निर्मित महिलाओं और बच्चों के लिए एक आधुनिक अस्पताल का उद्घाटन भी किया था।

लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में चुनाव के दौरान भारतीय छात्र के खिलाफ नफरती अभियान शुरू

लंदन। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में छात्र संघ चुनाव हो रहे हैं। मैं भी चुनाव में खड़ा हो रहा हूं। वोटिंग से ठीक 12 घंटे पहले बहुत ही सुनियोजित तरीके से मेरे खिलाफ अभियान चलाया गया। मुझे उन्होंने इधर-उधर से कुछ करके भाजपा से जोड़ दिया। मुझे फासीवादी बताया गया। मेरे खिलाफ यहां नफरती अभियान चलाया जा रहा है।यह आरोप है सत्यम सुराणा का। सुराणा वही भारतीय छात्र है, जिसने पिछले साल ब्रिटेन में स्थित भारतीय उच्चायोग पर हुए चरमपंथी हमलों को चुनौती देते हुए सड़क से तिरंगा उठाया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सुराणा का जन्म पुणे में हुआ था। सुराणा ने कुछ महीने बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रैक्टिस की और फिर लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एलएलएम के लिए दाखिला ले लिया। इस साल सुराणा का एमएलएम खत्म हो जाएगा।

मामले की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि फरवरी और मार्च की शुरुआत में एलएसई चुनाव घोषित किए गए थे। मैंने महासचिव पद के लिए नामांकन दाखिल किया है। 14-15 मार्च को मैंने देखा कि

मेरे पोस्टर फाड़े जा रहे हैं। मैंने अधिकारियों से शिकायत की। पोस्टर बदल दिए गए लेकिन थोड़ी देर बाद उन पोस्टर पर मेरे चेहरे पर क्रॉस का निशान बना हुआ था। इसमें लिखा था कि सत्यम के अलावा कोई भी। 17 मार्च की दोपहर एलएसई के सभी ग्रुप्स में एक संदेश था, जिसमें दावा किया गया कि सत्यम भाजपा समर्थक है। वह फासीवादी व्यक्ति है। वह इस्लामोफोबिक है। वह ट्रांसफोबिक है। कट्टरपंथियों ने सोशल मीडिया से मेरे कुछ पोस्टों का भी स्क्रीनशॉट ले लिया, जिसके बुनियाद पर वे मुझे फासीवादी कह रहे हैं। सत्यम ने बताया कि मेरे घोषणा पत्र में कोई भी राजनीतिक मुद्दा नहीं था। मेरे पास सिर्फ परिसर के वास्तविक मुद्दे थे। शुरुआत में मुझे जबरदस्त समर्थन मिला। लेकिन अब इन सभी चीजों से मेरे जीतने के चांस कम हो गए। मैं अपनी पूरी टीम के साथ हर विभाग में गया। मैंने पूरा परिसर घूमा। मेरे घोषणापत्र में कहा गया है कि कैसे चीजों में सुधार की जरूरत है, जैसे एलएसई परिसर में सब्सिडी वाले भोजन की व्यवस्था, शिकायत निवारण पोर्टल की आवश्यकता आदि। हमें समर्थन मिल रहा था और लोग कह रहे थे।

बीते 10 वर्षों में 38400 प्रवासियों की डूबने की वजह से गई जान, यूएन रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की तरफ से एक रिपोर्ट जारी की गई है। इस रिपोर्ट के में बताया गया है कि बीते 10 वर्षों में 64,000 प्रवासियों की मृत्यु हुई है। इनमें से करीब 38,400 प्रवासियों की मौत समुद्र में डूबने से हुई है। रिपोर्ट के अनुसार भूमध्य सागर में सबसे ज्यादा 27,000 प्रवासियों की मौत हुई है।

खतरनाक भूमध्य सागर में मारे गए 27,000 प्रवासी

भूमध्य सागर के रास्ते कई प्रवासी उत्तरी अमेरिका से दक्षिणी यूरोप जाने की कोशिश करते हैं।

आईओएम के डेटा विश्लेषक एड्रिया गार्सिया बोरजा ने बताया कि भूमध्य सागर खतरनाक क्षेत्र है और यहां यात्राएं करना बेहद जोखिम भरा साबित होता है। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तुलना में भूमध्य सागर के आंकड़ों को काफी गहनता से देखा गया है। उनके मुताबिक सहारा रेगिस्तान जैसे क्षेत्रों की निगरानी करना कठिन था क्योंकि वहां का विश्वसनीय डेटा आना मुश्किल था।

वर्ष 2023 में प्रवासन मार्गों पर 8,500 लोगों की मौत

आधे से अधिक मामलों में, आईओएम प्रवासी का लिंग या उम्र जानने में असमर्थ रहा। जिन जगहों में प्रवासी की पहचान की जा सकती है, वहां एक-तिहाई से अधिक प्रवासी संघर्ष वाले देशों या बड़ी शरणार्थी आबादी वाले देशों से आए थे। यह रिपोर्ट बताती है कि 2023 में दुनिया भर के प्रवासन मार्गों पर 8,500 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। आईओएम का कहना है कि इस लिहाज से साल 2023 सबसे खतरनाक साल कहा जा सकता है। साल 2024 के आंकड़े भी चिंताजनक हो सकते हैं।

आईओएम के अनुसार इन रास्तों पर मजबूत बचाव क्षमताएं और सुरक्षित प्रवासन मार्ग की बेहद आवश्यकता है। समुद्र में, संकट में फंसे प्रवासियों के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून की अधिक सहायता की आवश्यकता है।

पश्तून कार्यकर्ता का दावा:'मॉस्को आंतकी हमले के तार पाकिस्तान में हुए धमाकों से जुड़े, बहुत कुछ होने वाला है'

इस्लामाबाद। पश्तून तहफ्फुज मूवमेंट (पीटीएम) के सदस्य फजल-उर-रहमान अफरीदी का कहना है कि न केवल पाकिस्तान बल्कि पूरी दुनिया खतरे में है। दरअसल उन्होंने आरोप लगाया है कि मॉस्को में हुए आतंकी हमले और खैबर पख्तूनख्वा के शांगला जिले में हुए हमले के बीच एक जैसे संबंध प्रतीत हो रहे हैं।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला

बता दें कि खैबर-पख्तूनख्वा में मंगलवार को विस्फोटक से भरे एक वाहन ने एक बस को टक्कर मार दी थी। इस दौरान बस में सवार कम से कम छह पांच नागरिकों की मौत हो गई थी। चीनी नागरिक दासू जलविद्युत परियोजना पर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि शांगला जिले के बिशम इलाके में हुई घटना

में कई अन्य घायल हो गए। घटना उस समय हुई, जब इस्लामाबाद से कोहिस्तान जा रही एक बस को सामने से आ रहे एक वाहन ने टक्कर मार दी।

पाकिस्तान और मॉस्को में एक जैसा हमला- अफरीदी

पश्तून तहफ्फुज मूवमेंट के सदस्य फजल-उर-रहमान अफरीदी का कहना है कि पाकिस्तान और मॉस्को में हुए आतंकी हमले एक जैसे प्रतीत हो रहे हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान सरकार के ही कुछ लोगों द्वारा प्रशिक्षित आतंकवादियों और आईएसआईएस को साथ लेकर से ऐसी आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। अफरीदी ने कहा कि ऐसा लगता है कि पाकिस्तान की सेना के प्रतिनिधियों ने इस हमले को अंजाम दिया है और इस बार पाकिस्तान चीन के साथ दोहरा खेल खेल रहा है।

मॉस्को में क्या हुआ था?

मॉस्को के पास क्रोकस सिटी हॉल में कॉन्सर्ट के दौरान आतंकवादियों ने लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। आतंकियों ने विस्फोटक से हॉल में धमाका भी किया, जिससे वहां आग लग गई। हमले के बाद विशेष पुलिस बल ने मोर्चा संभाल लिया है। वहीं, आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। आईएस ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। हमले में 60 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

भूकंप के तेज झटकों से हिला फिजी, 6.4 की तीव्रता के साथ कांपी धरती; फिलहाल नुकसान की सूचना नहीं

फिजी। फिजी में बुधवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप सुवा में आया और इसका असर काफी दूर तक रहा। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.4 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप के झटके सुबह छह बजकर 58 मिनट पर दर्ज किए गए। फिलहाल किसी भी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

क्यों आता है भूकंप?

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

जानें क्या है भूकंप के केंद्र और तीव्रता का मतलब?

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती है, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

कैसे मापा जाता है भूकंप की तिव्रता और क्या है मापने का पैमाना?

भूकंप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

अगले सात साल तक न्यूजीलैंड क्रिकेट का घर बना रहेगा सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया

नई दिल्ली। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया (एसपीएनआई) ने अगले सात वर्षों के लिए भारत और उससे जुड़े क्षेत्रों में न्यूजीलैंड के ब्लैककैप्स और व्हाइट फर्न्स के मैचों को प्रसारित करने और स्ट्रीम करने के लिए टेलीविजन और डिजिटल अधिकार हासिल कर लिए हैं। 1 मई 2024 से 30 अप्रैल 2031 तक के इस ऐतिहासिक करार में 2026-27 और 2030-31 की गर्मियों में भारत के न्यूजीलैंड दौरे के अलावा इस अवधि के दौरान न्यूजीलैंड में खेले जाने वाले सभी अन्य द्विपक्षीय टेस्ट, वनडे और टी20 मैच शामिल होंगे।

सभी मैचों का प्रसारण और स्ट्रीमिंग क्रमशः एसपीएनआई के खेल चैनलों पर की जाएगी और सोनी लिव पर लाइवस्ट्रीम की जाएगी। यह पोर्टफोलियो को और मजबूत करेगा, जिसमें पहले से ही इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के साथ करार शामिल है। भारत में एसपीएनआई के डिजिटल अधिकार 2024-25 और 2025-26 सीजन के लिए आमेजन प्राइम के साथ को-एक्सक्लूसिव होंगे। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ एनपी सिंह ने कहा, हम न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ अपनी नई साझेदारी की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। न्यूजीलैंड अपनी असाधारण खेल भावना और मैदान पर अपनी ताकत के लिए प्रसिद्ध है। यह विश्व स्तर पर सबसे सम्मानित क्रिकेट टीमों में से एक है। इस प्रतिष्ठित टीम और भारत में इसके उत्साही फैन बेस के बीच के बंधन को गहरा और पोषित करना हमारा सौभाग्य है। न्यूजीलैंड क्रिकेट की अध्यक्ष डायना पुकेटापु-लिंडन ने कहा, यह दोनों संगठनों के लिए एक रोमांचक समय है। अपने पोर्टफोलियो में विश्व स्तरीय खेल टूर्नामेंटों के साथ, सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया भारत में प्रीमियर स्पोर्ट्स कंटेंट प्रोवाइडर्स में से एक है और हम अपने सहयोग के लिए तत्पर हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के मुख्य कार्यकारी स्कॉट वेनिंक ने कहा, हम इस समझौते से बहुत खुश हैं। यह देखते हुए कि यह साझेदारी स्वाभाविक रूप से फिट थी, दोनों संगठन समान मूल्यों को साझा करते हैं। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया एक महत्वाकांक्षी, अभिनव और आगे की ओर केंद्रित व्यवसाय संगठन है जो तेजी से बदलती दुनिया में कुशल और टिकाऊ होने पर गर्व करता है। यह अपने कंज्यूमर्स को सबसे पहले रखता है और जितना हो सके उतना बेहतर बनने की कोशिश करता है - ऐसे मूल्य जिनसे एनजेडसी बहुत मजबूती से जुड़ा हुआ है।

एनजेडसी के जीएम कमर्शियल क्रिस स्मिथ ने कहा, भारत एनजेडसी के लिए एक प्रमुख बाजार था और एसपीएनआई के साथ साझेदारी निकट रूप से जुड़े हितों का परिणाम थी। यह कहना उचित है कि यह एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक समझौता है। सोनी की भारतीय बाजार में लीनियर और डिजिटल दोनों प्लेटफार्मों पर बड़ी उपस्थिति है और हम एक लंबी और पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी की उम्मीद कर रहे हैं। इस करार को अंतिम रूप देते समय सोनी टीम के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा।

आईपीएल 2024 : धीमी ओवर गति के कारण शुभमन गिल पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले के दौरान धीमी ओवर गति के कारण गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल द्वारा बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, 'न्यूनतम ओवर गति अपराधों से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह शुभमन गिल की टीम का सीजन का पहला अपराध था, इसलिए, कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

राउंडग्लास स्पोर्ट्स ने भारत के नंबर-वन गोल्फर शुभांकर शर्मा को बनाया ब्रांड एंबेसडर

मोहाली। एक और ऐतिहासिक पहल के रूप में राउंडग्लास स्पोर्ट्स ने आज भारत के नंबर एक गोल्फर शुभांकर शर्मा को ब्रांड एंबेसडर के रूप में अनुबंधित करने की घोषणा की है। एक दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किया गया है, जिसके दौरान राउंडग्लास स्पोर्ट्स चंडीगढ़ के इस 27 वर्षीय गोल्फर का प्राथमिक प्रायोजक होगा।

शुभांकर डीपी वर्ल्ड टूर (पूर्व यूरोपीय टूर) पर दो बार विजेता रहे हैं और अब तक उन्होंने 8 करियर खिताब हासिल किये हैं। राउंडग्लास स्पोर्ट्स के अलावा, शुभांकर राउंडग्लास के विभिन्न वर्टिकल्स जैसे राउंडग्लास फाउंडेशन और राउंडग्लास गोल्फ अकादमी, जो दो सालों में ऑपरेशनल होने की उम्मीद है, को भी सहयोग देंगे। यह साझेदारी राउंडग्लास स्पोर्ट्स के मिशन का विस्तार है। राउंडग्लास स्पोर्ट्स ऐसे अव्वल खिलाड़ियों को समर्थन और बढ़ावा देना चाहता है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और जीतने की प्रतिभा रखते हैं।

मैं पूरी कोशिश करूंगा की आईपीएल में पर्पल कैप मुरादाबाद के लिए लेकर आऊं : पीयूष चावला

मुरादाबाद। मुरादाबाद में जन्मे क्रिकेट की बारीकियां सिखाने वाले क्रिकेटर पीयूष चावला ने कहा कि इस बार आईपीएल में मैं पूरी कोशिश करूंगा की पर्पल कैप मुरादाबाद के लिए लेकर आऊं। आईपीएल की टीम मुंबई इंडियंस ने क्रिकेटर पीयूष चावला को 50 लाख रुपये में खरीदा है।

पीयूष ने आईपीएल 2023 में अपनी फिरकी से गजब का कमाल दिखाया था। वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में तीसरे स्थान पर थे। उन्होंने मुंबई के लिए 16 मैचों में 22 विकेट लिए थे। पीयूष पहले स्थान पर रहे मोहम्मद शमी से मात्र 6 विकेट पीछे थे। मुरादाबाद मंडल के अमरोहा जनपद निवासी शमी ने गुजरात की ओर से खेलते हुए 17 मैचों में 28 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की थी। पीयूष चावला एक बार फिर अपनी फिरकी का कमाल आईपीएल में दिखाना चाहते हैं। बातचीत करते हुए पीयूष चावला ने कहा कि आईपीएल को लेकर अभ्यास सत्र के दौरान उन्होंने दोगुनी मेहनत पिछली बार की अपेक्षा की है। इस बार कोशिश है कि वह अपनी टीम के लिए पहले से भी ज्यादा सफल साबित हों। उन्होंने कहा कि मेरा सात वर्षीय बेटा आदिक क्रिकेट में बचपन से ही बहुत रुचि रखता है। जब वह मुझे मैच में अच्छा खेलते हुए देखता है तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं होता। मैं इस बार पर्पल कैप हासिल करके उसे गिफ्ट दूंगा।

आईएफए ने योसी बेनायून को राष्ट्रीय टीम के महाप्रबंधक पद से हटाया

जेरूसलम। इजराइल फुटबॉल एसोसिएशन (आईएफए) ने मंगलवार रात एक बयान में कहा कि पूर्व फुटबॉल स्टार योसी बेनायून इजराइली राष्ट्रीय टीम के महाप्रबंधक नहीं रहेंगे। यह निर्णय पिछले सप्ताह क्वालीफाइंग प्लेऑफ सेमीफाइनल में बुडापेस्ट में आइसलैंड से 4-1 से हारने के बाद यूईएफए यूरो 2024 के लिए अर्हता प्राप्त करने में इजराइल की विफलता के बाद लिया गया है।

लिवरपूल, चेल्सी और आर्सेनल जैसे शीर्ष क्लबों के लिए मिडफील्डर के रूप में खेलने वाले 43 वर्षीय बेनायून ने दो और के विकल्प के साथ दो साल के अनुबंध पर मार्च 2022 में राष्ट्रीय टीम के साथ अपना पद संभाला। लेकिन नुकसान के कारण, आईएफए ने अब बेनायून को विस्तार विकल्प का उपयोग न करने के निर्णय के बारे में सूचित किया है। इजराइली खेल मीडिया ने बताया कि आईएफए टीम के मुख्य कोच एलोन हजान से भी अलग हो जाएगा और

बराक बाचर को उत्तराधिकारी नियुक्त करेगा। 44 वर्षीय बाचर ने हापोएल बीयर शेवा और मैकाबी हाइफा के साथ 2016 और 2023 के बीच छह इजराइली प्रीमियर लीग खिताब जीते। उन्होंने मौजूदा सीजन की शुरुआत सर्बियाई चैंपियन रेड स्टार बेलग्रेड के मुख्य कोच के रूप में की थी, लेकिन पिछले साल दिसंबर के अंत में उन्हें निकाल दिया गया था।इजराइल का अगला अभियान यूईएफए नेशंस लीग के लीग ए में सितंबर और नवंबर के बीच होगा, जहां वे फ्रांस, बेल्जियम और इटली के खिलाफ खेलेंगे।

ला लीगा: सीजन के अंत में ओसासुना से अलग हो जाएंगे कोच जगोबा अर्रासाटे

मैड्रिड। कोच जगोबा अर्रासाटे ला लीगा के इस सीजन के अंत में ओसासुना से अलग हो जाएंगे। अर्रासाटे ने कहा कि वह अगले सीजन में ओसासुना के कोच के रूप में काम जारी नहीं रखेंगे, इसके साथ ही ओसासुना में पिछले छह सीजन से चला आ रहा उनका कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। 45 वर्षीय अर्रासाटे ने क्लब के अध्यक्ष लुइस सबाल्ज़ा और स्पोर्टिंग डायरेक्टर ब्राउलियो वाज़क्वेज़ के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उक्त घोषणा की।

अर्रासाटे के कोचिंग में पिछले सीजन में ओसासुना ला लीगा में सातवें स्थान पर रही और यूईएफए यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग के लिए क्वालीफाई किया, लेकिन क्वालीफाइंग चरण में बेल्जियम की ओर से क्लब ब्रुग से हार गई।

प्रेस के सामने अपनी उपस्थिति में भावुक नजर आ रहे कोच ने आगे कहा, मुझे खुद के प्रति ईमानदार रहना होगा और अपने भविष्य को

देखना होगा। मैं खुद के साथ शांति और सुकून महसूस करते हुए जा रहा हूं और मैं संभावित वापसी के लिए दरवाजा खुला छोड़ रहा हूं। .

उन्होंने कहा, मैं कभी भी इस तरह से कहीं नहीं जा रहा हूं, यहां तक कि शहर, खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए भी नहीं, लेकिन यह सभी के लिए बेहतर है कि चीजों को और न बढ़ाया जाए।

अंत में, उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें दूसरे क्लब में जाने की कोई जल्दी नहीं है, उन्होंने कहा, मैं केवल इस बारे में सोच रहा हूं कि जितना संभव हो सके सीजन को खत्म किया जाए। मुझे अपने प्रति ईमानदार रहना होगा और मुझे लगता है कि अलविदा कहने का समय आ गया है।

श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाएगा महिला एशिया कप 2024, आठ टीमें लेंगी हिस्सा

दुबई। महिला एशिया कप 2024 टी20 प्रारूप में 19 से 28 जुलाई तक दांबुला में खेला जाएगा। इस बार टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें पिछले संस्करण की तुलना में एक अतिरिक्त टीम शामिल होगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने मंगलवार को उक्त जानकारी दी।

टूर्नामेंट में मेजबान श्रीलंका, भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ, महिला प्रीमियर कप 2024 के सेमीफाइनलिस्ट संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, थाईलैंड और मलेशिया की टीमें भी शामिल हो गई हैं। पिछली बार के विपरीत, जब सभी टीमें सेमीफाइनल से पहले एक बार एक-दूसरे से खेलती थीं, इस साल उन्हें दो समूहों में विभाजित किया जाएगा। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, यूएई और नेपाल के साथ शामिल हो गया है, जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड और मलेशिया ग्रुप बी में हैं। भारत बनाम पाकिस्तान मैच 21 जुलाई को निर्धारित है।प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें 28 जुलाई को होने वाले खिताबी मुकाबले से पहले 26 जुलाई को सेमीफाइनल में हिस्सा लेंगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष, जय शाह ने एक आधिकारिक बयान में टूर्नामेंट के विस्तार के बारे में कहा, हम टीमों के बीच बढ़ती भागीदारी और प्रतिस्पर्धा को देखकर उत्साहित हैं, जो महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और महत्व को दर्शाता है। यह विस्तार, 2018 में छह टीमों से 2022 में सात और अब आठ, महिलाओं के खेल और एशियाई क्रिकेट में बढ़ते प्रतिभा पूल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।एसीसी के एक बयान में यह भी पुष्टि की गई कि, सिलहट में आयोजित पिछले संस्करण की तरह, इस टूर्नामेंट में केवल महिला अंपायर ही शामिल होंगी।

एशिया कप सितंबर में बांग्लादेश में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में जाने वाली टीमों के लिए ड्राई रन के रूप में काम करेगा। एशिया कप में, भारत सात खिताब जीत के साथ गत चैंपियन और सबसे सफल टीम है। 2012 के बाद से, टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाता है, हालांकि 2020 में कोरोना महामारी के दौरान टूर्नामेंट को पहले स्थगित किया गया और फिर रद्द कर दिया गया।इस साल, एशिया कप का उत्तरार्ध इंग्लैंड में महिला हंड्रेड प्रतियोगिता की शुरुआत के साथ टकराएगा, जो 23 जुलाई से शुरू होगी। इससे स्मृति मंधाना (साउदर्न ब्रेव), चमारी अटापट्टू (ओवल इनविंसिबल्स) और ऋचा घोष (बर्मिंघम फीनिक्स) की भागीदारी प्रभावित हो सकती है।

राजस्थान रॉयल्स 15 और 19 मई को गुवाहाटी में खेलेगी आईपीएल मैच

गुवाहाटी। इंडियन प्रीमियर लीग के पहले सीजन में राजस्थान रॉयल्स दो मैच गुवाहाटी में खेलेगी। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में पहला मैच 15 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ, जबकि दूसरा मैच कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 19 मई को खेलेगी। विश्व क्रिकेट में आईपीएल से असम और पूर्वोत्तर को पहली बार पिछले साल जोड़ा गया था। राजस्थान रॉयल्स के चेयरमैन असम के रंजीत बरठाकुर के कारण असम को गुवाहाटी में आईपीएल मैच की मेजबानी करने का मौका मिला है। राजस्थान रॉयल्स ने पिछले आईपीएल सीजन में बरसापारा

स्टेडियम में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दो घरेलू मैच खेले थे। रंजीत बरठाकुर ने कहा कि पिछले सीजन में दो मैचों की सफल मेजबानी के बाद हम खुश हैं और इस सीजन में आईपीएल के दो मैच पूर्वोत्तर में होंगे। हमें उम्मीद है कि इस बार भी खेल प्रेमियों का शत-प्रतिशत सहयोग देखने को मिलेगा। उन्होंने असम क्रिकेट संघ के प्रति आभार जताया, जिन्होंने बरसापारा स्टेडियम में मैच खेलने की अनुमति दी। इस बार कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स की टीम गुवाहाटी आएगी। असम के खेल जगत के लिए ये दो खास दिन होंगे। तीनों टीमों के पास विश्व क्रिकेट के सितारे हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स ने गुजरात टाइटंस को 63 रन से हराया, अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची सीएसके

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के सातवें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने गुजरात टाइटंस को 63 रनों से हरा दिया है। लगातार दूसरी जीत के साथ सीएसके अंकतालिका में सबसे ऊपर पहुंच गयी है। चेन्नई की जीत के हीरो जहां बल्लेबाजी में रचिन रवींद्र और शिवम दुबे रहे, वहीं गेंदबाजी में दीपक चहर, तुषार देशपांडे और मुस्तफिजुर रहमान का कमाल रहा। चेन्नई की ओर से मिले 207 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत ठीक नहीं रही। टीम को पहला झटका कप्तान गिल के रूप में लगा, जो तीसरे ओवर में 8 रन बनाकर आउट हुए। फिर पांचवें ओवर में टीम को दूसरा झटका रिद्धिमान साहा के रूप में लगा, जिन्होंने 21 रन बनाए। इसके बाद विजय शंकर (12 रन) और डेविड मिलर (21 रन) भी तेज गति से रन बनाने के चक्कर में आउट हो गए। हालांकि लंबे समय से दूसरा छोर संभाले रहे साई सुदर्शन भी ज्यादा कुछ नहीं कर सके और 37 रन बनाकर आउट हो गए। सुदर्शन के आउट होने के बाद गुजरात के जीत की उम्मीद भी दम तोड़ गई। इसके बाद सिर्फ बल्लेबाज आते और जाते रहे। अजमतुल्लाह उमरजई 11 रन, राशिद खान 01 रन और राहुल तेवतिया 06 रन बनाकर पवेलियन लौटे। चेन्नई के लिए दीपक चाहर, मुस्तफिजुर रहमान और तुषार देशपांडे ने 2-2 विकेट झटके। इसके अलावा डेरिल मिचेल और मथिशा पथिराना को 1-1 सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई की टीम ने 207 रन बनाए। चेन्नई की शुरुआत शानदार रही थी। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और रचिन रवींद्र ने टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने 32 गेंद पर 62 रन की साझेदारी की। इसमें रचिन का योगदान 20 गेंद में 46 रन का रहा। रचिन के आउट होने पर बल्लेबाजी करने आए अजिंक्य रहाणे फिर फ्लॉप रहे। रहाणे 12 गेंद में 12 रन बनाकर आउट हुए। ऋतुराज गायकवाड़ ने 46 रन का योगदान दिया। जबकि टीम के लिए रनों का अंबार लेकर आए शिवम दुबे ने मात्र 22 गेंदों में अर्धशतक लगाया। दुबे ने 23 गेंद में 51 रन की पारी खेली। दुबे के बाद समीर रिजवी ने छोटी मगर उपयोगी पारी खेली। रिजवी ने छह गेंद में 14 रन बनाए। जबकि डेरिल मिचेल 24 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात की ओर से राशिद ने दो विकेट लिए। वहीं, साई किशोर, स्पेंसर जॉनसन और मोहित शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

पाकिस्तान में पीटीवीसी और टॉवर स्पोर्ट्स को मिले आईसीसी क्रिकेट प्रसारण अधिकार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2025 के अंत तक पाकिस्तान में आईसीसी क्रिकेट प्रसारण अधिकार पाकिस्तान टेलीविजन कॉर्पोरेशन (पीटीवीसी) और टॉवर स्पोर्ट्स (टेन स्पोर्ट्स पाकिस्तान के लैंडिंग राइट्स लाइसेंस धारक) को प्रदान किए हैं।

पाकिस्तान टेलीविजन कॉर्पोरेशन और टॉवर स्पोर्ट्स ने 2025 के अंत तक छह पुरुषों और महिलाओं के आईसीसी विश्व आयोजनों के लिए गैर-अनन्य अधिकार सुरक्षित कर लिए हैं। टीवी अधिकारों के साथ-साथ दोनों पक्षों

के पास पैकेज के हिस्से के रूप में डिजिटल अधिकार भी होंगे।

दोनों सौदों में शामिल कार्यक्रम आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2024, आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024, आईसीसी अंडर-1919 महिला टी-20 विश्व कप 2025, आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025, आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 2025 और आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 शामिल हैं।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी, ज्योफ एलार्डिस ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमें अगले दो वर्षों के लिए प्रसारण भागीदारों के हमारे पोर्टफोलियो में पीटीवीसी और टॉवर स्पोर्ट्स का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। पाकिस्तान विश्व क्रिकेट के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार है, जहां एक बड़ा और उत्साही प्रशंसक आधार है और हम देश में अधिक से अधिक लोगों तक आईसीसी आयोजनों को ले जाने में सक्षम होने के लिए रोमांचित हैं। पीटीवीसी के प्रबंध निदेशक, सैय्यद मुबाशर तौकीर शाह ने कहा, अगले दो वर्षों के लिए आईसीसी विश्व आयोजनों के अधिकार सुरक्षित रखना पीटीवीसी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम पाकिस्तान भर में लाखों प्रशंसकों के घरों में आईसीसी विश्व कप लाने के लिए रोमांचित हैं। यह हमारे लिए प्रीमियम खेल सामग्री प्रदान करने और देश भर में क्रिकेट प्रशंसकों के साथ जुड़ने की अटूट प्रतिबद्धता का आधार है।

आईएसएल ने मौके नहीं दिए होते तो मैं आज यहां नहीं होता : लालियानजुआला छांगटे

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 में उन्नीस मैचवीक मुकाबले खेले जा चुके हैं, और मुम्बई सिटी एफसी 41 अंकों के साथ तालिका के शीर्ष पर विराजमान है। मुम्बई की अब तक की सफलता के पीछे प्रमुख खिलाड़ियों में से एक मौजूदा आईएसएल गोल्डन बॉल विजेता लालियानजुआला छांगटे हैं।

छांगटे ने चार गोल करने के साथ पांच में सहायता प्रदान की है और अग्रिम पंक्ति के अपने साथियों के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाया है, जो नियमित रूप से विपक्षी टीमों और उनकी डिफेंस को प्रभावशाली ढंग से भेद रही है। वह विपक्षी टीम के बॉक्स के अंदर 21 सफल ड्रिबल और 79 टच दर्ज कर चुके हैं, और फाइनल थर्ड में हमेशा मौजूद रहते हैं, जिससे उनकी टीम ने इस आईएसएल सीजन में अब तक 36 गोल दागे हैं। आइलैंडर्स इस मामले में मोहन बागान सुपर जायंट (38) के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

मिजोरम के लुंगलेई में जन्मे, छांगटे ने 2016 में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की तरफ से आईएसएल में पदार्पण किया था। तब से वह चेन्नइयन एफसी और आइलैंडर्स के लिए खेल चुके हैं, साथ ही वह ब्लू टाइगर्स की मुख्य टीम के नियमित सदस्य हैं। आठ साल बाद, वह आईएसएल के प्रति आभारी हैं, क्योंकि लीग ने उन्हें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं के खिलाफ अपनी योग्यता साबित करने का मौका प्रदान किया है।

छांगटे ने लीग को दिये एक साक्षात्कार में कहा, मैंने अपने पहले क्लब नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के साथ 2016 के आईएसएल सीजन में पेशेवर करियर शुरू किया था। अगर क्लब और आईएसएल ने मुझे खुद को साबित करने का मौका नहीं दिया होता, तो मैं आज यहां नहीं होता, क्योंकि उन्होंने एक खिलाड़ी व इंसान दोनों के रूप में मुझे अपना हुनर निखारने और चरित्र को मजबूत बनाने में मदद की है। मैं धीरे-धीरे अधिक परिपक्व होता चला गया। मुझे मौका देने, मुझ पर भरोसा करने और मेरी क्षमताओं पर विश्वास करने के लिए मैं लीग को धन्यवाद दूंगा।

विंगर ने आगे कहा, लीग बेहतर तरीके से विकसित हो रही है और उम्मीद है कि अधिक क्लबों के शामिल होने और अधिक मैच खेलने के मौके मिलने से हमें बेहतर खिलाड़ी बनने में मदद मिलेगी। जब आप अधिक मैच खेलते हैं तो इससे आपको राष्ट्रीय टीम में मदद मिलती है। आईएसएल बहुत अच्छा काम कर रही है, उम्मीद है कि वो ऐसा करना

जारी रखेगी, मेरे जैसे युवा खिलाड़ियों को हर दिन विकसित होने में मदद करती रहेगी, जो राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का सपना देखते हैं। मुझे उम्मीद है कि एक दिन ऐसा आएगा, जब हमें अन्य देशों से भी अधिक मान्यता मिलेगी।

छांगटे उन शानदार खिलाड़ियों में से एक हैं जिनकी सफलता की कहानियां क्लब फुटबॉल के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी छाई रही हैं। उन्होंने दिसम्बर 2015 में साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन (एसएएफएफ) चैम्पियनशिप के दौरान श्रीलंका के खिलाफ सीनियर टीम में अपना पदार्पण किया था। तब से लेकर, छांगटे ब्लू टाइगर्स के लिए 34 मुकाबले खेल चुके हैं और और सात गोल कर चुके हैं। वह राष्ट्रीय टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छांगटे टीम के उन साथियों को बड़े प्यार से याद करते हैं जिन्होंने ऐसे समय में उनका साथ दिया था जब वह मुश्किल हालात में थे।

छांगटे ने कहा, मैं 18 साल का था जब मैंने पहली बार राष्ट्रीय टीम के लिए खेला था। उसके बाद कुछ असफलताएं मेरे हाथ लगीं। मैं राष्ट्रीय टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था, और कई बार ऐसा भी हुआ कि मैं (संभावितों की) सूची में नहीं था। मैं बहुत मेहनत करता रहा। सुनील भाई, संदेश भाई, गुरप्रीत जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों ने उस समय भी बहुत मदद की जब मैं टीम के अंदर नहीं था। उन्होंने मुझे क्लब स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि जब आप क्लब की तरफ से अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आपको राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का मौका मिलता है। राष्ट्रीय टीम के वर्ल्ड कप क्वालीफायर के लिए अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के पूरा होने के बाद, इंडियन सुपर लीग 30 मार्च, 2024 को एक्शन में लौट आएगा।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ ऊना ▸ 28 मार्च 2024 ▸ पृष्ठ 12 ▸ आरएनआई: HPHIN / 2012 / 48072

फास्ट न्यूज

बीजेपी प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत के खाते में हैं 59 लाख रुपये

हरिद्वार: हरिद्वार संसदीय सीट से बतौर भाजपा प्रत्याशी नामांकन कराने वाले पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के पास महज 56 हजार की नकदी है। जबकि, उनकी पत्नी सुनीता के पास महज 32 हजार रुपये। हालांकि, त्रिवेंद्र के बैंक खाते में 59 लाख 88 हजार 913 रुपये और पत्नी के खाते में 94 लाख 80 हजार 261 रुपये जमा हैं। नामांकन पत्र के साथ दाखिल दिए गए शपथ पत्र में त्रिवेंद्र ने यह जानकारी दी है। भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शपथ पत्र में बताया कि उनके पास 40 ग्राम सोना है, जबकि पत्नी के पास 110 ग्राम।

इतनी है नकदी व सोने की कीमत

बाजार भाव के हिसाब से त्रिवेंद्र के पास मौजूद नकदी व सोने की कीमत 62 लाख 92 हजार रुपये है। पत्नी के पास मौजूद नकदी और सोना मिलाकर यह आंकड़ा एक करोड़ एक लाख 92 हजार 61 रुपये बैठता है। कृषि भूमि की बात करें तो त्रिवेंद्र के पास 47 लाख रुपये और पत्नी के पास 10 लाख 68 हजार रुपये मूल्य की कृषि भूमि है। गैर कृषि भूमि उनके पास छह लाख 94 हजार रुपये और पत्नी के पास 18 लाख रुपये मूल्य की है।

त्रिवेंद्र सिंह रावत पर नहीं है कोई कर्ज: पति-पत्नी के पास कोई व्यावसायिक संपत्ति नहीं है और दोनों पर कोई कर्ज भी नहीं है। हालांकि, 75 लाख रुपये की लायबिलिटी बताई गई है। त्रिवेंद्र के नाम 3.5 करोड़ रुपये और पत्नी के नाम 80 लाख रुपये का आवासीय भवन है। त्रिवेंद्र ने वर्ष 1983 में स्नातकोत्तर किया। हरिद्वार संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने नामांकन के चार सेट दाखिल किए। इससे पहले शुक्रवार को उन्होंने आनलाइन अपने नामांकन का डाटा भरा था। नामांकन दाखिल करने से पूर्व रावत ने पत्नी सहित हरकी पैड़ी पहुंचकर गंगा पूजन कर जीत का आशीर्वाद लिया। बाद में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ भेंटवार्ता की और भाजपा की बैठक में भाग लिया। नामांकन दाखिल करने के बाद त्रिवेंद्र रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन पर विश्वास जताते हुए हरिद्वार की मर्यादा व गरिमा एवं विकास के लिए चुनाव मैदान में उतारा है। प्रधानमंत्री के विश्वास पर खरा उतरने का वे पूरा प्रयास करेंगे।

दर्दनाक हादसा, खाई में गिरी कार; तीन सवारों की मौके पर दर्दनाक मौत

गोपेश्वर: चमोली जिले के गोपश?वर में शुक्रवार देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक वाहन खाई में गिर गया और हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक थाना नंदा नगर घाट में शुक्रवार मध्य रात्रि को कार के खाई में गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई है।

तीनों कार सवारों की मौके पर ही मौत: बताया गया कि रात करीब एक बजकर 15 मिनट पर दूरभाष से सूचना मिली कि ग्राम मणखी के पास एक मारुति सुजुकी कार सड़क से करीब 300 मीटर नीचे गिर गई है, जिसमें तीन व्यक्ति सवार थे। सूचना पर थाना नंदा नगर पुलिस टीम रेस्क्यू उपकरण के साथ मौके पर पहुंची और रेस्क्यू किया। बताया गया कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस द्वारा शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नंदा नगर घाट लाया गया। जहां से पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

यूपी की हॉट लोकसभा सीट बनी मेरठ

अरुण गोविल के साथ संगठन के नेताओं ने डाला डेरा, जल्द पहुंचेंगे योगी-मोदी

टीम एक्शन इंडिया

मेरठ: अचानक ही मेरठ-हापुड़ सीट को लेकर भाजपा बेहद सतर्क हो गई है। प्रत्याशी की घोषणा के बाद से ही मेरठ सीट को लेकर पार्टी की रणनीति तेजी से बदल गई है। भाजपा के घोषित प्रत्याशी रामायण में श्रीराम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल को लेकर प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिर्फ पहुंचे ही नहीं हैं बल्कि उन्होंने यहां डेरा डाल दिया है। यही नहीं प्रत्याशी के पहुंचने के दूसरे दिन ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सम्मेलन होने जा रहा है और उसके पांचवें दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी यहां रैली करने पहुंच रहे हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है जब भाजपा ने मेरठ या पश्चिम की किसी सीट को लेकर इतनी अधिक सतर्कता दिखाई है।

भाजपा ने अरुण गोविल को बनाया प्रत्याशी: स्थानीय दावेदारों को दरकिनार कर सेलिब्रिटी चेहरे के रूप में अरुण गोविल को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया। 400 पार का विजन लेकर मैदान में उतरी भाजपा आक्रामक रणनीति के साथ उतर चुकी है। पिछले चुनाव में विपक्ष के प्रत्याशी से मिली जबरदस्त टक्कर से सबक लेते हुए न सिर्फ प्रत्याशी बदला बल्कि गुटबाजी की आशंका को देखते हुए ऐसे चेहरे को उतारा जिसका नाम जनता के बीच प्रिय है और दावेदार भी खुलकर विरोध नहीं कर पाएंगे। हालांकि भाजपा इतने से ही संतुष्ट होने वाली पार्टी नहीं बनना चाहती है। प्रत्याशी के प्रथम दिन के आगमन के समय स्वयं प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल पहुंचे ताकि किसी भी स्तर पर स्थानीय विरोध का गठजोड़ आकार न ले सके। धर्मपाल ने पहले ही दिन गोविल की उपस्थिति में लोकसभा चुनाव संचालन समिति और जनप्रतिनिधियों की बैठक बुलाकर पार्टी का संदेश स्पष्ट कर दिया।

मिला समर्थन

प्रत्याशी की घोषणा के बाद से ही मेरठ सीट को लेकर पार्टी की रणनीति तेजी से बदल गई है

पीएम मोदी भी करेंगे प्रचार: प्रत्याशी की स्वीकारोक्ति और मनोयोग से जुटने का संकल्प कराने तथा प्रचार का शंखनाद कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पहुंच रहे हैं।

चर्चा यह भी है कि पार्टी का आंतरिक खुफिया तंत्र ने स्थानीय गतिविधि पर नजरें गड़ा दी हैं और प्रत्येक घटनाक्रम को प्रदेश कार्यालय से लेकर से दिल्ली मुख्यालय तक भेजा जाएगा।

नोटों के बिस्तर पर सोते नेता का विडियो वायरल

टीम एक्शन इंडिया

गुवाहाटी: आगामी लोकसभा चुनाव से पहले यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) का निलंबित सदस्य 500 रुपये के नोटों के बिस्तर पर सोता नजर आया। उनकी तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही हैं। यह नेता प्रधानमंत्री आवास योजना और ग्रामीण रोजगार योजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने का आरोपित है। नेता पर प्रधानमंत्री आवास योजना और मनरेगा के गरीब लाभार्थियों से रिश्वत लेने का आरोप है।

भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में आरोपित है नेता: सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों उदालगिरी जिले के भैरागुड़ी में ग्राम परिषद विकास समिति (वीसीडीसी) के अध्यक्ष बेंजामिन बासुमतारी 500 रुपये के नोटों के साथ बिस्तर पर सोता नजर आ रहा है। तस्वीरों में नेता के ऊपर भी कुछ नोट बिखरे नजर आ रहे हैं। मामले से यूपीपीएल ने भी दूरी बना ली है। यूपीपीएल प्रमुख और बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोरो ने दावा किया कि पार्टी की हरिसिंघा ब्लाक कमेटी ने गत पांच जनवरी को बासुमतारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की थी।

जम्मू-कश्मीर पर बार-बार बोला गया झूठ: अख्तर

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: कश्मीरी महिला कार्यकर्ता तस्लीमा अख्तर ने पाकिस्तान का कश्मीर पर दुर्भावनापूर्ण प्रचार का भंडाफोड़ किया। कश्मीर में प्रायोजित आतंकवाद को उजागर किया और पाकिस्तान को आईना दिखाया। तस्लीमा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में हमने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का शिकार हुए अपने निर्दोष लोगों के लिए न्याय की मांग की है। हमने जम्मू-कश्मीर में चल रहे विकास पर भी चर्चा की। कश्मीर के विकास पर पूरी दुनिया की नजर है। तस्लीमा अख्तर ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के 55वें सत्र में भाग लिया था।

निर्देश

तस्लीमा ने खोले पाकिस्तान के नापाक राज! आईना दिखाते हुए एजेंटों को किया बेनकाब

कुछ लोगों का अपना एजेंडा सेट है: तस्लीमा अख्तर ने कहा कि कश्मीर के बारे में बार-बार झूठे दावे और निराधार बातें की गईं। तस्लीमा ने पाकिस्तानी एजेंटों को बेनकाब करते हुए कहा कि यह लोग अक्सर संयुक्त राष्ट्र में कश्मीरी निवासियों के रूप में सामने आते हैं। ब्रिटेन, फ्रांस और इटली जैसे देशों में रहने वाले कुछ लोगों का अपना एजेंडा है। उन्हें कश्मीर के बारे में कोई जानकारी नहीं है। अगर उन्होंने विदेशी नागरिकता हासिल कर ली है, तो वह कश्मीर के बारे में कैसे बोल सकते हैं?

घाटी में पथराव और दंगों का अंत: तस्लीमा अख्तर ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और अगस्त 2019 से जम्मू-कश्मीर में देखे गए परिवर्तन की भी सराहना की। तस्लीमा ने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पाकिस्तान प्रायोजित पथराव बंद हो गया है। हमने घाटी में पाकिस्तान समर्थित संगठनों द्वारा किए गए दंगों और हिंसा का अंत देखा है।

गुलाम कश्मीर में लोग मजबूरी में: जम्मू-कश्मीर और गुलाम कश्मीर वाले क्षेत्रों की स्थितियों की तुलना करते हुए तस्लीमा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और गुलाम कश्मीर में एक बड़ा अंतर है। एक तरफ हम जम्मू कश्मीर में राजमार्गों, सड़कों और स्टेशनों का निर्माण देख रहे हैं।

'बिट्टू के जाने से पार्टी को नुकसान, जनता माफ नहीं करेगी'

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़: कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने तीन बार के सांसद रवनीत बिट्टू के भाजपा में जाने को पार्टी का नुकसान बताया है। उन्होंने कहा कि मुश्किल के समय में पार्टी छोड़ कर जाने वालों को लोग माफ नहीं करेंगे। वड़िंग ने कहा कि पार्टी से ज्यादा व्यक्तिगत रूप से बिट्टू का नुकसान हुआ है। क्योंकि अब वह एक सांसद तो रह सकते हैं लेकिन कांग्रेसी परिवार नहीं कहलाएंगे। क्योंकि उनके दादा स्वर्गीय बेअंत सिंह का कांग्रेस में एक बड़ा नाम थे।

टिकट कटने के बाद पहली बार बोले एसटी हसन

कहा- टिकट का होना या ना होना,; नरेश उत्तम ने भेजा कैंसिलेशन पत्र

टीम एक्शन इंडिया

मुरादाबाद: मुरादाबाद लोकसभा सीट से सपा सांसद डॉ. सैय्यद तुफैल हसन ने कहा कि मुझे पार्टी ने आदेश दिया था और मुझे सिंबल दिया था, क्योंकि टाइम बहुत कम था यह भी हिदायत दी गई थी कि जल्द से जल्द कर लें, इसलिए मैंने नामांकन कर दिया था। आज मुझे पता चला है कि दूसरे कैंडिडेट ने भी नामांकन कर दिया है अब फैसला हाईकमान के हाथ में है।

हसन ने कहा कि वह जो भी फैसला लेंगे, उसे हम कबूल करेंगे। किन परिस्थितियों में यह फैसला लिया गया, इसके बारे में बेहतर हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ही बता सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा टिकट क्यों काटा गया है, यह मुझे क्यों पूछा जा रहा है जिन्होंने यह किया है, वही इसका जवाब दे पाएंगे। अखिलेश यादव और आजम खान हमारे नेता हैं, कुछ सोच समझ कर ही उन्होंने ऐसा फैसला लिया होगा। सांसद ने कहा कि टिकट का होना या ना होना यह एसटी हसन की शख्सियत को थोड़ी खत्म कर देगा, अभी तो फिलहाल रुचि वीरा ने भी नामांकन किया है तो ऑफिशियल कैंडिडेट कौन है। इसका फैसला तो अब वही लेंगे जो आईडियोलॉजी मुलायम सिंह यादव की थी, वही आईडियोलॉजी हमारी है और वही आईडियोलॉजी अखिलेश यादव की.. बाकी अभी कुछ दिनों में चीजें स्पष्ट हो जाएंगी।

कटा टिकट

अखिलेश यादव और आजम खान हमारे नेता हैं, कुछ सोच समझ कर ही उन्होंने ऐसा फैसला लिया होगा

नरेश उत्तम पटेल ने भेजा पत्र: सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने पत्र डॉ. एसटी हसन के समर्थन में रुचि वीरा के सिंबल का कैसिलेशन पत्र भेजा है।

पूर्व महानगर अध्यक्ष शोएब पाशा पत्र लेकर डीएम के पास पहुंचे। अभी कलेक्ट्रेट में जमे हुए हैं। हालांकि, जिलाधिकारी ने तीन बजे तक का समय दिया था। अब पत्र स्वीकार होगा या नहीं ये जिलाधिकारी के विवेक पर निर्भर करता है।

बिट्टू को सबक सिखाना चाहते हैं कांग्रेसी: आशु

टीम एक्शन इंडिया

लुधियाना: भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद लुधियाना के सांसद रवनीत सिंह बिट्टू अभी दिल्ली में ही डटे हैं। बुधवार को उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। हालांकि शाह के साथ उनकी मुलाकात संक्षिप्त हुई और बताया जा रहा है कि उन्होंने बिट्टू का पार्टी में स्वागत किया।

बिट्टू के करीबियों के भी बीजेपी में शामिल होने की संभावना: सूत्रों के अनुसार, अभी बिट्टू दिल्ली में ही हैं और संभवतः एक या दो दिन में लुधियाना वापस लौटेंगे। भाजपा के शीर्ष नेता ने कहा कि उन्हें पार्टी नेतृत्व ने सौंपा है तो उनका स्वागत करेंगे। हालांकि उन्हें कहां से चुनाव लड़ने की जिम्मेदारी दी जाएगी, इसका फैसला अगले सप्ताह हो जाएगा। पार्टी अगले सप्ताह पंजाब के उम्मीदवारों की घोषणा कर सकती है। हालांकि यह भी चर्चा है कि बिट्टू के एक-दो करीबी जल्द भाजपा का दामन थामेंगे।

बिट्टू और आशु आ सकते आमने-सामने: वैसे उम्मीद जताई जा रही है कि बिट्टू को लुधियाना से दो बार सांसद बनाने में योगदान करने वाले आशु अब उनके खिलाफ उतर सकते हैं। यानी एक दशक तक एकसाथ रहने वाले राजनीतिक मित्र फिर आमने-सामने हो सकते हैं। उधर, आशु ने कहा कि बिट्टू के साथ मित्रता पहले भी थी और आगे भी रहेगी। एक परिवार में पिता-पुत्र या भाई-भाई की विचारधारा अलग हो सकती है, लेकिन रिश्ते टूट नहीं जाते। हम निभाएंगे, वह निभाए या नहीं।

किसानों के संघर्ष से फूटी धारा, खेतों की प्यास बुझी

टीम एक्शन इंडिया

हल्द्वानी: गौलापार के करीब सात हजार काश्तकार पिछले दो सप्ताह से संकट में थे। सिंचाई की मुख्य नहर से पानी नहीं मिलने के कारण खेत सूखे थे। अक्टूबर 2021 की आपदा में टूटी नहर से वैकल्पिक व्यवस्था बनने पर समाधान हो पाता। ऐसे में करीब 100 काश्तकार फावड़े-बेलचे लेकर काठगोदाम पुल के नीचे उतर गए। बंद पड़ी नहर को साफ किया। इसके बाद सिंचाई विभाग ने पोकलैंड की मदद से पहाड़ी का कटान करना शुरू किया। रात दस बजे करीब संघर्ष कामयाब हुआ। टूटे हिस्से के बीच में टिन व मजबूत काली पन्नी की मदद से पानी को आरपार कर नहर तक पहुंचाया गया। गौलापार के करीब सात हजार किसानों को काठगोदाम बैराज से पानी मिलता है। आपदा से मुख्य नहर का काफी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। बार-बार मरम्मत कर जैसे-तैसे काम चलाया जा रहा था। वहीं, दो माह पूर्व 2.89 करोड़ का बजट जारी होने पर स्थायी मरम्मत का काम शुरू हुआ। क्षतिग्रस्त हिस्से को तोड़ नए सिरे से निर्माण करना था। मगर लगातार भूस्खलन के कारण खतरे की स्थिति भी बन गई। दूसरी तरफ पिछले दो सप्ताह से खेतों को पानी मिलना बंद हो गया। प्याज, लहसुन की फसल संग पशुओं के लिए भी पानी की दिक्कत होने लगी। जबकि गेहूं की फसल भी प्रभावित हो रही थी।

नहर साफ किया

ऐसे में करीब 100 काश्तकार फावड़े-बेलचे लेकर काठगोदाम पुल के नीचे उतर गए। बंद पड़ी नहर को साफ किया

'चुनावी वैतरणी' पार करने के लिए हर दल का 'नया खेवैया'

यूपी की हाई प्रोफाइल सीट पर सपा-बसपा और भाजपा ने साधा समीकरण

टीम एक्शन इंडिया

कानपुर: लोकसभा चुनाव के लिए सजे सियासी युद्ध में प्रमुख दलों के योद्धा मैदान में हैं। इस बार भाजपा, कांग्रेस और बसपा ने 'चुनावी वैतरणी' पार लगाने के 'नए खेवैया' ही उतारे हैं, जो 'पतवार' लेकर सियासत की नदी में दो-दो हाथ करने निकले हैं। तीनों दलों के उम्मीदवार सामने आने से रोचकता बढ़ी है। भाजपा ने कई बड़े धुरंधरों को दरकिनार कर रमेश अवस्थी के रूप में चौंकाऊ दांव चला है। छात्र संघ के बाद वह पहली बार कोई चुनाव लड़ने जा रहे हैं। वहीं, कांग्रेस से आलोक मिश्रा मैदान में हैं तो बसपा ने कुलदीप भदौरिया पर भरोसा जताया है। तीनों ही प्रत्याशी पहली बार किसी लोस चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। कानपुर संसदीय सीट पर भाजपा पिछले तीन चुनावों से हर बार उम्मीदवार बदल रही है। 2014 में डा. मुरली मनोहर जोशी मैदान में उतरे और बड़े अंतर से जीत हासिल की। इसके बाद सत्यदेव पचौरी ने जीत का स्वाद चखा। इस बार पचौरी ने ऐन टिकट घोषणा से पहले ही चुनाव नहीं लड़ने की इच्छा का पत्र केंद्रीय नेतृत्व को भेजा। 2024 के लिए विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, नीतू सिंह, दिनेश शर्मा जैसे नाम चर्चा में थे, लेकिन भाजपा ने प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व 2014 से ही टिकट की कतार में रहे पूर्व पत्रकार रमेश अवस्थी के नाम पर मुहर लगा दी। नया नाम चौंकाने वाला अवश्य है पर भाजपाई गणित समझें तो इस सीट पर पिछले 33 वर्षों से ब्राह्मण चेहरा ही उतर रहा है। कारण, यह सीट ब्राह्मण बाहुल्य है। मूलरूप से फरुर्खाबाद निवासी रमेश अवस्थी संघ के स्वयंसेवक हैं। 2019 में बांदा व इससे पहले फरुर्खाबाद में टिकट मांग रहे थे।

समीकरण

भाजपा ने कई बड़े धुरंधरों को दरकिनार कर रमेश अवस्थी के रूप में चौंकाऊ दांव चला है

सौंदर्यवर्धन

रवनीत बिट्टू के बीजेपी में जाने के बाद कांग्रेस को लगा तगड़ा झटका

राहुल की कोर टीम तेजी से छोड़ रही कांग्रेस का हाथ

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़: कांग्रेस की युवा ब्रिगेड जो कभी राहुल की कोर टीम का हिस्सा हुआ करती थी, तेजी से 'हाथ' छोड़ कर कमल का फूल पकड़ रही है। ऑल इंडिया युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे अशोक तंवर पहले ही कांग्रेस को छोड़ गए थे। तंवर आम आदमी पार्टी से होते हुए भाजपा में आ गए हैं और भाजपा ने उन्हें हिसार से पार्टी का उम्मीदवार बनाया है।

यह सीट पहले शिअद के पास थी: इसी प्रकार रवनीत बिट्टू जोकि राहुल गांधी की गुड बुक में थे, ने भी कांग्रेस को छोड़ कर भाजपा ज्वाइन कर ली। पंजाब यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रधान रमिंदर आंवला की भी भाजपा में जाने की तैयारी है। आंवला भाजपा के प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ के करीबी है। उनका कांग्रेस छोड़ना तय था बस इंतजार इस बात का हो रहा था कि क्या शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन होता है या नहीं। क्योंकि आंवला फिरोजपुर जिले से आते है और यह सीट पहले शिअद के पास थी। लोकसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहा है। कांग्रेस के लिए तो चुनौतियां बढ़ ही रही है लेकिन अहम बात यह है कि जिन नेताओं को कभी राहुल गांधी आगे लाए थे, वह भी अब दूसरी पार्टियों में जा रहे है। रवनीत बिट्टू का भाजपा में जाना कांग्रेस के लिए बेहद चौंकाने वाला रहा। हालांकि इससे पहले भी पंजाब से पूर्व विधायक गुरप्रीत जीपी और सिटिंग विधायक डा. राजकुमार चब्बेवाल पार्टी छोड़ कर जा चुके है। बिट्टू के जाने से कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा है। क्योंकि तीन पीढ़ियों से बिट्टू परिवार कांग्रेस से जुड़ा रहा है। बिट्टू के दादा स्वर्गीय बेअंत सिंह को पंजाब से आतंकवाद खत्म करने का श्रेय जाता है। बाद में आतंकवादियों ने उन्हें बम से उड़ा दिया था। बिट्टू ने अपना राजनीतिक कैरियर यूथ कांग्रेस के प्रदेश प्रधान पद से शुरू की थी। जानकारी के अनुसार रमिंदर आंवला भी जल्द ही भाजपा ज्वाइन कर सकते है।

'हाथ' छोड़ा

कोर टीम का हिस्सा हुआ करती थी, तेजी से 'हाथ' छोड़ कर कमल का फूल पकड़ रही

कुमाऊं की दो सीटों पर माहौल बनाने के लिए सीएम धामी ने कसी कमर

टीम एक्शन इंडिया

हल्द्वानी: राज्य सरकार ने केदारखंड की तर्ज पर मानसखंड को विकसित करने की योजना को लेकर भी पहल शुरू की है। जिस तरीके से चार धाम में हर तरह की सुविधाएं बढ़ाई गई हैं, उसी तरह मानसखंड में भी मंदिरों व आध्यात्मिक स्थलों को संवारने की योजना बनाई गई है। इसमें केंद्र सरकार की भी मदद मिल रही है। इससे क्षेत्र में न केवल धार्मिक पर्यटन का विस्तार होगा बल्कि आर्थिक समृद्धि के भी द्वार खुलेंगे। यही कारण है कि मिशन-2024 को फतह करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी तमाम विकास कार्यों के साथ ही मानसखंड के इस मंदिर माला मिशन के जरिये भी लोगों के मन में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस मुद्दे को भुनाने के लिए भी पार्टी स्तर पर विशेष रणनीति बन चुकी है। मानसखंड मंदिर माला मिशन योजना की शुरूआत डेढ़ वर्ष पहले ही हो चुकी थी।

योजना

उसी तरह मानसखंड में भी मंदिरों व आध्यात्मिक स्थलों को संवारने की योजना बनाई गई है

इसमें कुमाऊं के करीब 26 मंदिरों को शामिल करने की योजना है। प्रथम चरण में मानसखंड मंदिर माला मिशन में अल्मोड़ा में जागेश्वर महादेव मंदिर, चितई गोलू मंदिर, सूर्यदेव मंदिर कटारमल, कसार देवी मंदिर, नंदा देवी मंदिर, पिथौरागढ़ में पाताल भुवनेश्वर मंदिर, हाट कालिका मंदिर, बागेश्वर में बागनाथ मंदिर, बैजनाथ मंदिर, चंपावत में पाताल रुद्रेश्वर, मां पूर्णागिरी मंदिर, मां बाराही देवी मंदिर, बालेश्वर मंदिर, नैनीताल में नैना देवी मंदिर, कैंचीधाम मंदिर व ऊधम सिंह नगर में चैतीधाम मंदिर शामिल है।